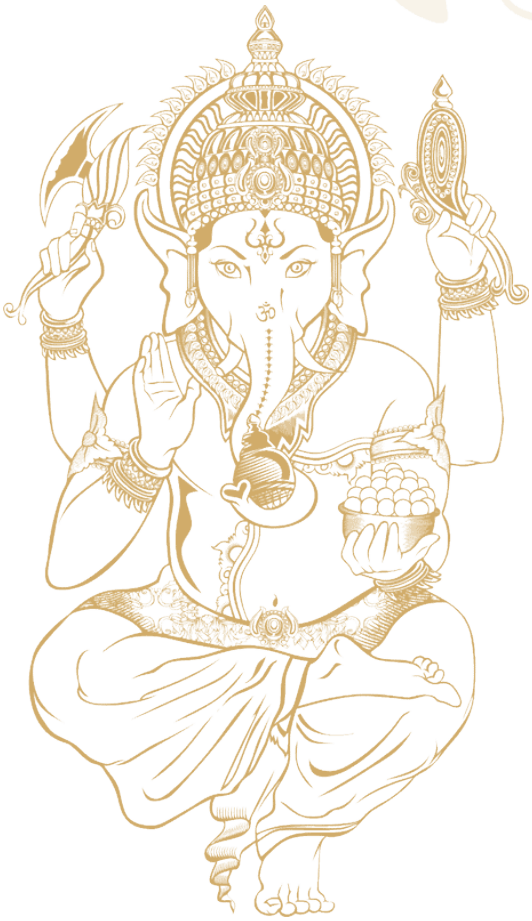

Mr.Krashna kumar Kacholiya

11 Aug 1982

09:50 PM

Murud

Model: Web-JanmaKundliPlus

Order No: 119817301

सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/08/1982**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**21:50:00 घंटे**
इष्ट	38:47:41 घटी
स्थान	**Murud**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:19:00 उत्तर
रेखांश	72:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:11:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:14 घंटे
साम्पातिक काल	18:31:06 घंटे
सूर्योदय	06:18:55 घंटे
सूर्यास्त	19:07:28 घंटे
दिनमान	12:48:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	25:03:04 कर्क
लग्न के अंश	16:15:19 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	गण्ड
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीलाधर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

पंचांग

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1904	श्रावण	20
पंजाबी	संवत : 2039	श्रावण	27
बंगाली	सन् : 1389	श्रावण	26
तमिल	संवत : 2039	आदी	27
केरल	कोल्लम : 1157	कर्कदम	26
नेपाली	संवत : 2039	श्रावण	27
चैत्रादि	संवत : 2039	भाद्रपद	कृष्ण 6
कार्तिकादि	संवत : 2039	श्रावण	कृष्ण 6

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि ____: 6
तिथि समाप्ति काल _____: 06:35:31
जन्म तिथि _____: 7
सूर्योदय कालीन नक्षत्र ____: अश्विनी
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 18:49:13 घंटे
जन्म योग _____: भरणी
सूर्योदय कालीन योग ____: गण्ड
योग समाप्ति काल _____: 27:09:15 घंटे
जन्म योग _____: गण्ड
सूर्योदय कालीन करण ____: वणिज
करण समाप्ति काल _____: 06:35:31 घंटे
जन्म करण _____: बव
भयात _____: 07:31:57
भभोग _____: 58:17:31
भोग्य दशा काल _____: शुक्र 17 वर्ष 5 मा 7 दि

घात चक्र

मास _____: कार्तिक
तिथि _____: 1-6-11
दिन _____: रविवार
नक्षत्र _____: मघा
योग _____: विष्कुम्भ
करण _____: बव
प्रहर _____: 1
वर्ग _____: सिंह
लग्न _____: मेष
सूर्य _____: कर्क
चन्द्र _____: मेष
मंगल _____: सिंह
बुध _____: वृष
गुरु _____: कन्या
शुक्र _____: तुला
शनि _____: मिथुन
राहु _____: वृश्चिक

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली

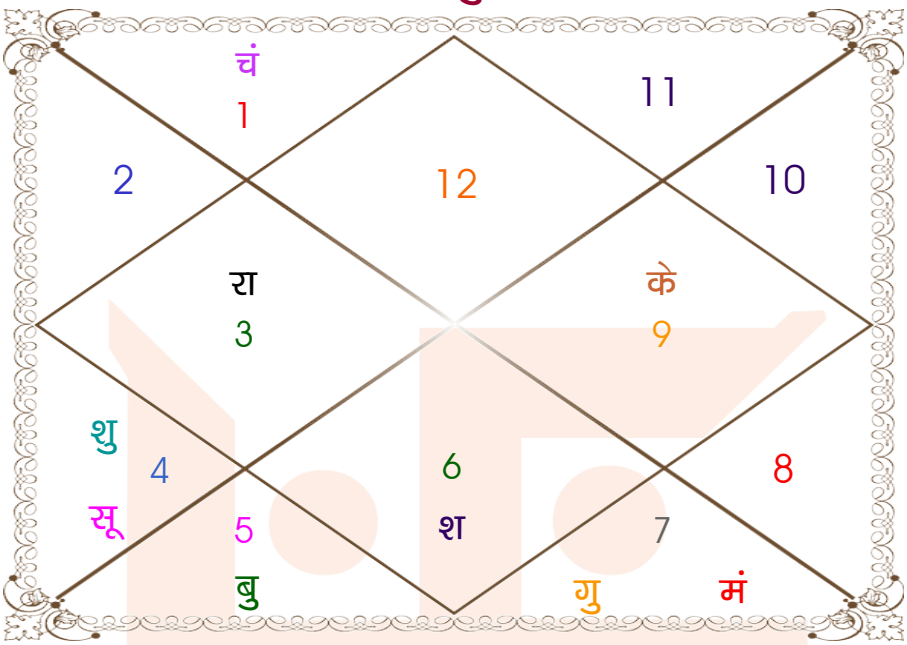

चन्द्र कुंडली

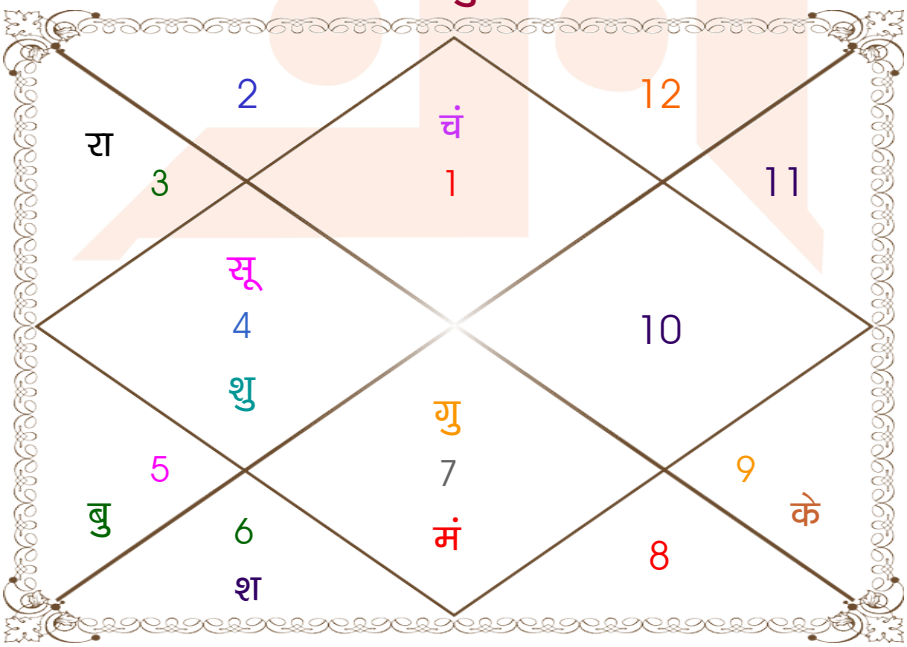

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

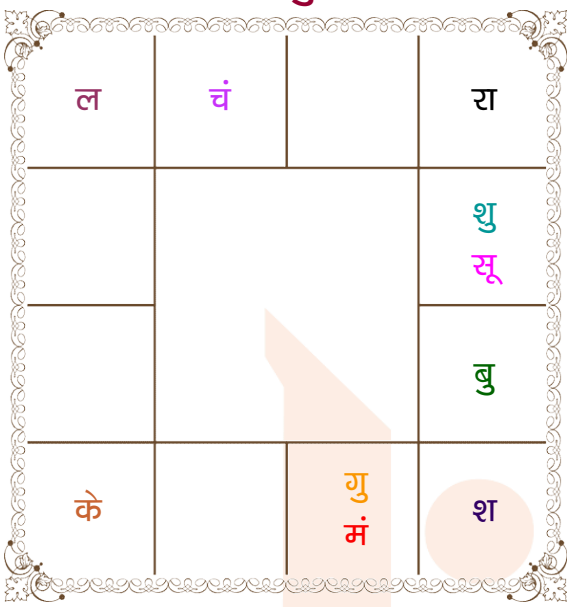

लग्न कुंडली

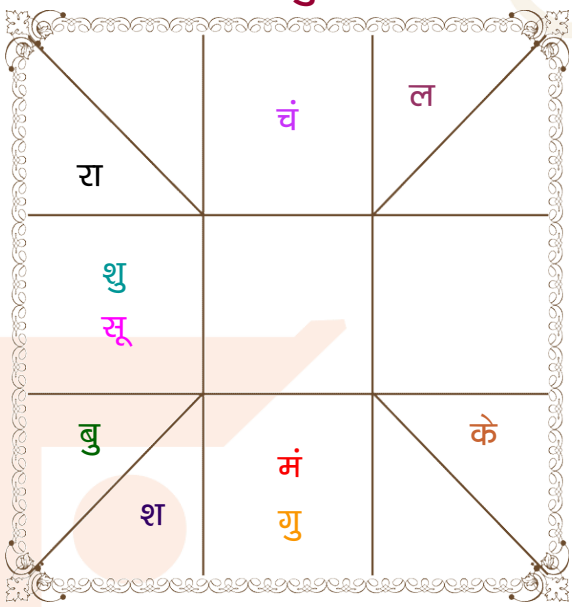

विंशोत्तरी
शुक्र 17वर्ष 5मा 7दि

शुक्र

11/08/1982

18/01/2100

शुक्र	18/01/2000
सूर्य	18/01/2006
चन्द्र	18/01/2016
मंगल	18/01/2023
राहु	18/01/2041
गुरु	18/01/2057
शनि	18/01/2076
बुध	18/01/2093
केतु	18/01/2100

योगिनी
भद्रिका 4वर्ष 4मा 9दि

उल्का

21/12/2022

20/12/2028

उल्का	21/12/2023
सिद्धा	19/02/2025
संकटा	21/06/2026
मंगला	21/08/2026
पिंगला	21/12/2026
धान्या	21/06/2027
भ्रामरी	20/02/2028
भद्रिका	20/12/2028

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	16:15:19	456:11:08	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			कर्क	25:03:04	00:57:34	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	15:02:31	13:37:36	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	11:09:14	00:35:36	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध			सिंह	11:46:41	01:42:09	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
गुरु			तुला	09:40:12	00:07:12	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	02:59:51	01:13:03	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि			कन्या	24:12:18	00:04:50	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	19:08:32	00:01:08	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	19:08:32	00:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष			वृश्चि	06:58:06	00:00:07	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
नेप	व		धनु	00:49:52	00:00:46	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	00:54:41	00:01:15	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			धनु	13:31:29	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:35

लग्न-चलित

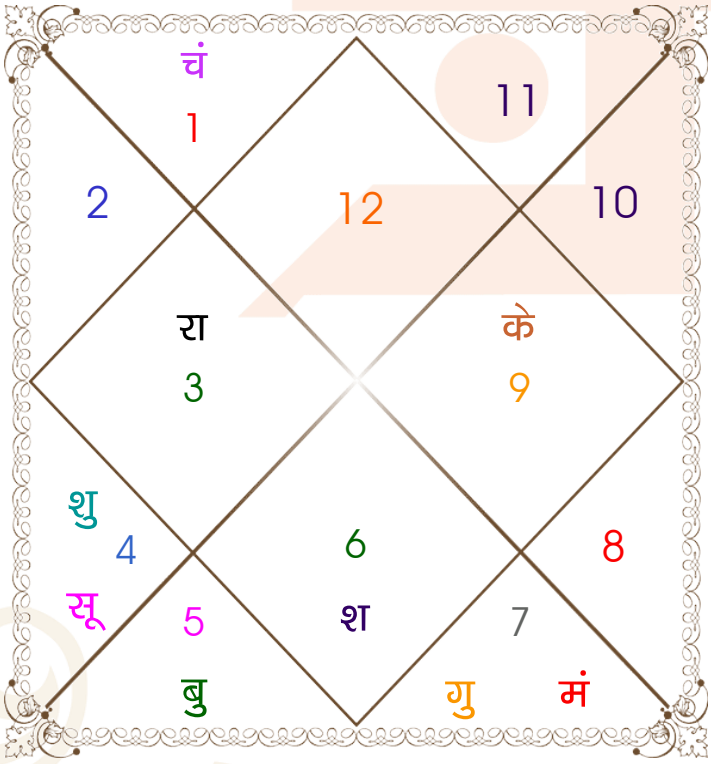

चन्द्र कुंडली

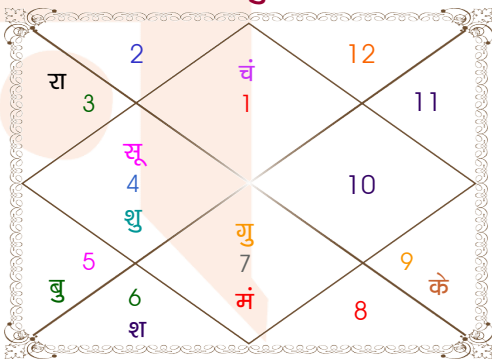

नवमांश कुंडली

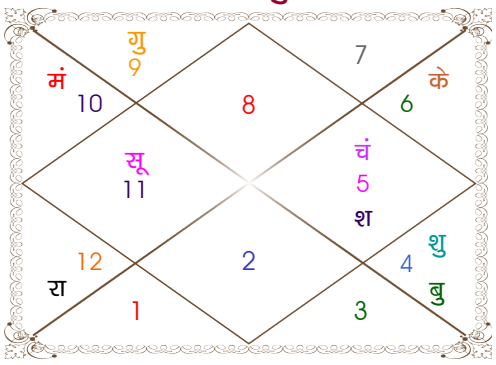

SURESH MAHARAJ

ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .

+91 9860000004

suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	मीन	00:48:01	मीन	16:15:19
2	मेष	00:48:01	मेष	15:20:42
3	मेष	29:53:24	वृष	14:26:06
4	वृष	28:58:47	मिथुन	13:31:29
5	मिथुन	28:58:47	कर्क	14:26:06
6	कर्क	29:53:24	सिंह	15:20:42
7	कन्या	00:48:01	कन्या	16:15:19
8	तुला	00:48:01	तुला	15:20:42
9	तुला	29:53:24	वृश्चिक	14:26:06
10	वृश्चिक	28:58:47	धनु	13:31:29
11	धनु	28:58:47	मकर	14:26:06
12	मकर	29:53:24	कुम्भ	15:20:42

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	मीन	16:15:19
2	मेष	20:15:01
3	वृष	18:15:36
4	मिथुन	13:31:29
5	कर्क	09:37:22
6	सिंह	09:58:03
7	कन्या	16:15:19
8	तुला	20:15:01
9	वृश्चिक	18:15:36
10	धनु	13:31:29
11	मकर	09:37:22
12	कुम्भ	09:58:03

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा
पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल
पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी

चलित कुंडली

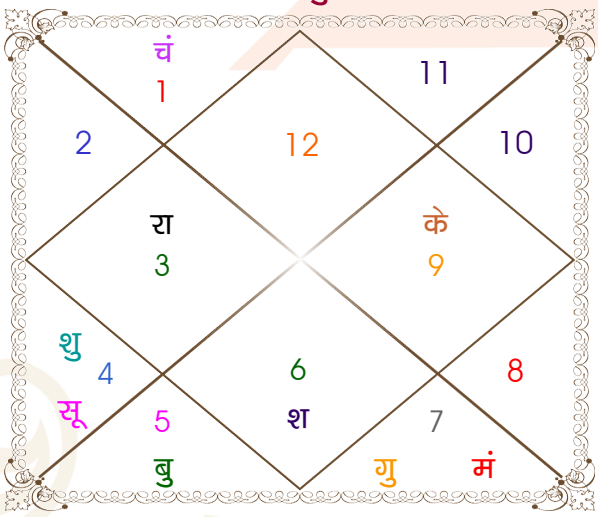

भाव कुंडली

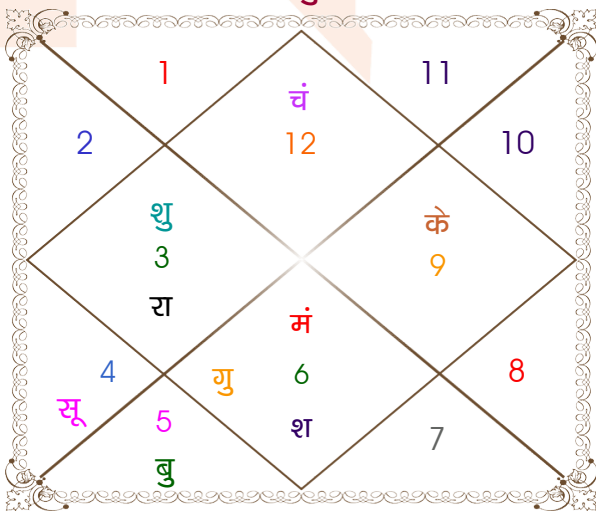

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	------ कारक ------			------- अवस्था -------			
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	ग्रह बल
सूर्य	आत्मा	पितृ	बाल	मुदित	प्रकाश	5.55	39 %
चंद्र	भ्रातृ	मातृ	युवा	शान्त	निद्रा	4.05	42 %
मंगल	पुत्र	भ्रातृ	कुमार	निपीदित	प्रकाश	2.44	30 %
बुध	मातृ	ज्ञाति	कुमार	मुदित	आगम	5.44	44 %
गुरु	ज्ञाति	धन	कुमार	खल	शयन	3.32	47 %
शुक्र	कलत्र	कलत्र	मृत	खल	नृत्यलिप्सा	3.73	59 %
शनि	अमात्य	आयु	बाल	मुदित	आगम	5.71	52 %
राहु	---	ज्ञान	वृद्ध	दीप्त	प्रकाश	0.00	63 %
केतु	---	मोक्ष	वृद्ध	दीप्त	प्रकाश	0.00	63 %
कुल						30.24	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा
पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल
पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी

चलित कुंडली

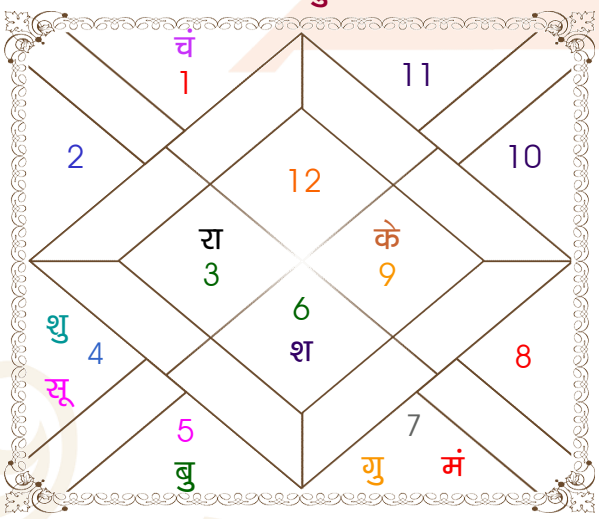

लग्न-चलित

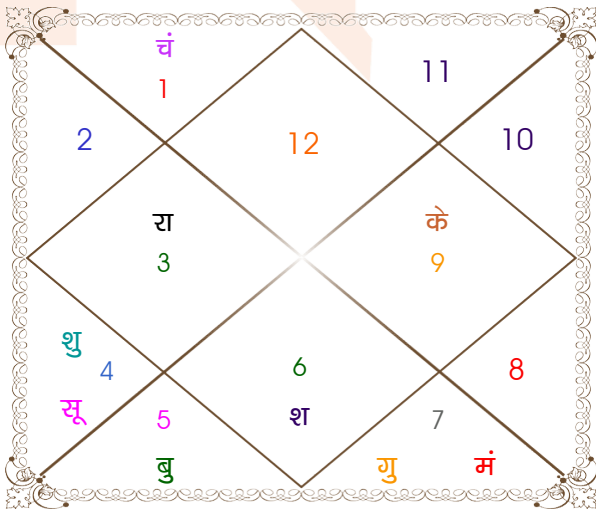

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

सुदर्शन चक्र

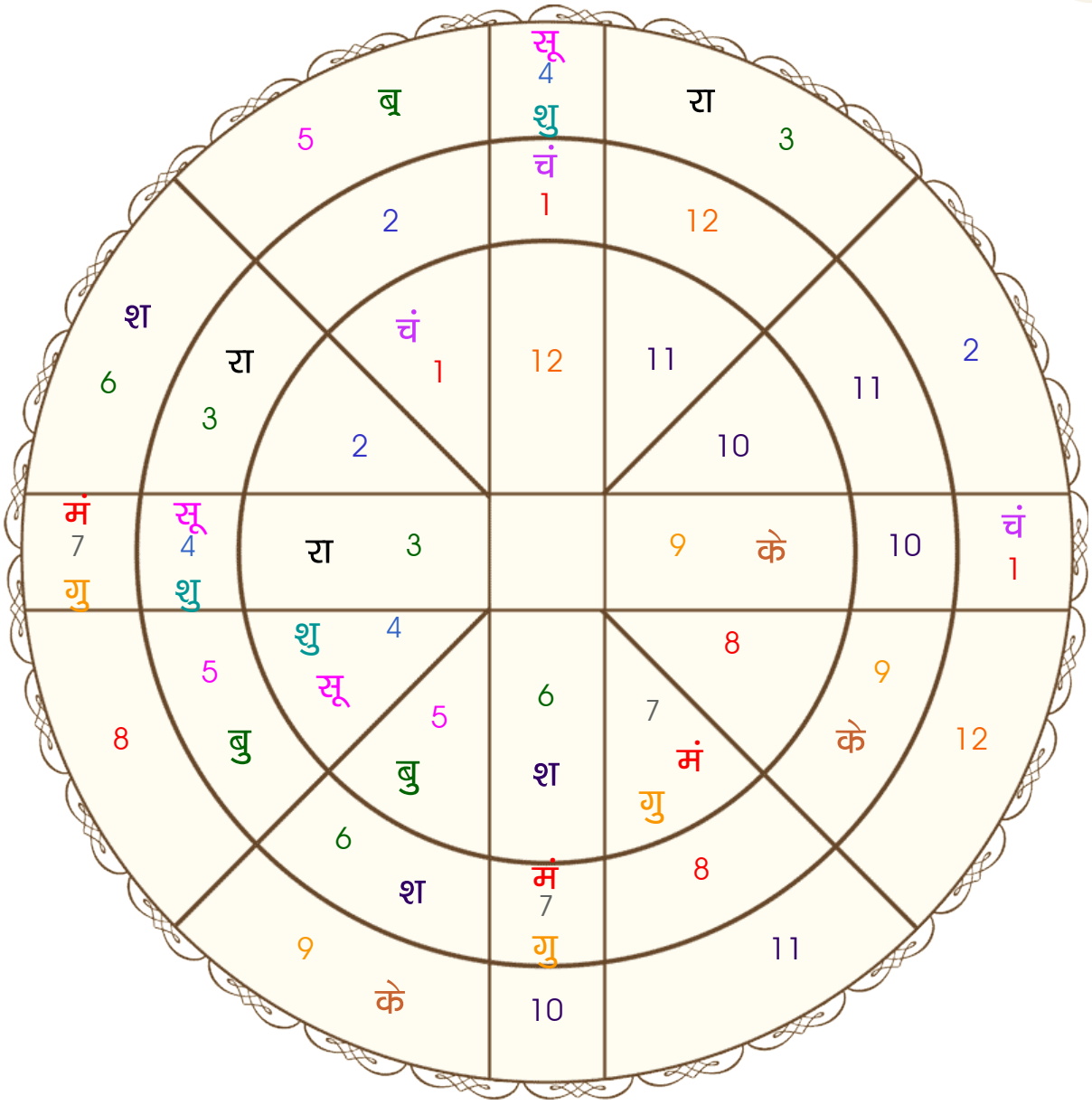

नोटः सुदर्शन चक्र कमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 3 मास 14 दिन

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		कर्क	25:08:58	चंद्र	बुध	राहु	बुध
चंद्र		मेष	15:08:25	मंगल	शुक्र	शुक्र	बुध
मंगल		तुला	11:15:09	शुक्र	राहु	शनि	शुक्र
बुध		सिंह	11:52:35	सूर्य	केतु	बुध	शुक्र
गुरु		तुला	09:46:07	शुक्र	राहु	गुरु	शुक्र
शुक्र		कर्क	03:05:45	चंद्र	गुरु	राहु	चंद्र
शनि		कन्या	24:18:12	बुध	मंगल	राहु	राहु
राहु	व	मिथु	19:14:26	बुध	राहु	मंगल	मंगल
केतु	व	धनु	19:14:26	गुरु	शुक्र	राहु	बुध
हर्ष		वृश्चि	07:04:00	मंगल	शनि	बुध	शनि
नेप	व	धनु	00:55:46	गुरु	केतु	शुक्र	शुक्र
प्लूटो		तुला	01:00:35	शुक्र	मंगल	बुध	मंगल

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	मीन	16:21:13	गुरु	शनि	गुरु	मंगल
2	मेष	20:20:55	मंगल	शुक्र	गुरु	शनि
3	वृष	18:21:30	शुक्र	चंद्र	बुध	शुक्र
4	मिथु	13:37:23	बुध	राहु	बुध	राहु
5	कर्क	09:43:16	चंद्र	शनि	शुक्र	शनि
6	सिंह	10:03:58	सूर्य	केतु	शनि	केतु
7	कन्या	16:21:13	बुध	चंद्र	शनि	केतु
8	तुला	20:20:55	शुक्र	गुरु	गुरु	शनि
9	वृश्चि	18:21:30	मंगल	बुध	बुध	शनि
10	धनु	13:37:23	गुरु	शुक्र	शुक्र	शुक्र
11	मक	09:43:16	शनि	सूर्य	शुक्र	बुध
12	कुंभ	10:03:58	शनि	राहु	गुरु	चंद्र

के.पी. अयनांश : 23:30:41

फॉरच्युना : धनु 06:20:40

लग्न कुंडली

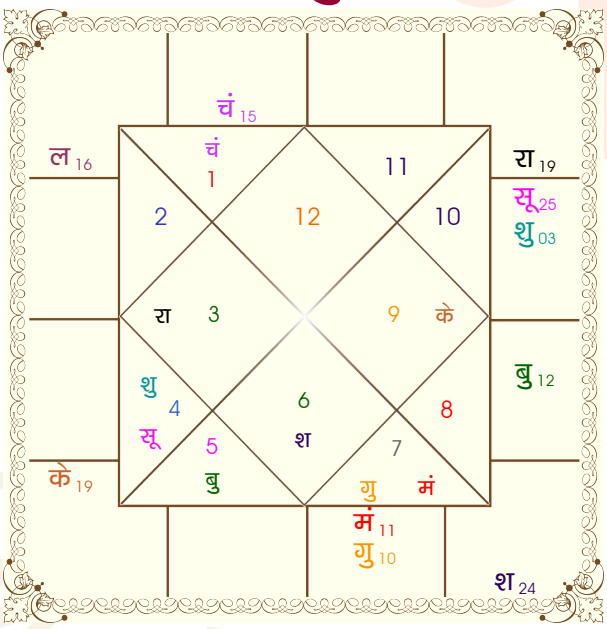

भाव कुंडली

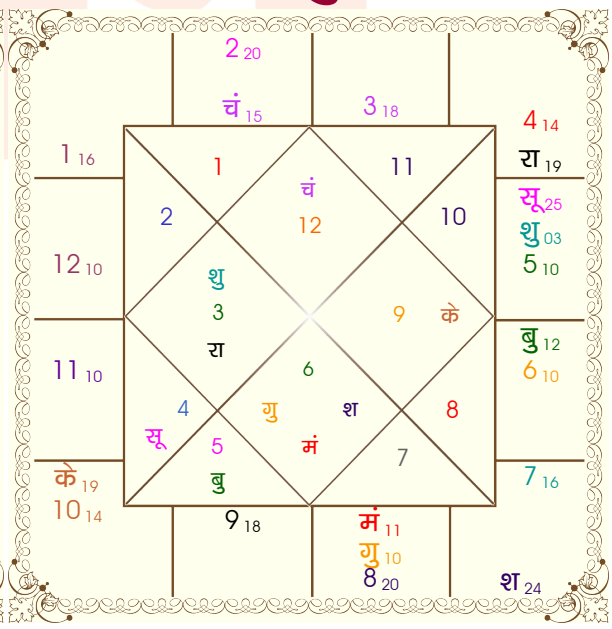

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	चंद्र, गुरु- शुक्र-
2	मंगल- शनि-
3	चंद्र- शुक्र- केतु-
4	सूर्य- चंद्र, मंगल, बुध- गुरु, शुक्र, राहु+ केतु,
5	सूर्य, चंद्र-
6	सूर्य+ बुध,
7	सूर्य- मंगल, बुध- गुरु, शुक्र, शनि+
8	चंद्र- शुक्र- केतु-
9	मंगल- शनि-
10	बुध, गुरु- शुक्र- केतु,
11	शनि-
12	शनि-

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	4- 5, 6+ 7-
चंद्र	1, 3- 4, 5- 8-
मंगल	2- 4, 7, 9-
बुध	4- 6, 7- 10,
गुरु	1- 4, 7, 10-
शुक्र	1- 3- 4, 7, 8- 10-
शनि	2- 7+ 9- 11- 12-
राहु	4+
केतु	3- 4, 8- 10,

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	शनि
लग्न राशि स्वामी	गुरु
राशि नक्षत्र स्वामी	शुक्र
राशि स्वामी	मंगल
वार स्वामी	बुध
लग्न अन्तर स्वामी	गुरु
राशि अन्तर स्वामी	शुक्र

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

कारकत्व-सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	--	चं	शु	गु
2	--	--	श	मं
3	--	--	चं के	शु
4	चं मं गु रा के	शु रा	सू	बु
5	--	सू	--	चं
6	सू	बु	--	सू
7	शु श	मं गु श	सू	बु
8	--	--	चं के	शु
9	--	--	श	मं
10	बु	के	शु	गु
11	--	--	--	श
12	--	--	--	श

ग्रह कारक सारिणी-1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	6	11	कर्क	5
चंद्र	5	3,7	मेष	1
मंगल	2,9	---	तुला	7
बुध	4,7	9	सिंह	6
गुरु	1,10	8	तुला	7
शुक्र	3,8	2,10	कर्क	4
शनि	11,12	1,5	कन्या	7
राहु	---	4,12	मिथुन	4
केतु	---	6	धनु	10

ग्रह कारक सारिणी-2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	4,7	9	6	---	4,12	4
चंद्र	3,8	2,10	4	3,8	2,10	4
मंगल	---	4,12	4	11,12	1,5	7
बुध	---	6	10	4,7	9	6
गुरु	---	4,12	4	1,10	8	7
शुक्र	1,10	8	7	---	4,12	4
शनि	2,9	---	7	---	4,12	4
राहु	---	4,12	4	2,9	---	7
केतु	3,8	2,10	4	---	4,12	4

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

ग्रह दृष्टि विचार

दृष्य ग्रह

	सूर्य 115.05	चंद्र 15.04	मंगल 191.15	बुध 131.78	गुरु 189.67	शुक्र 93.00	शनि 174.20	राहु 79.14	केतु 259.14	हर्ष 216.97	नेप 240.83	प्लूटो 180.91
सूर्य	--	--	--	--	--	--	तृती	--	--	--	पंच	तृती
115.05	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.93	0.00	0.00	0.00	0.17	0.11
चंद्र	--	--	सप्त	पंच	सप्त	--	--	तृती	--	--	--	सप्त
15.04	0.00	0.00	9.18	1.97	8.46	0.00	0.00	1.43	0.00	0.00	0.00	0.91
मंगल	--	सप्त	--	--	युति	--	--	--	--	--	--	युति
191.15	0.00	9.18	0.00	0.00	9.88	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.78
बुध	--	--	तृती	--	तृती	--	--	--	--	चतु	--	--
131.78	0.00	0.00	2.96	0.00	2.55	0.00	0.00	0.00	0.00	0.92	0.00	0.00
गुरु	--	सप्त	युति	--	--	--	--	9वां	--	--	--	युति
189.67	0.00	8.46	9.88	0.00	0.00	0.00	0.00	5.47	0.00	0.00	0.00	6.08
शुक्र	--	--	--	--	--	--	--	युति	सप्त	पंच	--	चतु
93.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.20	1.20	1.52	0.00	2.56
शनि	--	--	--	--	--	10वा	--	10वा	चतु	--	3रा	युति
174.20	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.05	0.00	8.63	0.73	0.00	7.69	7.63
राहु	--	--	--	--	--	युति	चतु	--	सप्त	--	--	--
79.14	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.20	0.73	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00
केतु	--	पंच	--	--	--	सप्त	--	सप्त	--	--	--	--
259.14	0.00	1.43	0.00	0.00	0.00	1.20	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
216.97	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	--	अष्टां	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
240.83	0.00	0.33	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
प्लूटो	--	सप्त	युति	--	युति	--	युति	--	--	--	तृती	--
180.91	0.00	0.91	4.78	0.00	6.08	0.00	7.63	0.00	0.00	0.00	3.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

भाव मध्य दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	346.26	15.35	44.43	73.52	104.43	135.35	166.26	195.35	224.43	253.52	284.43	315.35
सूर्य	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--
115.05	0.00	0.00	0.00	0.00	4.43	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.43	0.00
चंद्र	--	--	--	तृती	चतु	पंच	--	सप्त	--	--	--	--
15.04	0.00	0.00	0.00	2.77	2.96	2.99	0.00	9.99	0.00	0.00	0.00	0.00
मंगल	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	4था	पंच
191.15	0.00	9.05	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.05	0.00	2.44	9.42	1.37
बुध	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	पंच	--	सप्त
131.78	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.31	0.00	1.78	2.30	2.69	0.00	9.31
गुरु	--	सप्त	--	9वां	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	5वां
189.67	0.00	8.29	0.00	9.20	0.00	0.00	0.00	8.29	0.00	1.60	0.95	8.29
शुक्र	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--
93.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.64	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.64	0.00
शनि	सप्त	--	--	10वा	--	--	--	--	3रा	--	--	--
174.20	6.73	0.00	0.00	4.37	0.00	0.00	0.00	0.00	5.21	0.00	0.00	0.00
राहु	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	--	--	सप्त	--	--
79.14	0.00	0.00	0.00	8.32	0.00	1.64	2.18	0.00	0.00	8.32	0.00	0.00
केतु	चतु	पंच	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती
259.14	2.18	1.64	0.00	8.32	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.32	0.00	1.64
हर्ष	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--
216.97	0.00	0.00	7.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.10	0.00	0.00	0.00
नेप	--	अष्टां	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--
240.83	0.00	0.72	0.00	2.39	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.39	0.00	0.00
प्लूटो	सप्त	सप्त	--	--	--	--	युति	युति	--	पंचा	--	--
180.91	0.36	0.59	0.00	0.00	0.00	0.00	0.36	0.59	0.00	0.57	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	346.26	20.25	48.26	73.52	99.62	129.97	166.26	200.25	228.26	253.52	279.62	309.97
सूर्य	--	--	--	--	--	युति	--	चतु	--	--	--	सप्त
115.05	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.09	0.00	0.93	0.00	0.00	0.00	0.09
चंद्र	--	--	--	तृती	चतु	पंच	--	सप्त	--	--	--	--
15.04	0.00	0.00	0.00	2.77	0.45	0.72	0.00	8.55	0.00	0.00	0.00	0.00
मंगल	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	4था	पंच
191.15	0.00	5.80	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.80	0.00	2.44	9.87	2.86
बुध	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	पंच	--	सप्त
131.78	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.82	0.00	0.00	0.00	2.69	0.00	9.82
गुरु	--	सप्त	--	9वां	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	5वां
189.67	0.00	4.47	0.00	9.20	0.00	0.00	0.00	4.47	0.00	1.60	3.00	10.00
शुक्र	--	--	--	--	युति	--	--	--	अष्टां	--	सप्त	--
93.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.69	0.00	0.00	0.00	0.92	0.00	7.69	0.00
शनि	सप्त	--	--	10वा	--	--	--	--	3रा	--	--	अष्टां
174.20	6.73	0.00	0.00	4.37	0.00	0.00	0.00	0.00	8.12	0.00	0.00	0.36
राहु	--	--	--	युति	--	--	चतु	--	षष्ठ	सप्त	--	--
79.14	0.00	0.00	0.00	8.32	0.00	0.00	2.18	0.00	0.18	8.32	0.00	0.00
केतु	चतु	पंच	षष्ठ	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--
259.14	2.18	2.87	0.18	8.32	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.32	0.00	0.00
हर्ष	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु
216.97	0.00	0.00	3.79	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.79	0.00	2.30	2.12
नेप	--	--	सप्त	सप्त	--	--	--	--	युति	युति	--	--
240.83	0.00	0.00	2.52	2.39	0.00	0.00	0.00	0.00	2.52	2.39	0.00	0.00
प्लूटो	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	पंचा	--	--
180.91	0.36	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.36	0.00	0.00	0.57	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

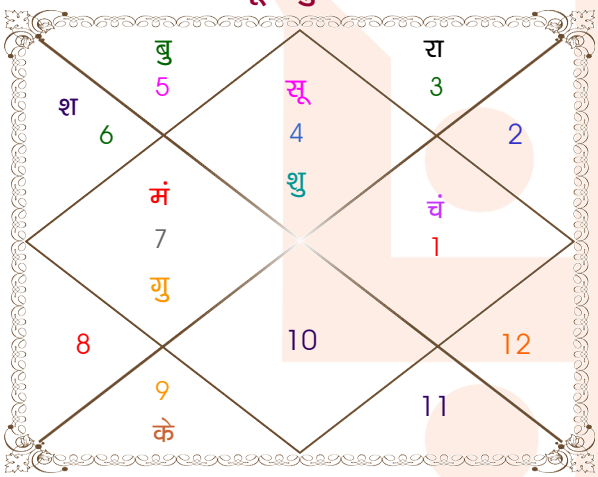

आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली

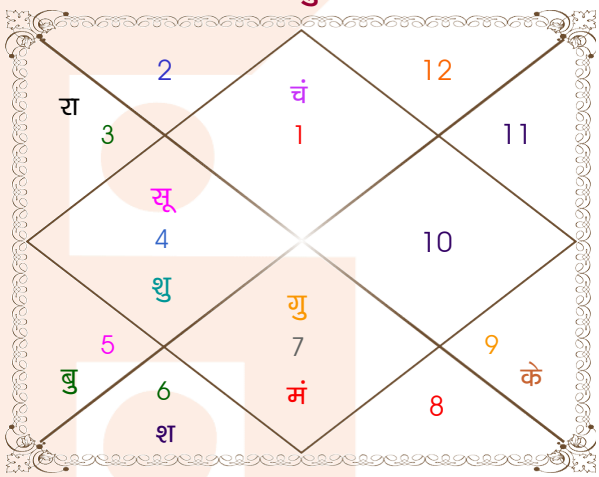

मनोबलविचारः

लग्न कुंडली

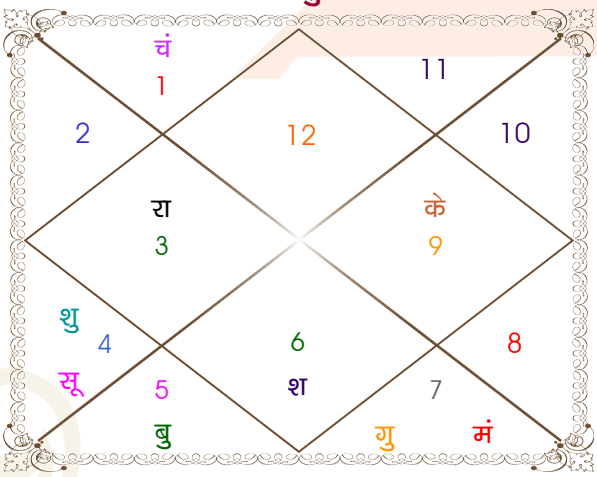

देह विचारः

होरा कुंडली

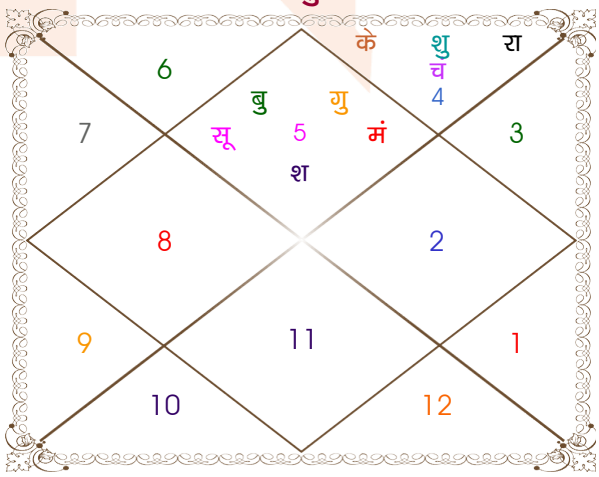

सम्पदाविचारः

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

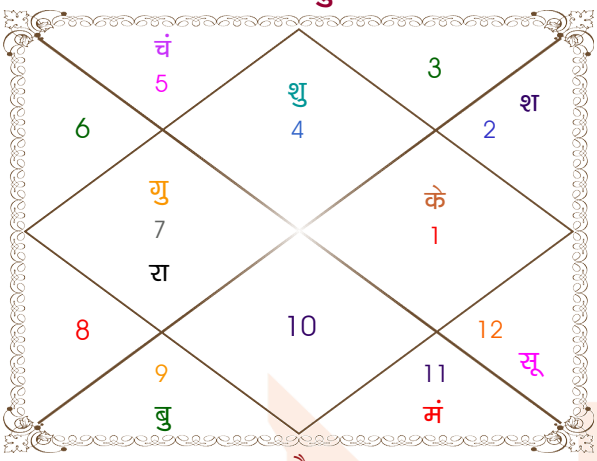

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

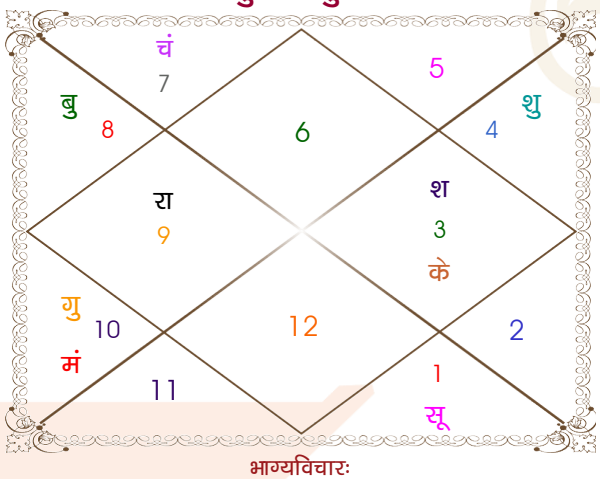

भाग्यविचारः

पंचमांश कुंडली

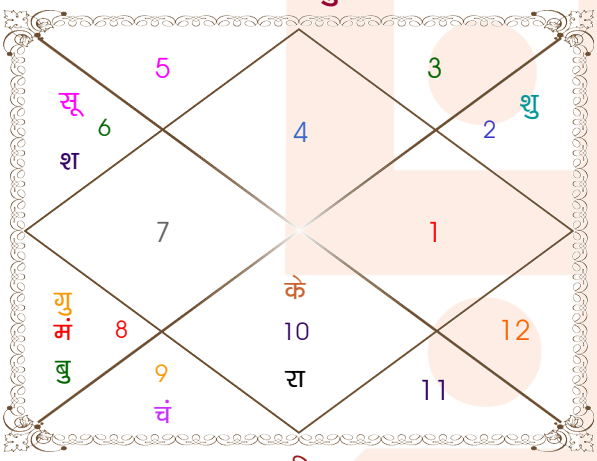

ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली

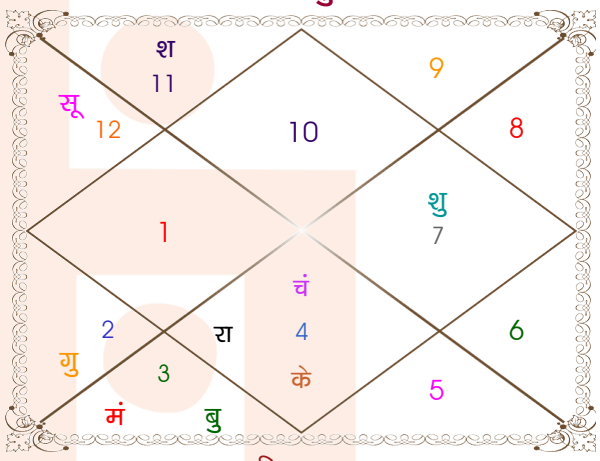

रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

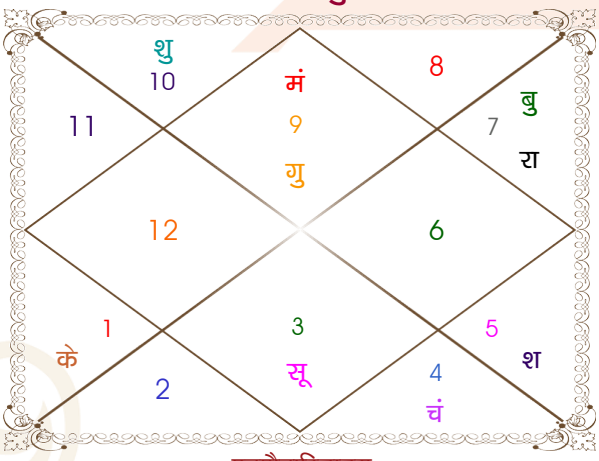

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली

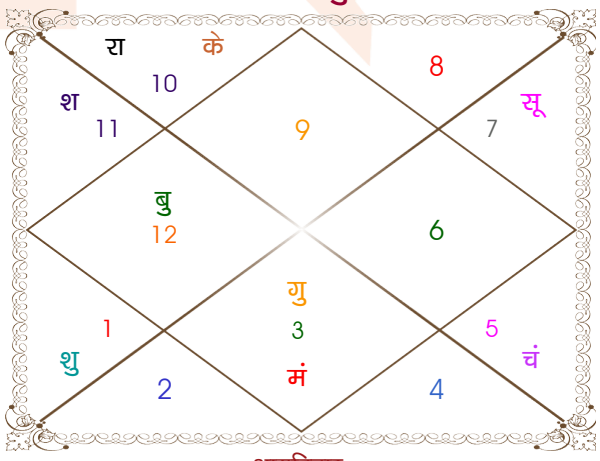

आयुविचारः

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

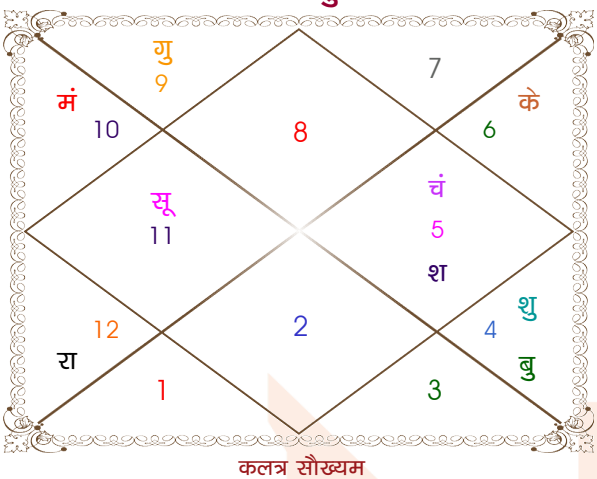

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

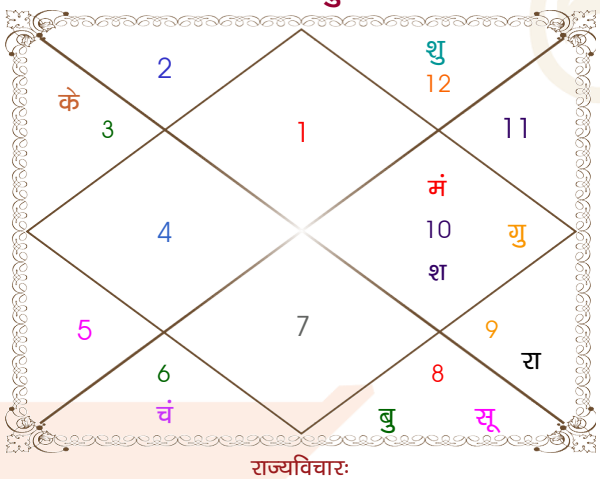

राज्यविचारः

एकादशांश कुंडली

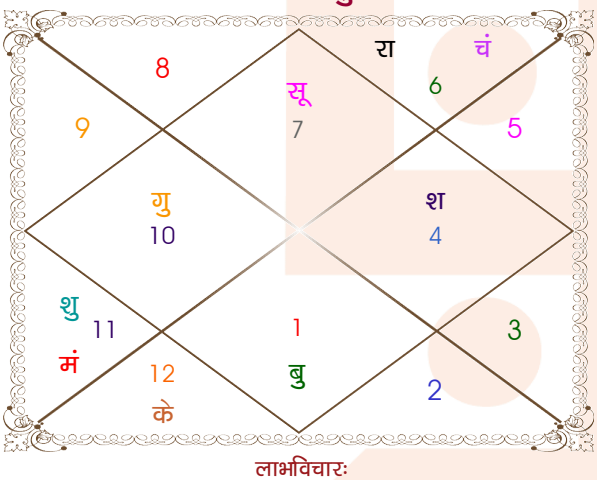

लाभविचारः

द्वादशांश कुंडली

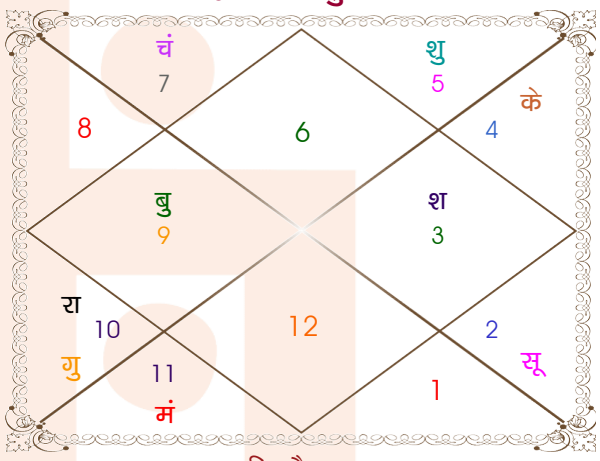

पितृसौख्यम

षोडशांश कुंडली

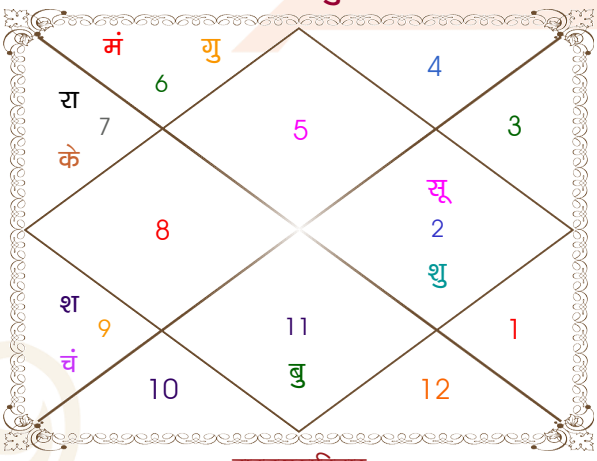

वाहनसुखविचारः

विंशांश कुंडली

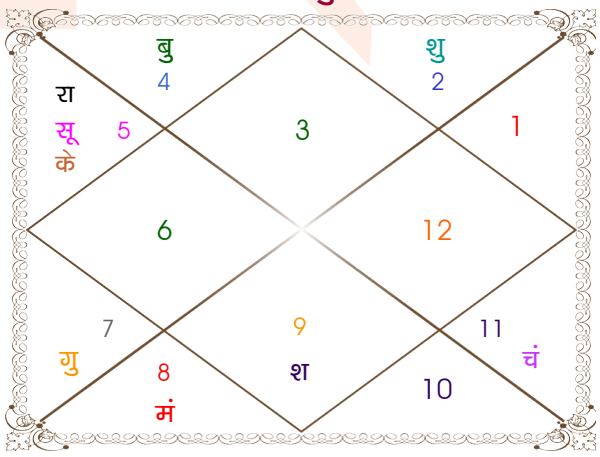

उपासनाज्ञानम्

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

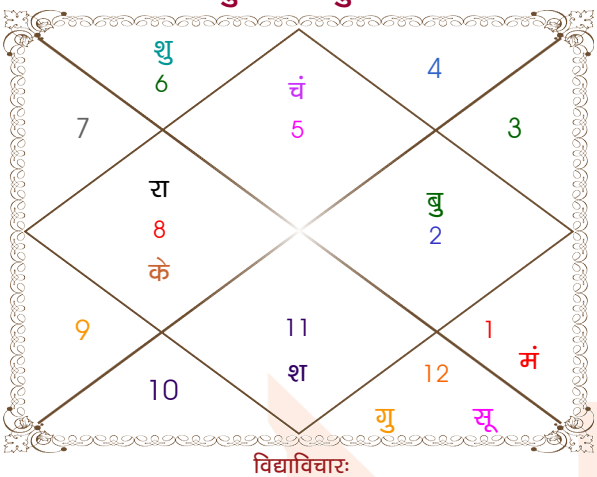

विद्याविचारः

सप्तविंशांश कुंडली

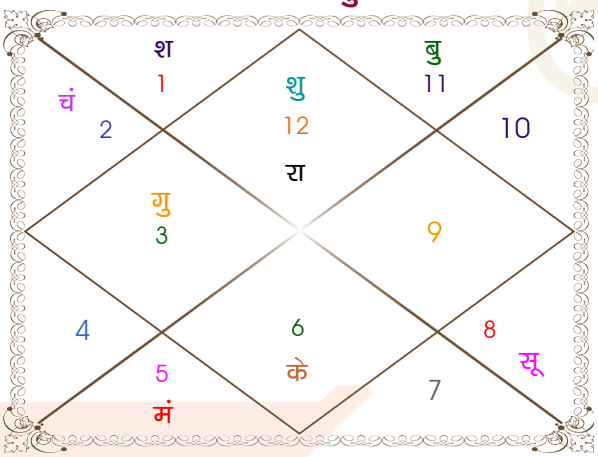

बलाबलज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

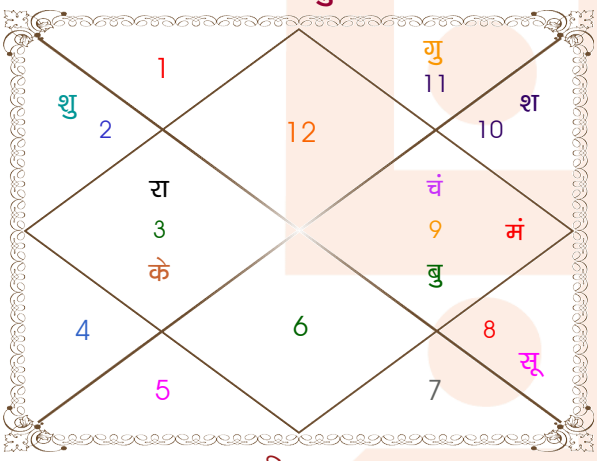

अरिष्टज्ञानम्

खवेदांश कुंडली

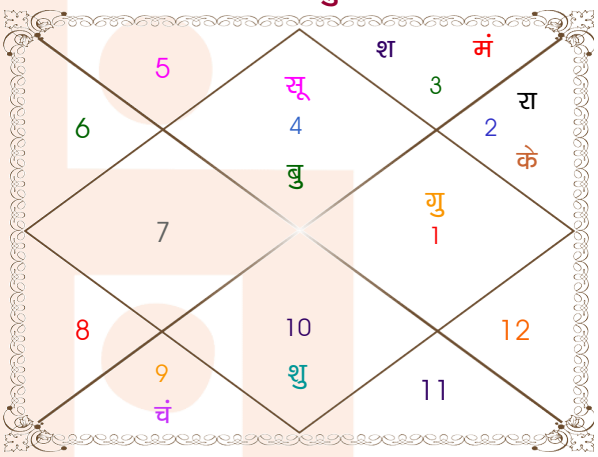

शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली

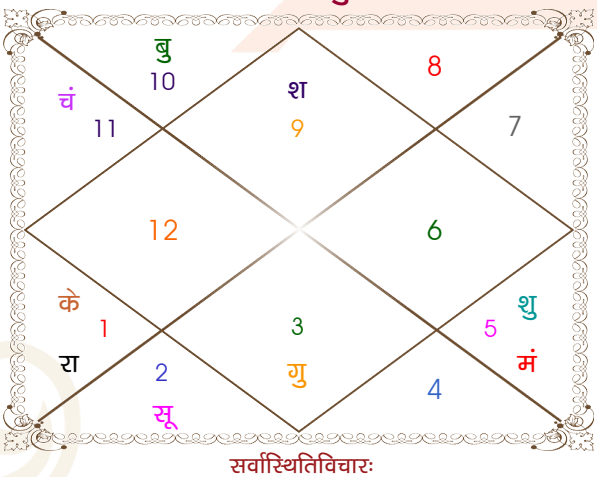

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

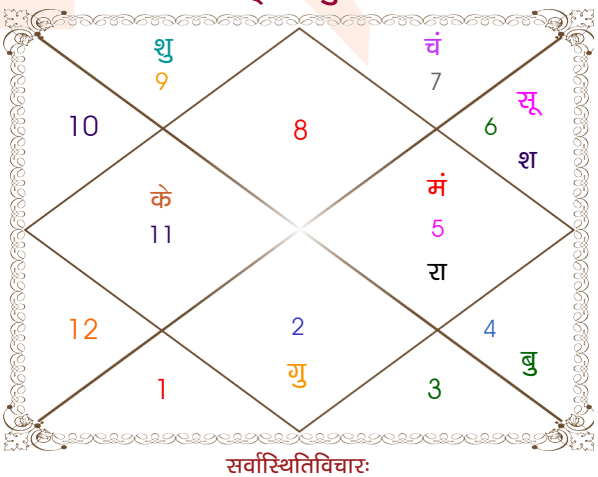

सर्वास्थितिविचारः

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशवर्ग सारणियाँ

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	मीन	कर्क	मेष	तुला	सिंह	तुला	कर्क	कन्या	मिथु	धनु
होरा	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	कर्क	मीन	सिंह	कुंभ	धनु	तुला	कर्क	वृष	तुला	मेष
चतुर्थांश	कन्या	मेष	तुला	मक	वृश्चि	मक	कर्क	मिथु	धनु	मिथु
सप्तमांश	धनु	मिथु	कर्क	धनु	तुला	धनु	मक	सिंह	तुला	मेष
नवमांश	वृश्चि	कुंभ	सिंह	मक	कर्क	धनु	कर्क	सिंह	मीन	कन्या
दशमांश	मेष	वृश्चि	कन्या	मक	वृश्चि	मक	मीन	मक	धनु	मिथु
द्वादशांश	कन्या	वृष	तुला	कुंभ	धनु	मक	सिंह	मिथु	मक	कर्क
षोडशांश	सिंह	वृष	धनु	कन्या	कुंभ	कन्या	वृष	धनु	तुला	तुला
विंशांश	मिथु	सिंह	कुंभ	वृश्चि	कर्क	तुला	वृष	धनु	सिंह	सिंह
चतुर्विंशांश	सिंह	मीन	सिंह	मेष	वृष	मीन	कन्या	कुंभ	वृश्चि	वृश्चि
सप्तविंशांश	मीन	वृश्चि	वृष	सिंह	कुंभ	मिथु	मीन	मेष	मीन	कन्या
त्रिंशांश	मीन	वृश्चि	धनु	धनु	धनु	कुंभ	वृष	मक	मिथु	मिथु
खवेदांश	कर्क	कर्क	धनु	मिथु	कर्क	मेष	मक	मिथु	वृष	वृष
अक्षवेदांश	धनु	वृष	कुंभ	सिंह	मक	मिथु	सिंह	धनु	मेष	मेष
षष्ट्यंश	वृश्चि	कन्या	तुला	सिंह	कर्क	वृष	धनु	कन्या	सिंह	कुंभ

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	1 ---	1 ---	1 ---	3 कुसुम
चन्द्र	1 ---	2 किंसुक	2 पारिजात	3 कुसुम
मंगल	1 ---	1 ---	2 पारिजात	5 कन्दुक
बुध	0 ---	0 ---	0 ---	0 ---
गुरु	1 ---	2 किंसुक	2 पारिजात	3 कुसुम
शुक्र	1 ---	1 ---	3 उत्तम	5 कन्दुक
शनि	1 ---	1 ---	2 पारिजात	3 कुसुम
राहु	2 किंसुक	2 किंसुक	2 पारिजात	2 भेदक
केतु	1 ---	1 ---	1 ---	1 ---

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	14.90	14.05	15.05	13.70	14.05	10.00	15.30	13.40	11.20
सप्तवर्ग	14.73	14.85	14.43	14.18	15.05	11.00	14.50	13.83	11.63
दशवर्ग	14.63	13.43	14.85	12.65	13.23	13.35	16.28	13.08	10.53
षोडशवर्ग	14.33	12.73	15.15	11.83	13.03	13.35	15.75	12.00	10.55

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
मंगल	मित्र	शत्रु	---	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	शत्रु
शनि	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	मित्र	मित्र
राहु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	---

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	अतिमित्र	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	अधिशत्रु	सम	सम	अधिशत्रु
चंद्र	अतिमित्र	---	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	अधिशत्रु
मंगल	अतिमित्र	सम	---	सम	सम	मित्र	मित्र	अधिशत्रु	अतिमित्र
बुध	अतिमित्र	अधिशत्रु	मित्र	---	मित्र	अतिमित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
गुरु	अतिमित्र	सम	सम	सम	---	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	अधिशत्रु	सम	मित्र	अतिमित्र	मित्र	---	अतिमित्र	अतिमित्र	सम
शनि	सम	अधिशत्रु	सम	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	---	अतिमित्र	सम
राहु	सम	सम	अधिशत्रु	मित्र	शत्रु	अतिमित्र	अतिमित्र	---	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	अधिशत्रु	---

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	25	54	24	49	28	28	51
सप्तवर्गज बल	122	128	98	114	128	84	120
ओजयुग्मक बल	15	0	15	15	30	30	15
केन्द्र बल	30	30	30	15	30	30	60
द्रेष्काण बल	0	0	0	15	15	0	0
कुल स्थान बल	192	212	167	208	231	172	246
कुल दिग्बल	14	41	39	11	8	54	57
नतोन्नत बल	14	46	46	60	14	14	46
पक्ष बल	27	67	27	33	33	33	27
त्रिभाग बल	0	60	0	0	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	0	15	0
मास बल	0	0	0	30	0	0	0
वार बल	0	0	0	45	0	0	0
होरा बल	0	60	0	0	0	0	0
अयन बल	100	11	13	42	14	57	39
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	141	243	85	211	121	120	111
कुल चेष्टाबल	0	0	33	15	27	14	19
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	10	-8	19	9	19	2	12
कुल षट्बल	416	539	361	480	440	404	454
रूप षट्बल	6.9	9.0	6.0	8.0	7.3	6.7	7.6
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.4	1.5	1.2	1.1	1.1	1.2	1.5
संबंधित पद	3	2	5	6	7	4	1

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	33.07	42.43	28.48	27.03	27.61	19.46	31.02
कष्ट फल	23.83	12.63	30.86	22.34	32.37	38.57	18.84

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	440	361	404	480	539	416	480	404	361	440	454	454
भावदिग्बल	30	20	10	30	50	20	0	10	40	30	50	50
भावदृष्टि बल	40	56	32	49	8	9	7	34	50	33	32	101
कुल भाव बल	510	437	445	560	597	445	488	448	451	503	536	605
रूप भाव बल	8.5	7.3	7.4	9.3	9.9	7.4	8.1	7.5	7.5	8.4	8.9	10.1
संबंधित पद	5	12	11	3	2	10	7	9	8	6	4	1

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षट्बल ग्राफ

स्थान बल

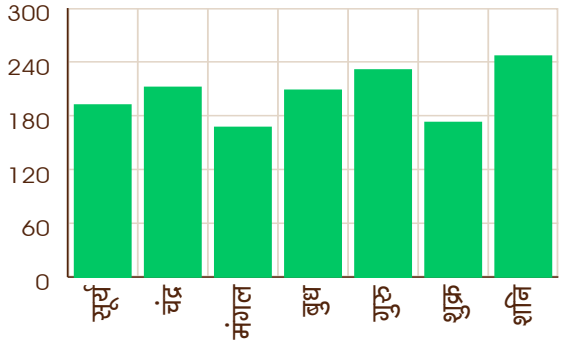

दिग्बल

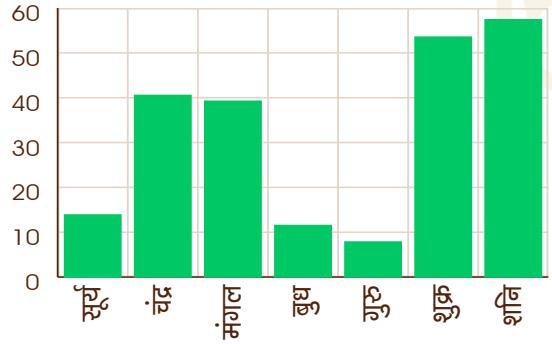

कालबल

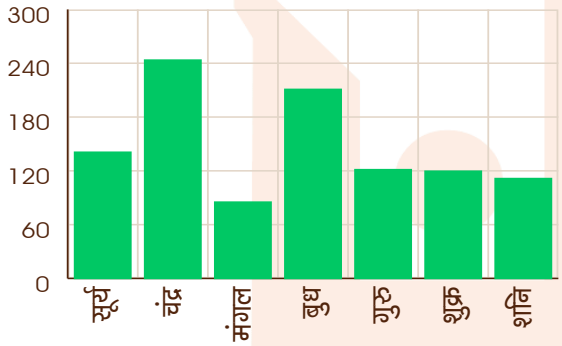

चेष्टाबल

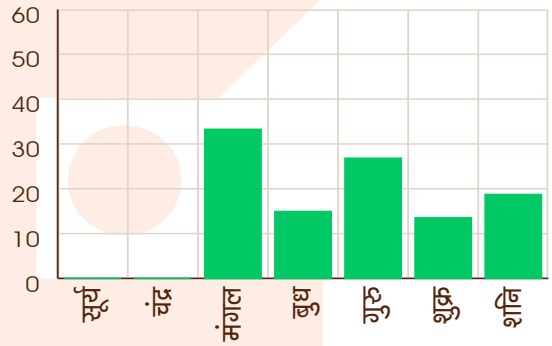

नैसर्गिक बल

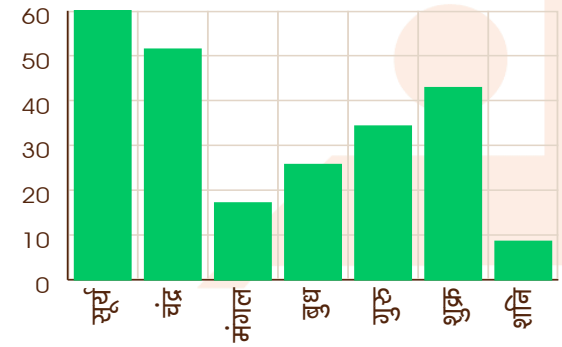

दृग्बल

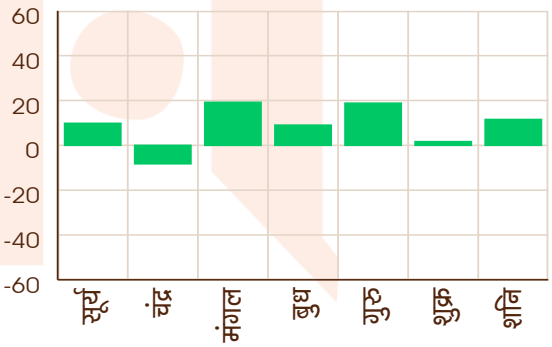

रूप षट्बल

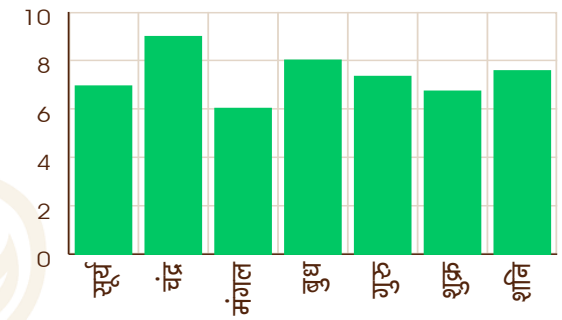

न्यूनतम षट्बल

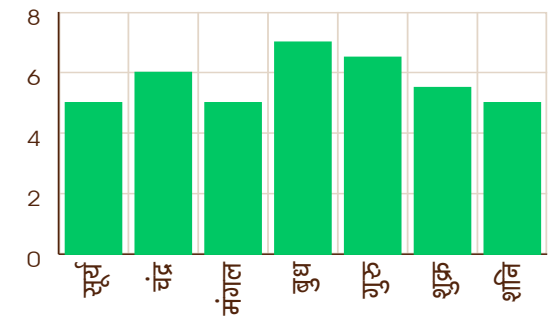

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

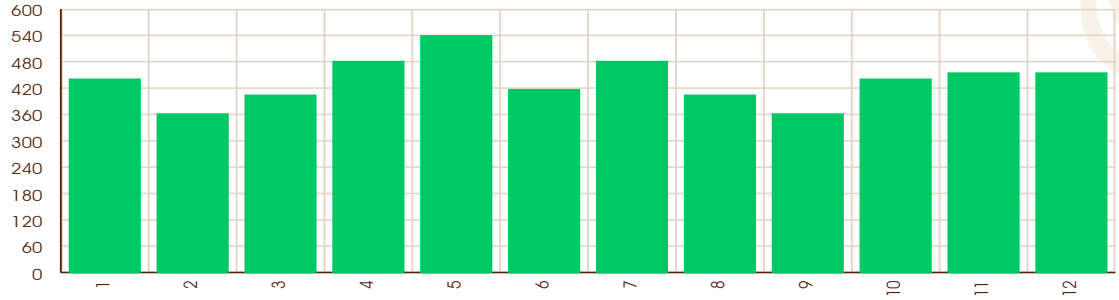

भावदिग्बल

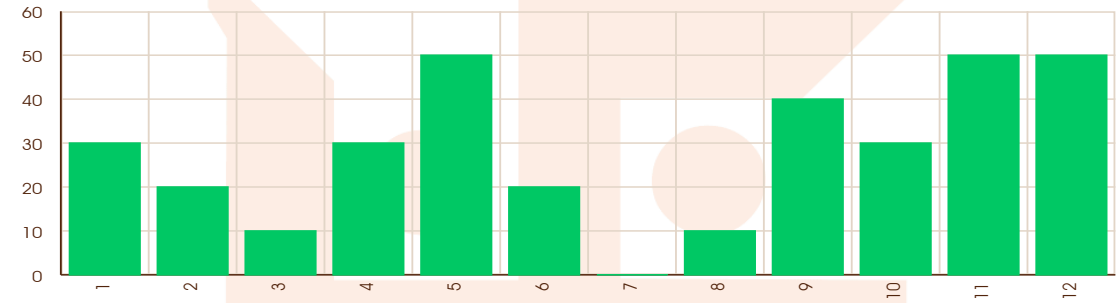

भावदृष्टि बल

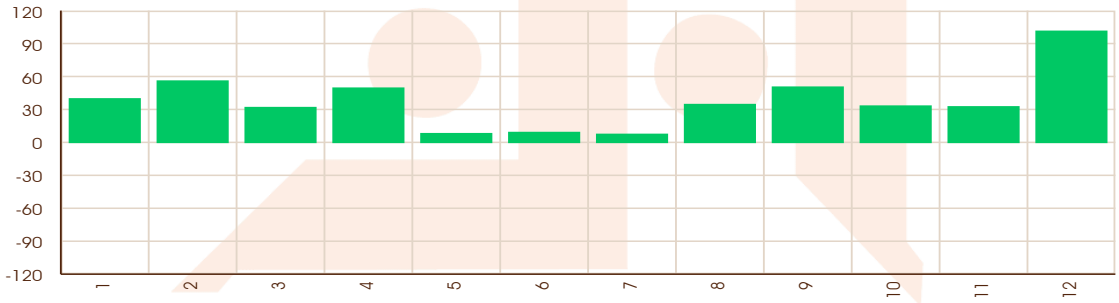

भाव बल

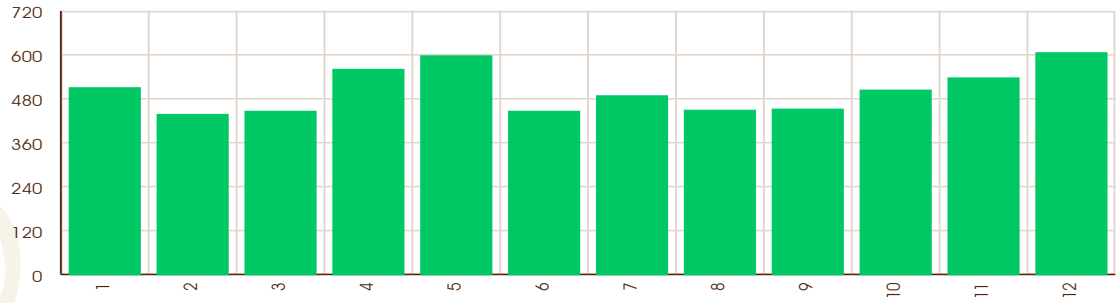

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षट्बल तथा भावबल ग्राफ

रूप षट्बल

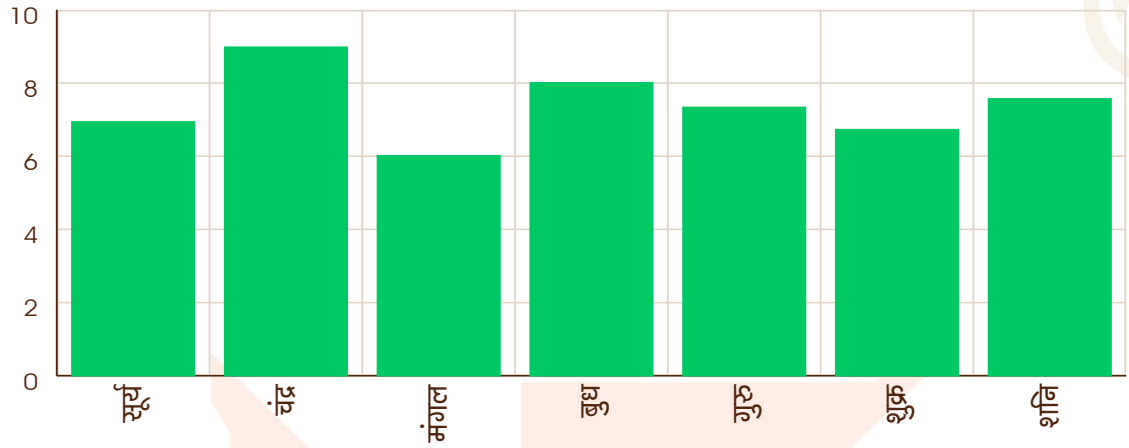

इष्ट - कष्ट फल

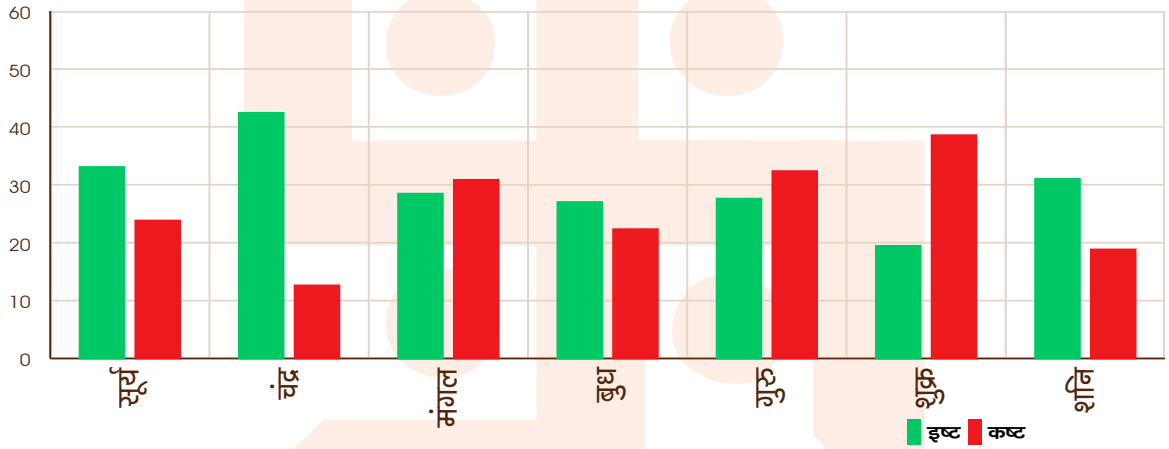

रूप भाव बल

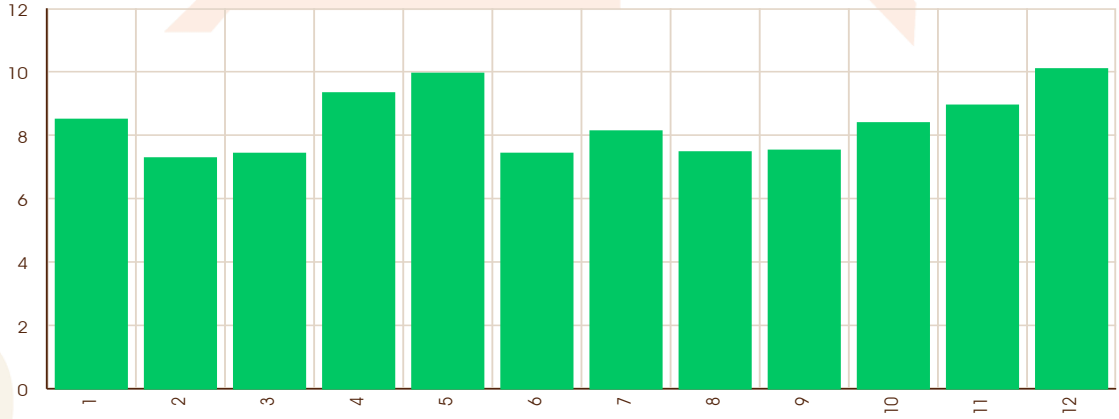

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	मीन	16:15:19	--	--	उ०भाद्रपद	4	26
गुलिक	गु	कर्क	05:48:47	--	--	पुष्य	1	8
काल	का	कुंभ	21:16:53	--	--	पू०भाद्रपद	1	25
मृत्यु	मृ	मेष	13:35:20	--	--	भरणी	1	2
यमघंटक	यम	वृष	27:31:56	--	--	मृगशिरा	2	5
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	वृष	06:44:49	--	--	कृतिका	4	3
धूम	धू	धनु	08:23:04	--	--	मूल	3	19
व्यतिपात	व्य	कर्क	21:36:56	--	--	आश्लेषा	2	9
परिवेश	परि	मक	21:36:56	--	--	श्रवण	4	22
इन्द्रचाप	इ	मिथु	08:23:04	नीच	--	आर्द्रा	1	6
उपकेतु	उप	मिथु	25:03:04	--	--	पुनर्वसु	2	7

प्राणपद	:	कर्क	00:24:14	कारकाँश लग्न	:	कुंभ	15:27:35
भाव लग्न	:	वृश्चि	09:01:23	होरा लग्न	:	कर्क	01:47:26
घटी लग्न	:	तुला	18:53:21	वर्णद लग्न	:	मिथु	18:02:45

उपग्रह कुंडली

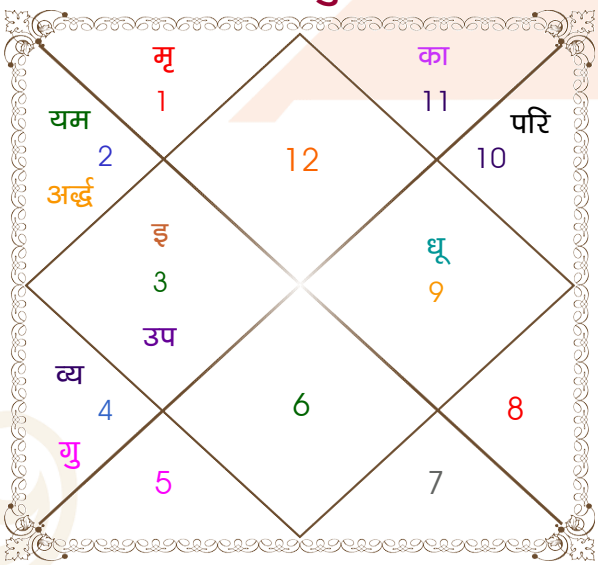

आरूढ़ कुंडली

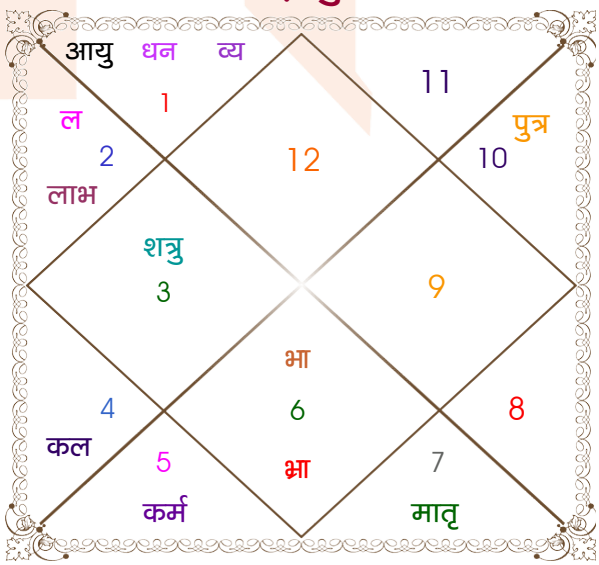

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षन्नाडी चक्र

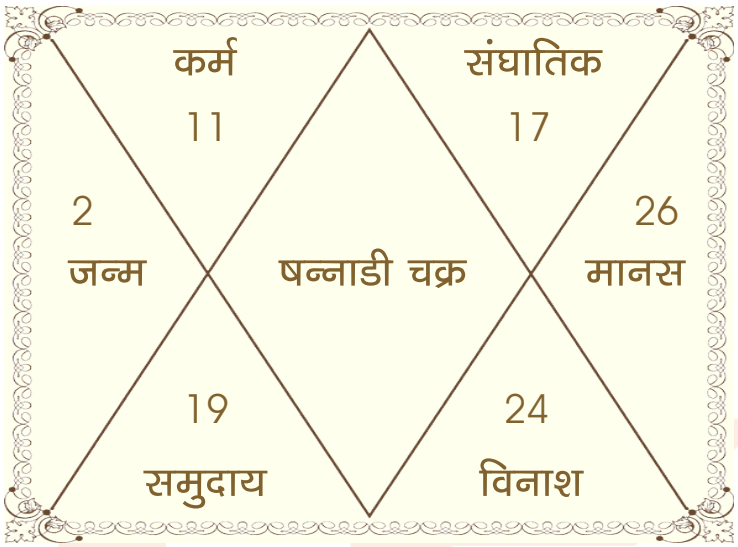

त्रिपाप चक्र

प्रथम चक्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितीय चक्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतीय चक्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र
केतु कुंडली	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य
गुरु कुंडली	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु

प्रथम चक्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितीय चक्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतीय चक्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि
केतु कुंडली	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य
गुरु कुंडली	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु

प्रथम चक्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितीय चक्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतीय चक्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु
केतु कुंडली	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य
गुरु कुंडली	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कुल
शनि	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
गुरु	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	4
मंगल	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	3
बुध	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	4
लग्न	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	6
कुल	4	4	2	4	1	4	6	4	3	4	5	7	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	कुल
शनि	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	4
गुरु	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	7
मंगल	0	0	0	1	1	0	0	1	1	0	1	1	6
सूर्य	1	1	0	0	0	1	0	0	1	1	1	0	6
शुक्र	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1	0	1	7
बुध	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
कुल	4	5	2	3	4	3	4	5	5	6	5	3	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	कुल
शनि	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	7
गुरु	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	5
शुक्र	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	4
बुध	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	4
चंद्र	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	3
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
कुल	2	2	5	3	2	3	3	5	4	3	3	4	39

बुध का अष्टकवर्ग

	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	कुल
शनि	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	4
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
सूर्य	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	5
शुक्र	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	0	1	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	6
लग्न	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	7
कुल	5	4	5	4	4	4	2	5	4	7	5	5	54

गुरु का अष्टकवर्ग

	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	कुल
शनि	0	1	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	9
शुक्र	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	0	6
बुध	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	9
कुल	4	6	5	6	3	3	6	6	2	4	8	3	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कुल
शनि	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	1	7
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
मंगल	0	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	1	6
सूर्य	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	5
चंद्र	1	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	1	9
लग्न	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	1	8
कुल	5	4	2	3	4	4	4	4	4	5	6	7	52

शनि का अष्टकवर्ग

	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	4
मंगल	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	6
सूर्य	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	7
शुक्र	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	3
बुध	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	1	0	6
चंद्र	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	3
लग्न	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	6
कुल	3	1	1	3	4	5	4	2	4	4	4	4	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	कुल
शनि	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	6
गुरु	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	9
मंगल	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	5
सूर्य	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	6
शुक्र	1	0	0	0	1	1	1	1	1	0	0	1	7
बुध	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	7
चंद्र	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	5	2	3	5	4	5	5	4	4	4	4	4	49

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	2	4	4	4	4	3	1	1	3	4	5	4	39
गुरु	6	6	2	4	8	3	4	6	5	6	3	3	56
मंगल	3	5	4	3	3	4	2	2	5	3	2	3	39
सूर्य	4	5	7	4	4	2	4	1	4	6	4	3	48
शुक्र	5	6	7	5	4	2	3	4	4	4	4	4	52
बुध	4	7	5	5	5	4	5	4	4	4	2	5	54
चंद्र	4	5	2	3	4	3	4	5	5	6	5	3	49
बिन्दु	28	38	31	28	32	21	23	23	30	33	25	25	337
रेखा	28	18	25	28	24	35	33	33	26	23	31	31	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	1	3	3	2	0	0	0	1	1	4	3	18
गुरु	1	3	0	1	3	0	2	3	0	3	1	0	17
मंगल	0	2	2	1	0	1	0	0	2	0	0	1	9
सूर्य	0	3	3	3	0	0	0	0	0	4	0	2	15
शुक्र	1	4	4	1	0	0	0	0	0	2	1	0	13
बुध	0	3	3	1	1	0	3	0	0	0	0	1	12
चंद्र	0	2	0	0	0	0	2	2	1	3	3	0	13
रेखा	2	18	15	10	6	1	7	5	4	13	9	7	97

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	1	3	3	2	0	0	0	1	1	3	2	16
गुरु	1	1	0	1	3	0	2	2	0	2	1	0	13
मंगल	0	2	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	7
सूर्य	0	3	3	3	0	0	0	0	0	4	0	2	15
शुक्र	1	4	4	1	0	0	0	0	0	1	1	0	12
बुध	0	0	3	1	1	0	3	0	0	0	0	1	9
चंद्र	0	0	0	0	0	0	2	2	1	0	0	0	5
रेखा	2	11	14	10	6	1	7	4	3	8	5	6	77

शोध्य पिंड

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	110	39	58	71	102	99	137
ग्रह पिंड	36	36	17	71	68	17	46
शोध्य पिंड	146	75	75	142	170	116	183

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

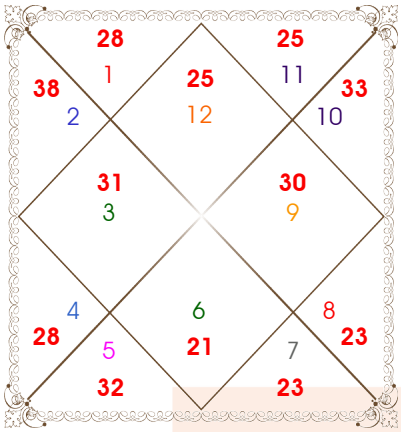

सूर्य का अष्टकवर्ग

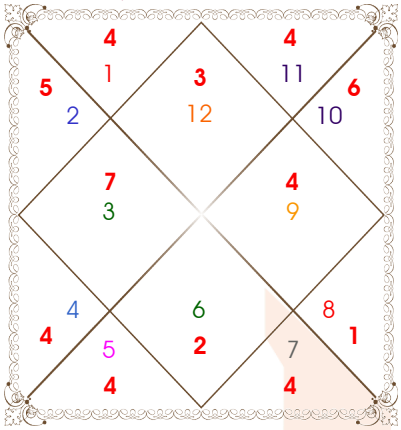

चंद्र का अष्टकवर्ग

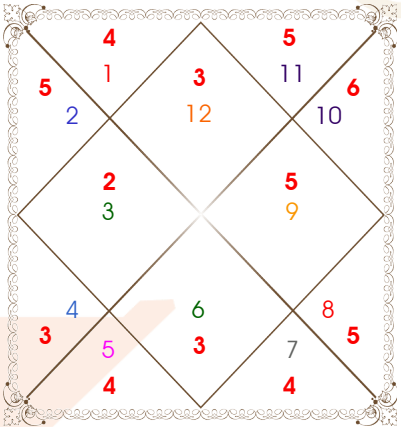

मंगल का अष्टकवर्ग

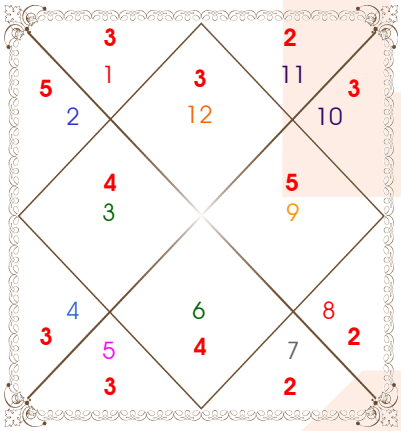

बुध का अष्टकवर्ग

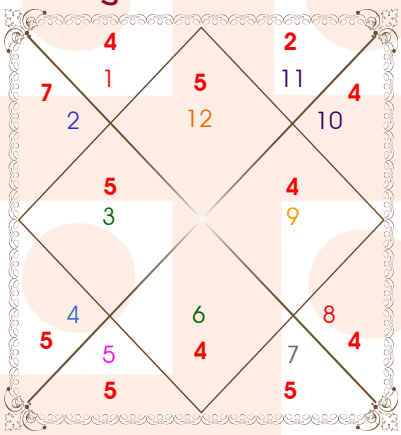

गुरू का अष्टकवर्ग

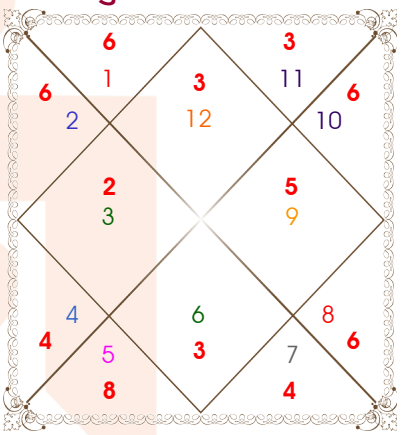

शुक्र का अष्टकवर्ग

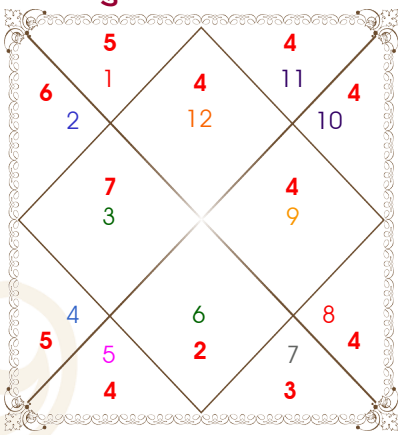

शनि का अष्टकवर्ग

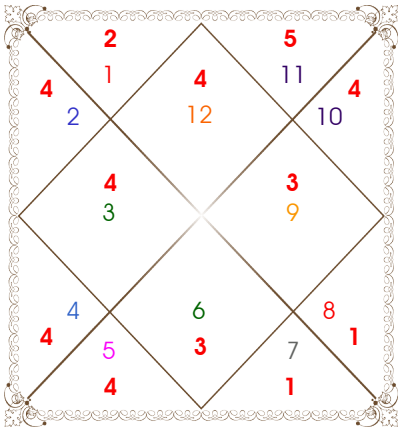

लग्न का अष्टकवर्ग

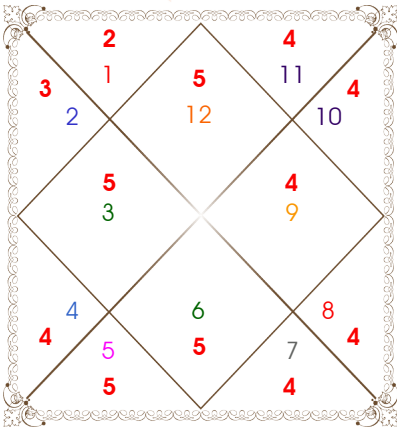

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

भिन्नाष्टक ग्राफ

सूर्य

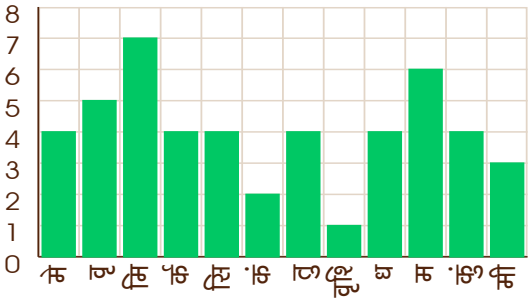

चन्द्र

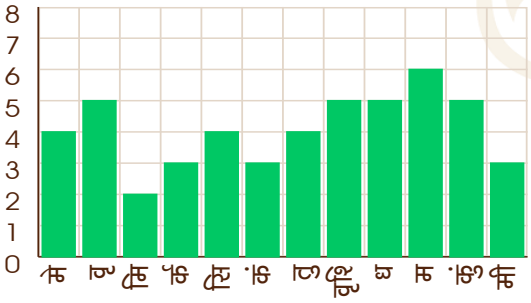

मंगल

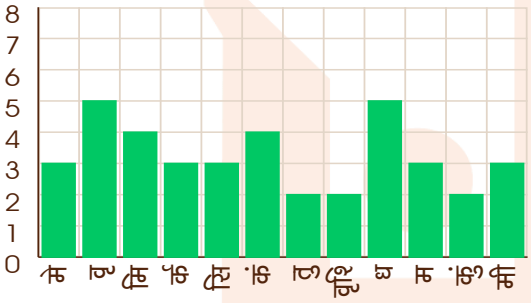

बुध

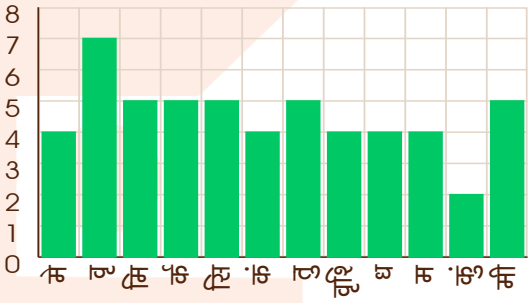

गुरु

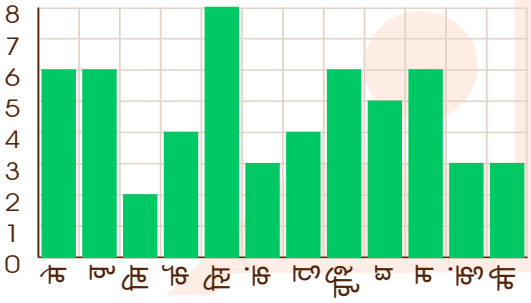

शुक्र

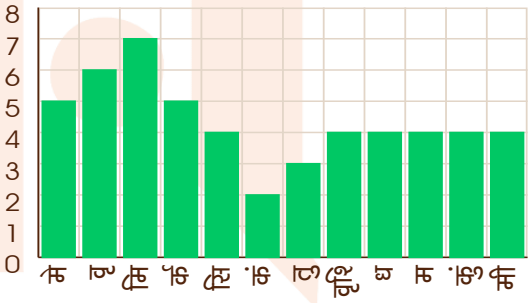

शनि

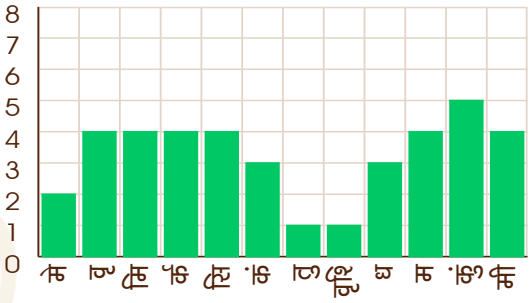

लग्न

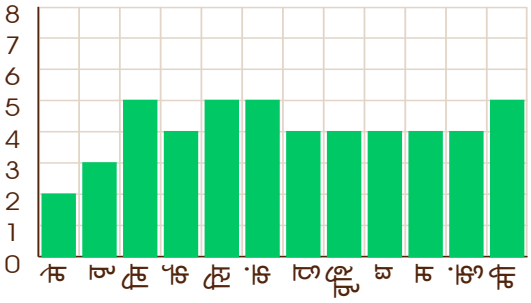

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

अष्टकवर्ग ग्राफ

सर्वाष्टकवर्ग

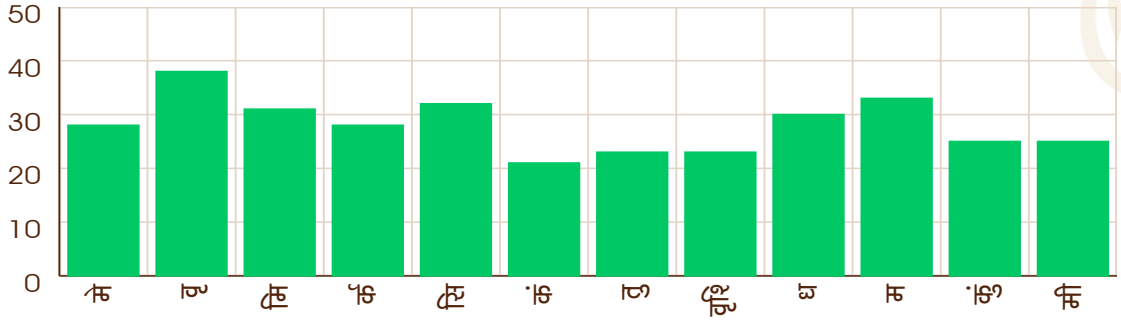

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

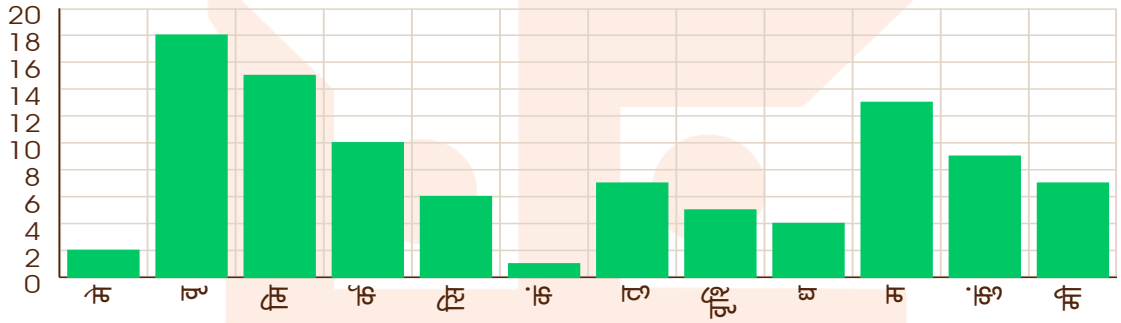

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

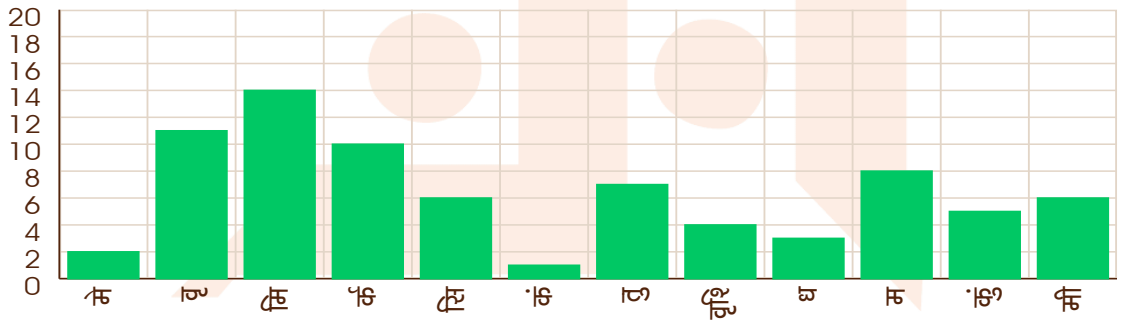

शोध्य पिंड

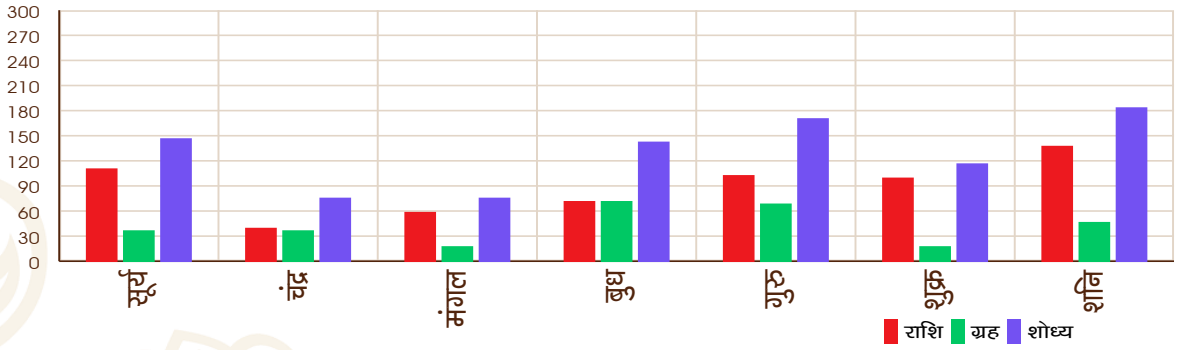

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 5 मास 7 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
11/08/1982		18/01/2000		18/01/2006		18/01/2016		18/01/2023	
18/01/2000		18/01/2006		18/01/2016		18/01/2023		18/01/2041	
शुक्र	20/05/1983	सूर्य	07/05/2000	चंद्र	18/11/2006	मंगल	15/06/2016	राहु	30/09/2025
सूर्य	19/05/1984	चंद्र	06/11/2000	मंगल	19/06/2007	राहु	04/07/2017	गुरु	24/02/2028
चंद्र	18/01/1986	मंगल	13/03/2001	राहु	18/12/2008	गुरु	10/06/2018	शनि	31/12/2030
मंगल	20/03/1987	राहु	05/02/2002	गुरु	19/04/2010	शनि	20/07/2019	बुध	19/07/2033
राहु	20/03/1990	गुरु	24/11/2002	शनि	18/11/2011	बुध	16/07/2020	केतु	07/08/2034
गुरु	18/11/1992	शनि	06/11/2003	बुध	19/04/2013	केतु	12/12/2020	शुक्र	06/08/2037
शनि	18/01/1996	बुध	12/09/2004	केतु	18/11/2013	शुक्र	11/02/2022	सूर्य	01/07/2038
बुध	18/11/1998	केतु	18/01/2005	शुक्र	20/07/2015	सूर्य	19/06/2022	चंद्र	31/12/2039
केतु	18/01/2000	शुक्र	18/01/2006	सूर्य	18/01/2016	चंद्र	18/01/2023	मंगल	18/01/2041

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/01/2041		18/01/2057		18/01/2076		18/01/2093		18/01/2100	
18/01/2057		18/01/2076		18/01/2093		18/01/2100		00/00/0000	
गुरु	08/03/2043	शनि	21/01/2060	बुध	16/06/2078	केतु	16/06/2093	शुक्र	12/08/2102
शनि	18/09/2045	बुध	01/10/2062	केतु	13/06/2079	शुक्र	16/08/2094		00/00/0000
बुध	25/12/2047	केतु	09/11/2063	शुक्र	13/04/2082	सूर्य	22/12/2094		00/00/0000
केतु	30/11/2048	शुक्र	09/01/2067	सूर्य	18/02/2083	चंद्र	23/07/2095		00/00/0000
शुक्र	01/08/2051	सूर्य	22/12/2067	चंद्र	19/07/2084	मंगल	19/12/2095		00/00/0000
सूर्य	19/05/2052	चंद्र	22/07/2069	मंगल	16/07/2085	राहु	05/01/2097		00/00/0000
चंद्र	18/09/2053	मंगल	31/08/2070	राहु	03/02/2088	गुरु	12/12/2097		00/00/0000
मंगल	25/08/2054	राहु	07/07/2073	गुरु	10/05/2090	शनि	21/01/2099		00/00/0000
राहु	18/01/2057	गुरु	18/01/2076	शनि	18/01/2093	बुध	18/01/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 4 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - राहु	
11/08/1982		20/05/1983		19/05/1984		18/01/1986		20/03/1987	
20/05/1983		19/05/1984		18/01/1986		20/03/1987		20/03/1990	
	00/00/0000	सूर्य	07/06/1983	चंद्र	09/07/1984	मंगल	12/02/1986	राहु	31/08/1987
	00/00/0000	चंद्र	08/07/1983	मंगल	13/08/1984	राहु	17/04/1986	गुरु	24/01/1988
	00/00/0000	मंगल	29/07/1983	राहु	13/11/1984	गुरु	12/06/1986	शनि	16/07/1988
	00/00/0000	राहु	22/09/1983	गुरु	02/02/1985	शनि	19/08/1986	बुध	18/12/1988
	00/00/0000	गुरु	09/11/1983	शनि	09/05/1985	बुध	18/10/1986	केतु	20/02/1989
	11/08/1982	शनि	06/01/1984	बुध	03/08/1985	केतु	12/11/1986	शुक्र	22/08/1989
शनि	18/09/1982	बुध	27/02/1984	केतु	08/09/1985	शुक्र	22/01/1987	सूर्य	15/10/1989
बुध	10/03/1983	केतु	19/03/1984	शुक्र	18/12/1985	सूर्य	12/02/1987	चंद्र	15/01/1990
केतु	20/05/1983	शुक्र	19/05/1984	सूर्य	18/01/1986	चंद्र	20/03/1987	मंगल	20/03/1990

शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु		सूर्य - सूर्य	
20/03/1990		18/11/1992		18/01/1996		18/11/1998		18/01/2000	
18/11/1992		18/01/1996		18/11/1998		18/01/2000		07/05/2000	
गुरु	28/07/1990	शनि	20/05/1993	बुध	13/06/1996	केतु	13/12/1998	सूर्य	24/01/2000
शनि	29/12/1990	बुध	31/10/1993	केतु	12/08/1996	शुक्र	22/02/1999	चंद्र	02/02/2000
बुध	16/05/1991	केतु	06/01/1994	शुक्र	01/02/1997	सूर्य	15/03/1999	मंगल	08/02/2000
केतु	12/07/1991	शुक्र	18/07/1994	सूर्य	25/03/1997	चंद्र	20/04/1999	राहु	25/02/2000
शुक्र	21/12/1991	सूर्य	14/09/1994	चंद्र	19/06/1997	मंगल	15/05/1999	गुरु	10/03/2000
सूर्य	08/02/1992	चंद्र	19/12/1994	मंगल	18/08/1997	राहु	18/07/1999	शनि	28/03/2000
चंद्र	29/04/1992	मंगल	25/02/1995	राहु	20/01/1998	गुरु	12/09/1999	बुध	12/04/2000
मंगल	25/06/1992	राहु	17/08/1995	गुरु	07/06/1998	शनि	19/11/1999	केतु	19/04/2000
राहु	18/11/1992	गुरु	18/01/1996	शनि	18/11/1998	बुध	18/01/2000	शुक्र	07/05/2000

सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि	
07/05/2000		06/11/2000		13/03/2001		05/02/2002		24/11/2002	
06/11/2000		13/03/2001		05/02/2002		24/11/2002		06/11/2003	
चंद्र	22/05/2000	मंगल	13/11/2000	राहु	02/05/2001	गुरु	16/03/2002	शनि	18/01/2003
मंगल	02/06/2000	राहु	02/12/2000	गुरु	15/06/2001	शनि	01/05/2002	बुध	08/03/2003
राहु	29/06/2000	गुरु	19/12/2000	शनि	06/08/2001	बुध	12/06/2002	केतु	29/03/2003
गुरु	24/07/2000	शनि	08/01/2001	बुध	21/09/2001	केतु	29/06/2002	शुक्र	25/05/2003
शनि	21/08/2000	बुध	27/01/2001	केतु	10/10/2001	शुक्र	16/08/2002	सूर्य	12/06/2003
बुध	16/09/2000	केतु	03/02/2001	शुक्र	04/12/2001	सूर्य	31/08/2002	चंद्र	11/07/2003
केतु	27/09/2000	शुक्र	24/02/2001	सूर्य	21/12/2001	चंद्र	24/09/2002	मंगल	31/07/2003
शुक्र	27/10/2000	सूर्य	03/03/2001	चंद्र	17/01/2002	मंगल	11/10/2002	राहु	21/09/2003
सूर्य	06/11/2000	चंद्र	13/03/2001	मंगल	05/02/2002	राहु	24/11/2002	गुरु	06/11/2003

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल	
06/11/2003		12/09/2004		18/01/2005		18/01/2006		18/11/2006	
12/09/2004		18/01/2005		18/01/2006		18/11/2006		19/06/2007	
बुध	20/12/2003	केतु	19/09/2004	शुक्र	19/03/2005	चंद्र	12/02/2006	मंगल	01/12/2006
केतु	07/01/2004	शुक्र	11/10/2004	सूर्य	07/04/2005	मंगल	02/03/2006	राहु	02/01/2007
शुक्र	28/02/2004	सूर्य	17/10/2004	चंद्र	07/05/2005	राहु	17/04/2006	गुरु	30/01/2007
सूर्य	15/03/2004	चंद्र	28/10/2004	मंगल	28/05/2005	गुरु	27/05/2006	शनि	05/03/2007
चंद्र	10/04/2004	मंगल	04/11/2004	राहु	22/07/2005	शनि	14/07/2006	बुध	04/04/2007
मंगल	28/04/2004	राहु	23/11/2004	गुरु	09/09/2005	बुध	26/08/2006	केतु	16/04/2007
राहु	13/06/2004	गुरु	10/12/2004	शनि	06/11/2005	केतु	13/09/2006	शुक्र	22/05/2007
गुरु	25/07/2004	शनि	30/12/2004	बुध	28/12/2005	शुक्र	03/11/2006	सूर्य	02/06/2007
शनि	12/09/2004	बुध	18/01/2005	केतु	18/01/2006	सूर्य	18/11/2006	चंद्र	19/06/2007

चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध		चंद्र - केतु	
19/06/2007		18/12/2008		19/04/2010		18/11/2011		19/04/2013	
18/12/2008		19/04/2010		18/11/2011		19/04/2013		18/11/2013	
राहु	09/09/2007	गुरु	21/02/2009	शनि	20/07/2010	बुध	31/01/2012	केतु	01/05/2013
गुरु	21/11/2007	शनि	09/05/2009	बुध	10/10/2010	केतु	01/03/2012	शुक्र	06/06/2013
शनि	16/02/2008	बुध	17/07/2009	केतु	12/11/2010	शुक्र	26/05/2012	सूर्य	16/06/2013
बुध	04/05/2008	केतु	15/08/2009	शुक्र	17/02/2011	सूर्य	21/06/2012	चंद्र	04/07/2013
केतु	05/06/2008	शुक्र	04/11/2009	सूर्य	18/03/2011	चंद्र	03/08/2012	मंगल	17/07/2013
शुक्र	04/09/2008	सूर्य	28/11/2009	चंद्र	05/05/2011	मंगल	02/09/2012	राहु	18/08/2013
सूर्य	02/10/2008	चंद्र	08/01/2010	मंगल	08/06/2011	राहु	19/11/2012	गुरु	15/09/2013
चंद्र	16/11/2008	मंगल	05/02/2010	राहु	02/09/2011	गुरु	27/01/2013	शनि	19/10/2013
मंगल	18/12/2008	राहु	19/04/2010	गुरु	18/11/2011	शनि	19/04/2013	बुध	18/11/2013

चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु		मंगल - गुरु	
18/11/2013		20/07/2015		18/01/2016		15/06/2016		04/07/2017	
20/07/2015		18/01/2016		15/06/2016		04/07/2017		10/06/2018	
शुक्र	27/02/2014	सूर्य	29/07/2015	मंगल	27/01/2016	राहु	12/08/2016	गुरु	18/08/2017
सूर्य	30/03/2014	चंद्र	13/08/2015	राहु	18/02/2016	गुरु	02/10/2016	शनि	11/10/2017
चंद्र	20/05/2014	मंगल	24/08/2015	गुरु	09/03/2016	शनि	02/12/2016	बुध	29/11/2017
मंगल	24/06/2014	राहु	20/09/2015	शनि	02/04/2016	बुध	25/01/2017	केतु	19/12/2017
राहु	23/09/2014	गुरु	14/10/2015	बुध	23/04/2016	केतु	17/02/2017	शुक्र	13/02/2018
गुरु	14/12/2014	शनि	12/11/2015	केतु	02/05/2016	शुक्र	21/04/2017	सूर्य	02/03/2018
शनि	20/03/2015	बुध	08/12/2015	शुक्र	27/05/2016	सूर्य	11/05/2017	चंद्र	31/03/2018
बुध	14/06/2015	केतु	19/12/2015	सूर्य	03/06/2016	चंद्र	12/06/2017	मंगल	20/04/2018
केतु	20/07/2015	शुक्र	18/01/2016	चंद्र	15/06/2016	मंगल	04/07/2017	राहु	10/06/2018

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य	
10/06/2018		20/07/2019		16/07/2020		12/12/2020		11/02/2022	
20/07/2019		16/07/2020		12/12/2020		11/02/2022		19/06/2022	
शनि	13/08/2018	बुध	09/09/2019	केतु	25/07/2020	शुक्र	21/02/2021	सूर्य	18/02/2022
बुध	09/10/2018	केतु	30/09/2019	शुक्र	18/08/2020	सूर्य	14/03/2021	चंद्र	28/02/2022
केतु	02/11/2018	शुक्र	30/11/2019	सूर्य	26/08/2020	चंद्र	19/04/2021	मंगल	08/03/2022
शुक्र	08/01/2019	सूर्य	18/12/2019	चंद्र	07/09/2020	मंगल	14/05/2021	राहु	27/03/2022
सूर्य	29/01/2019	चंद्र	17/01/2020	मंगल	16/09/2020	राहु	17/07/2021	गुरु	13/04/2022
चंद्र	03/03/2019	मंगल	07/02/2020	राहु	08/10/2020	गुरु	11/09/2021	शनि	03/05/2022
मंगल	27/03/2019	राहु	01/04/2020	गुरु	28/10/2020	शनि	18/11/2021	बुध	21/05/2022
राहु	27/05/2019	गुरु	20/05/2020	शनि	21/11/2020	बुध	17/01/2022	केतु	29/05/2022
गुरु	20/07/2019	शनि	16/07/2020	बुध	12/12/2020	केतु	11/02/2022	शुक्र	19/06/2022

मंगल - चंद्र		राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि		राहु - बुध	
19/06/2022		18/01/2023		30/09/2025		24/02/2028		31/12/2030	
18/01/2023		30/09/2025		24/02/2028		31/12/2030		19/07/2033	
चंद्र	07/07/2022	राहु	15/06/2023	गुरु	25/01/2026	शनि	07/08/2028	बुध	12/05/2031
मंगल	19/07/2022	गुरु	24/10/2023	शनि	13/06/2026	बुध	01/01/2029	केतु	05/07/2031
राहु	20/08/2022	शनि	29/03/2024	बुध	15/10/2026	केतु	03/03/2029	शुक्र	07/12/2031
गुरु	18/09/2022	बुध	15/08/2024	केतु	05/12/2026	शुक्र	23/08/2029	सूर्य	23/01/2032
शनि	21/10/2022	केतु	12/10/2024	शुक्र	30/04/2027	सूर्य	14/10/2029	चंद्र	10/04/2032
बुध	20/11/2022	शुक्र	25/03/2025	सूर्य	13/06/2027	चंद्र	09/01/2030	मंगल	03/06/2032
केतु	03/12/2022	सूर्य	14/05/2025	चंद्र	25/08/2027	मंगल	11/03/2030	राहु	21/10/2032
शुक्र	07/01/2023	चंद्र	04/08/2025	मंगल	15/10/2027	राहु	14/08/2030	गुरु	22/02/2033
सूर्य	18/01/2023	मंगल	30/09/2025	राहु	24/02/2028	गुरु	31/12/2030	शनि	19/07/2033

राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
19/07/2033		07/08/2034		06/08/2037		01/07/2038		31/12/2039	
07/08/2034		06/08/2037		01/07/2038		31/12/2039		18/01/2041	
केतु	11/08/2033	शुक्र	05/02/2035	सूर्य	23/08/2037	चंद्र	16/08/2038	मंगल	22/01/2040
शुक्र	13/10/2033	सूर्य	01/04/2035	चंद्र	19/09/2037	मंगल	17/09/2038	राहु	20/03/2040
सूर्य	02/11/2033	चंद्र	01/07/2035	मंगल	08/10/2037	राहु	08/12/2038	गुरु	10/05/2040
चंद्र	04/12/2033	मंगल	03/09/2035	राहु	27/11/2037	गुरु	19/02/2039	शनि	10/07/2040
मंगल	26/12/2033	राहु	15/02/2036	गुरु	10/01/2038	शनि	17/05/2039	बुध	02/09/2040
राहु	22/02/2034	गुरु	10/07/2036	शनि	03/03/2038	बुध	02/08/2039	केतु	25/09/2040
गुरु	14/04/2034	शनि	30/12/2036	बुध	18/04/2038	केतु	03/09/2039	शुक्र	27/11/2040
शनि	13/06/2034	बुध	04/06/2037	केतु	07/05/2038	शुक्र	04/12/2039	सूर्य	17/12/2040
बुध	07/08/2034	केतु	06/08/2037	शुक्र	01/07/2038	सूर्य	31/12/2039	चंद्र	18/01/2041

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र	
18/01/2041		08/03/2043		18/09/2045		25/12/2047		30/11/2048	
08/03/2043		18/09/2045		25/12/2047		30/11/2048		01/08/2051	
गुरु	01/05/2041	शनि	01/08/2043	बुध	13/01/2046	केतु	14/01/2048	शुक्र	11/05/2049
शनि	02/09/2041	बुध	10/12/2043	केतु	03/03/2046	शुक्र	11/03/2048	सूर्य	29/06/2049
बुध	21/12/2041	केतु	02/02/2044	शुक्र	19/07/2046	सूर्य	28/03/2048	चंद्र	18/09/2049
केतु	05/02/2042	शुक्र	06/07/2044	सूर्य	29/08/2046	चंद्र	25/04/2048	मंगल	14/11/2049
शुक्र	15/06/2042	सूर्य	21/08/2044	चंद्र	06/11/2046	मंगल	15/05/2048	राहु	09/04/2050
सूर्य	24/07/2042	चंद्र	06/11/2044	मंगल	24/12/2046	राहु	05/07/2048	गुरु	17/08/2050
चंद्र	26/09/2042	मंगल	30/12/2044	राहु	28/04/2047	गुरु	20/08/2048	शनि	18/01/2051
मंगल	11/11/2042	राहु	18/05/2045	गुरु	16/08/2047	शनि	13/10/2048	बुध	05/06/2051
राहु	08/03/2043	गुरु	18/09/2045	शनि	25/12/2047	बुध	30/11/2048	केतु	01/08/2051

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि	
01/08/2051		19/05/2052		18/09/2053		25/08/2054		18/01/2057	
19/05/2052		18/09/2053		25/08/2054		18/01/2057		21/01/2060	
सूर्य	15/08/2051	चंद्र	29/06/2052	मंगल	08/10/2053	राहु	03/01/2055	शनि	11/07/2057
चंद्र	09/09/2051	मंगल	27/07/2052	राहु	28/11/2053	गुरु	30/04/2055	बुध	13/12/2057
मंगल	26/09/2051	राहु	08/10/2052	गुरु	13/01/2054	शनि	16/09/2055	केतु	15/02/2058
राहु	09/11/2051	गुरु	12/12/2052	शनि	08/03/2054	बुध	18/01/2056	शुक्र	17/08/2058
गुरु	18/12/2051	शनि	27/02/2053	बुध	25/04/2054	केतु	09/03/2056	सूर्य	11/10/2058
शनि	02/02/2052	बुध	07/05/2053	केतु	15/05/2054	शुक्र	03/08/2056	चंद्र	11/01/2059
बुध	14/03/2052	केतु	05/06/2053	शुक्र	11/07/2054	सूर्य	15/09/2056	मंगल	16/03/2059
केतु	31/03/2052	शुक्र	25/08/2053	सूर्य	28/07/2054	चंद्र	27/11/2056	राहु	28/08/2059
शुक्र	19/05/2052	सूर्य	18/09/2053	चंद्र	25/08/2054	मंगल	18/01/2057	गुरु	21/01/2060

शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र	
21/01/2060		01/10/2062		09/11/2063		09/01/2067		22/12/2067	
01/10/2062		09/11/2063		09/01/2067		22/12/2067		22/07/2069	
बुध	09/06/2060	केतु	24/10/2062	शुक्र	20/05/2064	सूर्य	26/01/2067	चंद्र	08/02/2068
केतु	05/08/2060	शुक्र	31/12/2062	सूर्य	17/07/2064	चंद्र	24/02/2067	मंगल	13/03/2068
शुक्र	16/01/2061	सूर्य	20/01/2063	चंद्र	21/10/2064	मंगल	16/03/2067	राहु	08/06/2068
सूर्य	06/03/2061	चंद्र	23/02/2063	मंगल	28/12/2064	राहु	07/05/2067	गुरु	24/08/2068
चंद्र	27/05/2061	मंगल	18/03/2063	राहु	19/06/2065	गुरु	23/06/2067	शनि	23/11/2068
मंगल	23/07/2061	राहु	18/05/2063	गुरु	20/11/2065	शनि	17/08/2067	बुध	13/02/2069
राहु	18/12/2061	गुरु	11/07/2063	शनि	23/05/2066	बुध	05/10/2067	केतु	19/03/2069
गुरु	28/04/2062	शनि	13/09/2063	बुध	02/11/2066	केतु	25/10/2067	शुक्र	23/06/2069
शनि	01/10/2062	बुध	09/11/2063	केतु	09/01/2067	शुक्र	22/12/2067	सूर्य	22/07/2069

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - मंगल		शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु	
22/07/2069		31/08/2070		07/07/2073		18/01/2076		16/06/2078	
31/08/2070		07/07/2073		18/01/2076		16/06/2078		13/06/2079	
मंगल	15/08/2069	राहु	03/02/2071	गुरु	07/11/2073	बुध	22/05/2076	केतु	07/07/2078
राहु	15/10/2069	गुरु	22/06/2071	शनि	03/04/2074	केतु	12/07/2076	शुक्र	05/09/2078
गुरु	08/12/2069	शनि	04/12/2071	बुध	12/08/2074	शुक्र	06/12/2076	सूर्य	24/09/2078
शनि	10/02/2070	बुध	29/04/2072	केतु	05/10/2074	सूर्य	19/01/2077	चंद्र	24/10/2078
बुध	08/04/2070	केतु	29/06/2072	शुक्र	08/03/2075	चंद्र	02/04/2077	मंगल	14/11/2078
केतु	02/05/2070	शुक्र	20/12/2072	सूर्य	23/04/2075	मंगल	23/05/2077	राहु	07/01/2079
शुक्र	08/07/2070	सूर्य	10/02/2073	चंद्र	10/07/2075	राहु	02/10/2077	गुरु	25/02/2079
सूर्य	28/07/2070	चंद्र	07/05/2073	मंगल	02/09/2075	गुरु	28/01/2078	शनि	23/04/2079
चंद्र	31/08/2070	मंगल	07/07/2073	राहु	18/01/2076	शनि	16/06/2078	बुध	13/06/2079

बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु	
13/06/2079		13/04/2082		18/02/2083		19/07/2084		16/07/2085	
13/04/2082		18/02/2083		19/07/2084		16/07/2085		03/02/2088	
शुक्र	03/12/2079	सूर्य	29/04/2082	चंद्र	02/04/2083	मंगल	09/08/2084	राहु	03/12/2085
सूर्य	23/01/2080	चंद्र	24/05/2082	मंगल	02/05/2083	राहु	02/10/2084	गुरु	06/04/2086
चंद्र	19/04/2080	मंगल	12/06/2082	राहु	18/07/2083	गुरु	20/11/2084	शनि	01/09/2086
मंगल	18/06/2080	राहु	28/07/2082	गुरु	25/09/2083	शनि	16/01/2085	बुध	10/01/2087
राहु	20/11/2080	गुरु	08/09/2082	शनि	16/12/2083	बुध	08/03/2085	केतु	06/03/2087
गुरु	07/04/2081	शनि	27/10/2082	बुध	28/02/2084	केतु	29/03/2085	शुक्र	08/08/2087
शनि	18/09/2081	बुध	10/12/2082	केतु	29/03/2084	शुक्र	29/05/2085	सूर्य	24/09/2087
बुध	12/02/2082	केतु	28/12/2082	शुक्र	23/06/2084	सूर्य	16/06/2085	चंद्र	10/12/2087
केतु	13/04/2082	शुक्र	18/02/2083	सूर्य	19/07/2084	चंद्र	16/07/2085	मंगल	03/02/2088

बुध - गुरु		बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
03/02/2088		10/05/2090		18/01/2093		16/06/2093		16/08/2094	
10/05/2090		18/01/2093		16/06/2093		16/08/2094		22/12/2094	
गुरु	23/05/2088	शनि	13/10/2090	केतु	26/01/2093	शुक्र	26/08/2093	सूर्य	22/08/2094
शनि	01/10/2088	बुध	01/03/2091	शुक्र	20/02/2093	सूर्य	16/09/2093	चंद्र	02/09/2094
बुध	26/01/2089	केतु	28/04/2091	सूर्य	28/02/2093	चंद्र	22/10/2093	मंगल	09/09/2094
केतु	16/03/2089	शुक्र	09/10/2091	चंद्र	12/03/2093	मंगल	15/11/2093	राहु	29/09/2094
शुक्र	01/08/2089	सूर्य	27/11/2091	मंगल	21/03/2093	राहु	18/01/2094	गुरु	16/10/2094
सूर्य	11/09/2089	चंद्र	17/02/2092	राहु	12/04/2093	गुरु	16/03/2094	शनि	05/11/2094
चंद्र	19/11/2089	मंगल	14/04/2092	गुरु	02/05/2093	शनि	23/05/2094	बुध	23/11/2094
मंगल	06/01/2090	राहु	08/09/2092	शनि	26/05/2093	बुध	22/07/2094	केतु	30/11/2094
राहु	10/05/2090	गुरु	18/01/2093	बुध	16/06/2093	केतु	16/08/2094	शुक्र	22/12/2094

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - गुरु - गुरु	
30/09/2025 18:02	
25/01/2026 15:09	
गुरु	16/10/2025 08:03
शनि	03/11/2025 20:12
बुध	20/11/2025 09:35
केतु	27/11/2025 05:13
शुक्र	16/12/2025 16:44
सूर्य	22/12/2025 13:00
चंद्र	01/01/2026 06:45
मंगल	08/01/2026 02:23
राहु	25/01/2026 15:09

राहु - गुरु - शनि	
25/01/2026 15:09	
13/06/2026 10:14	
शनि	16/02/2026 14:35
बुध	08/03/2026 06:29
केतु	16/03/2026 08:48
शुक्र	08/04/2026 11:58
सूर्य	15/04/2026 10:32
चंद्र	27/04/2026 00:07
मंगल	05/05/2026 02:26
राहु	25/05/2026 22:06
गुरु	13/06/2026 10:14

राहु - गुरु - बुध	
13/06/2026 10:14	
15/10/2026 14:41	
बुध	01/07/2026 00:28
केतु	08/07/2026 06:19
शुक्र	28/07/2026 23:04
सूर्य	04/08/2026 04:05
चंद्र	14/08/2026 12:27
मंगल	21/08/2026 18:19
राहु	09/09/2026 09:23
गुरु	25/09/2026 22:46
शनि	15/10/2026 14:41

राहु - गुरु - केतु	
15/10/2026 14:41	
05/12/2026 17:55	
केतु	18/10/2026 14:16
शुक्र	27/10/2026 02:48
सूर्य	29/10/2026 16:10
चंद्र	02/11/2026 22:26
मंगल	05/11/2026 22:02
राहु	13/11/2026 14:07
गुरु	20/11/2026 09:45
शनि	28/11/2026 12:03
बुध	05/12/2026 17:55

राहु - गुरु - शुक्र	
05/12/2026 17:55	
30/04/2027 20:19	
शुक्र	30/12/2026 02:19
सूर्य	06/01/2027 09:38
चंद्र	18/01/2027 13:50
मंगल	27/01/2027 02:23
राहु	18/02/2027 00:20
गुरु	09/03/2027 11:51
शनि	01/04/2027 15:02
बुध	22/04/2027 07:47
केतु	30/04/2027 20:19

राहु - गुरु - सूर्य	
30/04/2027 20:19	
13/06/2027 16:14	
सूर्य	03/05/2027 00:55
चंद्र	06/05/2027 16:34
मंगल	09/05/2027 05:56
राहु	15/05/2027 19:43
गुरु	21/05/2027 15:59
शनि	28/05/2027 14:32
बुध	03/06/2027 19:33
केतु	06/06/2027 08:55
शुक्र	13/06/2027 16:14

राहु - गुरु - चंद्र	
13/06/2027 16:14	
25/08/2027 17:26	
चंद्र	19/06/2027 18:20
मंगल	24/06/2027 00:36
राहु	04/07/2027 23:35
गुरु	14/07/2027 17:21
शनि	26/07/2027 06:56
बुध	05/08/2027 15:18
केतु	09/08/2027 21:35
शुक्र	22/08/2027 01:47
सूर्य	25/08/2027 17:26

राहु - गुरु - मंगल	
25/08/2027 17:26	
15/10/2027 20:41	
मंगल	28/08/2027 17:01
राहु	05/09/2027 09:07
गुरु	12/09/2027 04:45
शनि	20/09/2027 07:03
बुध	27/09/2027 12:55
केतु	30/09/2027 12:30
शुक्र	09/10/2027 01:03
सूर्य	11/10/2027 14:24
चंद्र	15/10/2027 20:41

राहु - गुरु - राहु	
15/10/2027 20:41	
24/02/2028 08:26	
राहु	04/11/2027 14:02
गुरु	22/11/2027 02:48
शनि	12/12/2027 22:28
बुध	31/12/2027 13:32
केतु	08/01/2028 05:37
शुक्र	30/01/2028 03:35
सूर्य	05/02/2028 17:22
चंद्र	16/02/2028 16:21
मंगल	24/02/2028 08:26

राहु - शनि - शनि	
24/02/2028 08:26	
07/08/2028 04:06	
शनि	21/03/2028 10:45
बुध	13/04/2028 19:08
केतु	23/04/2028 09:53
शुक्र	20/05/2028 21:09
सूर्य	29/05/2028 02:56
चंद्र	11/06/2028 20:35
मंगल	21/06/2028 11:19
राहु	16/07/2028 04:40
गुरु	07/08/2028 04:06

राहु - शनि - बुध	
07/08/2028 04:06	
01/01/2029 15:22	
बुध	28/08/2028 01:29
केतु	05/09/2028 15:57
शुक्र	30/09/2028 05:50
सूर्य	07/10/2028 14:47
चंद्र	19/10/2028 21:44
मंगल	28/10/2028 12:11
राहु	19/11/2028 15:05
गुरु	09/12/2028 06:59
शनि	01/01/2029 15:22

राहु - शनि - केतु	
01/01/2029 15:22	
03/03/2029 08:43	
केतु	05/01/2029 04:23
शुक्र	15/01/2029 07:16
सूर्य	18/01/2029 08:08
चंद्र	23/01/2029 09:35
मंगल	26/01/2029 22:36
राहु	05/02/2029 01:12
गुरु	13/02/2029 03:31
शनि	22/02/2029 18:15
बुध	03/03/2029 08:43

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शनि - शुक्र	
03/03/2029 08:43	
23/08/2029 20:34	
शुक्र	01/04/2029 06:41
सूर्य	09/04/2029 22:53
चंद्र	24/04/2029 09:52
मंगल	04/05/2029 12:46
राहु	30/05/2029 13:20
गुरु	22/06/2029 16:31
शनि	20/07/2029 03:48
बुध	13/08/2029 17:40
केतु	23/08/2029 20:34

राहु - शनि - सूर्य	
23/08/2029 20:34	
14/10/2029 21:43	
सूर्य	26/08/2029 11:01
चंद्र	30/08/2029 19:07
मंगल	02/09/2029 19:59
राहु	10/09/2029 15:21
गुरु	17/09/2029 13:55
शनि	25/09/2029 19:42
बुध	03/10/2029 04:40
केतु	06/10/2029 05:32
शुक्र	14/10/2029 21:43

राहु - शनि - चंद्र	
14/10/2029 21:43	
09/01/2030 15:39	
चंद्र	22/10/2029 03:13
मंगल	27/10/2029 04:39
राहु	09/11/2029 04:57
गुरु	20/11/2029 18:32
शनि	04/12/2029 12:10
बुध	16/12/2029 19:07
केतु	21/12/2029 20:34
शुक्र	05/01/2030 07:33
सूर्य	09/01/2030 15:39

राहु - शनि - मंगल	
09/01/2030 15:39	
11/03/2030 08:59	
मंगल	13/01/2030 04:39
राहु	22/01/2030 07:15
गुरु	30/01/2030 09:34
शनि	09/02/2030 00:19
बुध	17/02/2030 14:46
केतु	21/02/2030 03:47
शुक्र	03/03/2030 06:41
सूर्य	06/03/2030 07:33
चंद्र	11/03/2030 08:59

राहु - शनि - राहु	
11/03/2030 08:59	
14/08/2030 12:27	
राहु	03/04/2030 19:07
गुरु	24/04/2030 14:46
शनि	19/05/2030 08:07
बुध	10/06/2030 11:01
केतु	19/06/2030 13:37
शुक्र	15/07/2030 14:11
सूर्य	23/07/2030 09:34
चंद्र	05/08/2030 09:51
मंगल	14/08/2030 12:27

राहु - शनि - गुरु	
14/08/2030 12:27	
31/12/2030 07:32	
गुरु	02/09/2030 00:36
शनि	24/09/2030 00:01
बुध	13/10/2030 15:55
केतु	21/10/2030 18:14
शुक्र	13/11/2030 21:25
सूर्य	20/11/2030 19:58
चंद्र	02/12/2030 09:34
मंगल	10/12/2030 11:52
राहु	31/12/2030 07:32

राहु - बुध - बुध	
31/12/2030 07:32	
12/05/2031 06:15	
बुध	19/01/2031 00:09
केतु	26/01/2031 16:53
शुक्र	17/02/2031 16:40
सूर्य	24/02/2031 07:00
चंद्र	07/03/2031 06:54
मंगल	14/03/2031 23:37
राहु	03/04/2031 18:38
गुरु	21/04/2031 08:51
शनि	12/05/2031 06:15

राहु - बुध - केतु	
12/05/2031 06:15	
05/07/2031 14:12	
केतु	15/05/2031 10:19
शुक्र	24/05/2031 11:38
सूर्य	27/05/2031 04:50
चंद्र	31/05/2031 17:30
मंगल	03/06/2031 21:34
राहु	12/06/2031 01:09
गुरु	19/06/2031 07:01
शनि	27/06/2031 21:28
बुध	05/07/2031 14:12

राहु - बुध - शुक्र	
05/07/2031 14:12	
07/12/2031 19:45	
शुक्र	31/07/2031 11:07
सूर्य	08/08/2031 05:24
चंद्र	21/08/2031 03:52
मंगल	30/08/2031 05:11
राहु	22/09/2031 12:01
गुरु	13/10/2031 04:45
शनि	06/11/2031 18:38
बुध	28/11/2031 18:25
केतु	07/12/2031 19:45

राहु - बुध - सूर्य	
07/12/2031 19:45	
23/01/2032 09:25	
सूर्य	10/12/2031 03:38
चंद्र	14/12/2031 00:46
मंगल	16/12/2031 17:58
राहु	23/12/2031 17:37
गुरु	29/12/2031 22:38
शनि	06/01/2032 07:36
बुध	12/01/2032 21:56
केतु	15/01/2032 15:08
शुक्र	23/01/2032 09:25

राहु - बुध - चंद्र	
23/01/2032 09:25	
10/04/2032 00:11	
चंद्र	29/01/2032 20:39
मंगल	03/02/2032 09:18
राहु	15/02/2032 00:43
गुरु	25/02/2032 09:05
शनि	08/03/2032 16:02
बुध	19/03/2032 15:55
केतु	24/03/2032 04:35
शुक्र	06/04/2032 03:03
सूर्य	10/04/2032 00:11

राहु - बुध - मंगल	
10/04/2032 00:11	
03/06/2032 08:08	
मंगल	13/04/2032 04:15
राहु	21/04/2032 07:50
गुरु	28/04/2032 13:42
शनि	07/05/2032 04:09
बुध	14/05/2032 20:53
केतु	18/05/2032 00:57
शुक्र	27/05/2032 02:16
सूर्य	29/05/2032 19:28
चंद्र	03/06/2032 08:08

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - बुध - राहु		राहु - बुध - गुरु		राहु - बुध - शनि		राहु - केतु - केतु	
03/06/2032 08:08		21/10/2032 01:07		22/02/2033 05:34		19/07/2033 16:50	
21/10/2032 01:07		22/02/2033 05:34		19/07/2033 16:50		11/08/2033 01:45	
राहु	24/06/2032 07:05	गुरु	06/11/2032 14:31	शनि	17/03/2033 13:57	केतु	21/07/2033 00:09
गुरु	12/07/2032 22:09	शनि	26/11/2032 06:25	बुध	07/04/2033 11:21	शुक्र	24/07/2033 17:39
शनि	04/08/2032 01:02	बुध	13/12/2032 20:39	केतु	16/04/2033 01:48	सूर्य	25/07/2033 20:29
बुध	23/08/2032 20:03	केतु	21/12/2032 02:30	शुक्र	10/05/2033 15:41	चंद्र	27/07/2033 17:14
केतु	31/08/2032 23:38	शुक्र	10/01/2033 19:15	सूर्य	18/05/2033 00:39	मंगल	29/07/2033 00:33
शुक्र	24/09/2032 06:28	सूर्य	17/01/2033 00:16	चंद्र	30/05/2033 07:35	राहु	01/08/2033 09:05
सूर्य	01/10/2032 06:07	चंद्र	27/01/2033 08:38	मंगल	07/06/2033 22:03	गुरु	04/08/2033 08:41
चंद्र	12/10/2032 21:32	मंगल	03/02/2033 14:30	राहु	30/06/2033 00:56	शनि	07/08/2033 21:41
मंगल	21/10/2032 01:07	राहु	22/02/2033 05:34	गुरु	19/07/2033 16:50	बुध	11/08/2033 01:45

राहु - केतु - शुक्र		राहु - केतु - सूर्य		राहु - केतु - चंद्र		राहु - केतु - मंगल	
11/08/2033 01:45		13/10/2033 23:48		02/11/2033 04:01		04/12/2033 03:03	
13/10/2033 23:48		02/11/2033 04:01		04/12/2033 03:03		26/12/2033 11:58	
शुक्र	21/08/2033 17:26	सूर्य	14/10/2033 22:49	चंद्र	04/11/2033 19:56	मंगल	05/12/2033 10:22
सूर्य	24/08/2033 22:08	चंद्र	16/10/2033 13:10	मंगल	06/11/2033 16:41	राहु	08/12/2033 18:54
चंद्र	30/08/2033 05:58	मंगल	17/10/2033 16:01	राहु	11/11/2033 11:44	गुरु	11/12/2033 18:29
मंगल	02/09/2033 23:27	राहु	20/10/2033 13:03	गुरु	15/11/2033 18:00	शनि	15/12/2033 07:30
राहु	12/09/2033 13:34	गुरु	23/10/2033 02:24	शनि	20/11/2033 19:27	बुध	18/12/2033 11:34
गुरु	21/09/2033 02:06	शनि	26/10/2033 03:16	बुध	25/11/2033 08:07	केतु	19/12/2033 18:53
शनि	01/10/2033 05:00	बुध	28/10/2033 20:28	केतु	27/11/2033 04:51	शुक्र	23/12/2033 12:22
बुध	10/10/2033 06:19	केतु	29/10/2033 23:19	शुक्र	02/12/2033 12:42	सूर्य	24/12/2033 15:13
केतु	13/10/2033 23:48	शुक्र	02/11/2033 04:01	सूर्य	04/12/2033 03:03	चंद्र	26/12/2033 11:58

राहु - केतु - राहु		राहु - केतु - गुरु		राहु - केतु - शनि		राहु - केतु - बुध	
26/12/2033 11:58		22/02/2034 00:36		14/04/2034 03:51		13/06/2034 21:12	
22/02/2034 00:36		14/04/2034 03:51		13/06/2034 21:12		07/08/2034 05:08	
राहु	04/01/2034 03:03	गुरु	28/02/2034 20:14	शनि	23/04/2034 18:36	बुध	21/06/2034 13:55
गुरु	11/01/2034 19:09	शनि	08/03/2034 22:33	बुध	02/05/2034 09:03	केतु	24/06/2034 17:59
शनि	20/01/2034 21:45	बुध	16/03/2034 04:25	केतु	05/05/2034 22:04	शुक्र	03/07/2034 19:18
बुध	29/01/2034 01:20	केतु	19/03/2034 04:00	शुक्र	16/05/2034 00:57	सूर्य	06/07/2034 12:30
केतु	01/02/2034 09:52	शुक्र	27/03/2034 16:32	सूर्य	19/05/2034 01:49	चंद्र	11/07/2034 01:10
शुक्र	10/02/2034 23:59	सूर्य	30/03/2034 05:54	चंद्र	24/05/2034 03:16	मंगल	14/07/2034 05:14
सूर्य	13/02/2034 21:01	चंद्र	03/04/2034 12:10	मंगल	27/05/2034 16:17	राहु	22/07/2034 08:49
चंद्र	18/02/2034 16:04	मंगल	06/04/2034 11:46	राहु	05/06/2034 18:53	गुरु	29/07/2034 14:41
मंगल	22/02/2034 00:36	राहु	14/04/2034 03:51	गुरु	13/06/2034 21:12	शनि	07/08/2034 05:08

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शुक्र - शुक्र	
07/08/2034 05:08	
05/02/2035 20:08	
शुक्र	06/09/2034 15:38
सूर्य	15/09/2034 18:47
चंद्र	01/10/2034 00:02
मंगल	11/10/2034 15:43
राहु	08/11/2034 01:10
गुरु	02/12/2034 09:34
शनि	31/12/2034 07:32
बुध	26/01/2035 04:28
केतु	05/02/2035 20:08

राहु - शुक्र - सूर्य	
05/02/2035 20:08	
01/04/2035 15:02	
सूर्य	08/02/2035 13:53
चंद्र	13/02/2035 03:27
मंगल	16/02/2035 08:09
राहु	24/02/2035 13:24
गुरु	03/03/2035 20:43
शनि	12/03/2035 12:54
बुध	20/03/2035 07:11
केतु	23/03/2035 11:53
शुक्र	01/04/2035 15:02

राहु - शुक्र - चंद्र	
01/04/2035 15:02	
01/07/2035 22:32	
चंद्र	09/04/2035 05:40
मंगल	14/04/2035 13:30
राहु	28/04/2035 06:13
गुरु	10/05/2035 10:25
शनि	24/05/2035 21:25
बुध	06/06/2035 19:52
केतु	12/06/2035 03:43
शुक्र	27/06/2035 08:58
सूर्य	01/07/2035 22:32

राहु - शुक्र - मंगल	
01/07/2035 22:32	
03/09/2035 20:35	
मंगल	05/07/2035 16:01
राहु	15/07/2035 06:08
गुरु	23/07/2035 18:40
शनि	02/08/2035 21:34
बुध	11/08/2035 22:53
केतु	15/08/2035 16:22
शुक्र	26/08/2035 08:03
सूर्य	29/08/2035 12:45
चंद्र	03/09/2035 20:35

राहु - शुक्र - राहु	
03/09/2035 20:35	
15/02/2036 05:17	
राहु	28/09/2035 12:17
गुरु	20/10/2035 10:15
शनि	15/11/2035 10:50
बुध	08/12/2035 17:40
केतु	18/12/2035 07:46
शुक्र	14/01/2036 17:13
सूर्य	22/01/2036 22:27
चंद्र	05/02/2036 15:11
मंगल	15/02/2036 05:17

राहु - शुक्र - गुरु	
15/02/2036 05:17	
10/07/2036 07:41	
गुरु	05/03/2036 16:48
शनि	28/03/2036 19:59
बुध	18/04/2036 12:44
केतु	27/04/2036 01:16
शुक्र	21/05/2036 09:40
सूर्य	28/05/2036 16:59
चंद्र	09/06/2036 21:11
मंगल	18/06/2036 09:44
राहु	10/07/2036 07:41

राहु - शुक्र - शनि	
10/07/2036 07:41	
30/12/2036 19:32	
शनि	06/08/2036 18:58
बुध	31/08/2036 08:50
केतु	10/09/2036 11:44
शुक्र	09/10/2036 09:42
सूर्य	18/10/2036 01:54
चंद्र	01/11/2036 12:53
मंगल	11/11/2036 15:47
राहु	07/12/2036 16:21
गुरु	30/12/2036 19:32

राहु - शुक्र - बुध	
30/12/2036 19:32	
04/06/2037 01:05	
बुध	21/01/2037 19:19
केतु	30/01/2037 20:39
शुक्र	25/02/2037 17:34
सूर्य	05/03/2037 11:51
चंद्र	18/03/2037 10:19
मंगल	27/03/2037 11:38
राहु	19/04/2037 18:28
गुरु	10/05/2037 11:12
शनि	04/06/2037 01:05

राहु - शुक्र - केतु	
04/06/2037 01:05	
06/08/2037 23:08	
केतु	07/06/2037 18:34
शुक्र	18/06/2037 10:15
सूर्य	21/06/2037 14:57
चंद्र	26/06/2037 22:47
मंगल	30/06/2037 16:16
राहु	10/07/2037 06:23
गुरु	18/07/2037 18:55
शनि	28/07/2037 21:49
बुध	06/08/2037 23:08

राहु - सूर्य - सूर्य	
06/08/2037 23:08	
23/08/2037 09:36	
सूर्य	07/08/2037 18:52
चंद्र	09/08/2037 03:44
मंगल	10/08/2037 02:45
राहु	12/08/2037 13:55
गुरु	14/08/2037 18:31
शनि	17/08/2037 08:58
बुध	19/08/2037 16:51
केतु	20/08/2037 15:52
शुक्र	23/08/2037 09:36

राहु - सूर्य - चंद्र	
23/08/2037 09:36	
19/09/2037 19:03	
चंद्र	25/08/2037 16:24
मंगल	27/08/2037 06:45
राहु	31/08/2037 09:22
गुरु	04/09/2037 01:01
शनि	08/09/2037 09:07
बुध	12/09/2037 06:15
केतु	13/09/2037 20:36
शुक्र	18/09/2037 10:11
सूर्य	19/09/2037 19:03

राहु - सूर्य - मंगल	
19/09/2037 19:03	
08/10/2037 23:16	
मंगल	20/09/2037 21:54
राहु	23/09/2037 18:56
गुरु	26/09/2037 08:18
शनि	29/09/2037 09:10
बुध	02/10/2037 02:22
केतु	03/10/2037 05:12
शुक्र	06/10/2037 09:55
सूर्य	07/10/2037 08:55
चंद्र	08/10/2037 23:16

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा - प्राण

राहु - गुरु - गुरु - शनि	
16/10/2025 08:03	
03/11/2025 20:12	
शनि	19/10/2025 06:22
बुध	21/10/2025 21:18
केतु	22/10/2025 23:12
शुक्र	26/10/2025 01:14
सूर्य	26/10/2025 23:26
चंद्र	28/10/2025 12:27
मंगल	29/10/2025 14:21
राहु	01/11/2025 08:59
गुरु	03/11/2025 20:12

राहु - गुरु - गुरु - बुध	
03/11/2025 20:12	
20/11/2025 09:35	
बुध	06/11/2025 04:30
केतु	07/11/2025 03:40
शुक्र	09/11/2025 21:54
सूर्य	10/11/2025 17:47
चंद्र	12/11/2025 02:54
मंगल	13/11/2025 02:04
राहु	15/11/2025 13:41
गुरु	17/11/2025 18:40
शनि	20/11/2025 09:35

राहु - गुरु - गुरु - केतु	
20/11/2025 09:35	
27/11/2025 05:13	
केतु	20/11/2025 19:08
शुक्र	21/11/2025 22:24
सूर्य	22/11/2025 06:35
चंद्र	22/11/2025 20:13
मंगल	23/11/2025 05:46
राहु	24/11/2025 06:19
गुरु	25/11/2025 04:08
शनि	26/11/2025 06:02
बुध	27/11/2025 05:13

राहु - गुरु - गुरु - शुक्र	
27/11/2025 05:13	
16/12/2025 16:44	
शुक्र	30/11/2025 11:08
सूर्य	01/12/2025 10:31
चंद्र	03/12/2025 01:29
मंगल	04/12/2025 04:45
राहु	07/12/2025 02:53
गुरु	09/12/2025 17:13
शनि	12/12/2025 19:14
बुध	15/12/2025 13:28
केतु	16/12/2025 16:44

राहु - गुरु - गुरु - सूर्य	
16/12/2025 16:44	
22/12/2025 13:00	
सूर्य	16/12/2025 23:45
चंद्र	17/12/2025 11:26
मंगल	17/12/2025 19:37
राहु	18/12/2025 16:40
गुरु	19/12/2025 11:22
शनि	20/12/2025 09:34
बुध	21/12/2025 05:26
केतु	21/12/2025 13:37
शुक्र	22/12/2025 13:00

राहु - गुरु - गुरु - चंद्र	
22/12/2025 13:00	
01/01/2026 06:45	
चंद्र	23/12/2025 08:29
मंगल	23/12/2025 22:07
राहु	25/12/2025 09:11
गुरु	26/12/2025 16:21
शनि	28/12/2025 05:21
बुध	29/12/2025 14:28
केतु	30/12/2025 04:06
शुक्र	31/12/2025 19:04
सूर्य	01/01/2026 06:45

राहु - गुरु - गुरु - मंगल	
01/01/2026 06:45	
08/01/2026 02:23	
मंगल	01/01/2026 16:18
राहु	02/01/2026 16:51
गुरु	03/01/2026 14:40
शनि	04/01/2026 16:34
बुध	05/01/2026 15:45
केतु	06/01/2026 01:18
शुक्र	07/01/2026 04:34
सूर्य	07/01/2026 12:45
चंद्र	08/01/2026 02:23

राहु - गुरु - गुरु - राहु	
08/01/2026 02:23	
25/01/2026 15:09	
राहु	10/01/2026 17:30
गुरु	13/01/2026 01:36
शनि	15/01/2026 20:14
बुध	18/01/2026 07:50
केतु	19/01/2026 08:23
शुक्र	22/01/2026 06:31
सूर्य	23/01/2026 03:33
चंद्र	24/01/2026 14:37
मंगल	25/01/2026 15:09

राहु - गुरु - शनि - शनि	
25/01/2026 15:09	
16/02/2026 14:35	
शनि	29/01/2026 02:40
बुध	01/02/2026 05:23
केतु	02/02/2026 12:09
शुक्र	06/02/2026 04:03
सूर्य	07/02/2026 06:25
चंद्र	09/02/2026 02:22
मंगल	10/02/2026 09:08
राहु	13/02/2026 16:15
गुरु	16/02/2026 14:35

राहु - गुरु - शनि - बुध	
16/02/2026 14:35	
08/03/2026 06:29	
बुध	19/02/2026 09:26
केतु	20/02/2026 12:57
शुक्र	23/02/2026 19:36
सूर्य	24/02/2026 19:12
चंद्र	26/02/2026 10:32
मंगल	27/02/2026 14:03
राहु	02/03/2026 12:50
गुरु	05/03/2026 03:46
शनि	08/03/2026 06:29

राहु - गुरु - शनि - केतु	
08/03/2026 06:29	
16/03/2026 08:48	
केतु	08/03/2026 17:49
शुक्र	10/03/2026 02:12
सूर्य	10/03/2026 11:55
चंद्र	11/03/2026 04:07
मंगल	11/03/2026 15:27
राहु	12/03/2026 20:35
गुरु	13/03/2026 22:30
शनि	15/03/2026 05:16
बुध	16/03/2026 08:48

राहु - गुरु - शनि - शुक्र	
16/03/2026 08:48	
08/04/2026 11:58	
शुक्र	20/03/2026 05:19
सूर्य	21/03/2026 09:05
चंद्र	23/03/2026 07:21
मंगल	24/03/2026 15:44
राहु	28/03/2026 03:01
गुरु	31/03/2026 05:02
शनि	03/04/2026 20:56
बुध	07/04/2026 03:35
केतु	08/04/2026 11:58

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा - प्राण

राहु - गुरु - शनि - सूर्य	
08/04/2026 11:58	
15/04/2026 10:32	
सूर्य	08/04/2026 20:18
चंद्र	09/04/2026 10:11
मंगल	09/04/2026 19:54
राहु	10/04/2026 20:53
गुरु	11/04/2026 19:05
शनि	12/04/2026 21:27
बुध	13/04/2026 21:03
केतु	14/04/2026 06:46
शुक्र	15/04/2026 10:32

राहु - गुरु - शनि - चंद्र	
15/04/2026 10:32	
27/04/2026 00:07	
चंद्र	16/04/2026 09:40
मंगल	17/04/2026 01:51
राहु	18/04/2026 19:29
गुरु	20/04/2026 08:30
शनि	22/04/2026 04:27
बुध	23/04/2026 19:47
केतु	24/04/2026 11:58
शुक्र	26/04/2026 10:14
सूर्य	27/04/2026 00:07

राहु - गुरु - शनि - मंगल	
27/04/2026 00:07	
05/05/2026 02:26	
मंगल	27/04/2026 11:27
राहु	28/04/2026 16:36
गुरु	29/04/2026 18:30
शनि	01/05/2026 01:16
बुध	02/05/2026 04:48
केतु	02/05/2026 16:08
शुक्र	04/05/2026 00:31
सूर्य	04/05/2026 10:14
चंद्र	05/05/2026 02:26

राहु - गुरु - शनि - राहु	
05/05/2026 02:26	
25/05/2026 22:06	
राहु	08/05/2026 05:23
गुरु	11/05/2026 00:00
शनि	14/05/2026 07:07
बुध	17/05/2026 05:54
केतु	18/05/2026 11:03
शुक्र	21/05/2026 22:19
सूर्य	22/05/2026 23:18
चंद्र	24/05/2026 16:57
मंगल	25/05/2026 22:06

राहु - गुरु - शनि - गुरु	
25/05/2026 22:06	
13/06/2026 10:14	
गुरु	28/05/2026 09:19
शनि	31/05/2026 07:38
बुध	02/06/2026 22:33
केतु	04/06/2026 00:28
शुक्र	07/06/2026 02:29
सूर्य	08/06/2026 00:42
चंद्र	09/06/2026 13:42
मंगल	10/06/2026 15:37
राहु	13/06/2026 10:14

राहु - गुरु - बुध - बुध	
13/06/2026 10:14	
01/07/2026 00:28	
बुध	15/06/2026 22:03
केतु	16/06/2026 22:41
शुक्र	19/06/2026 21:03
सूर्य	20/06/2026 18:10
चंद्र	22/06/2026 05:21
मंगल	23/06/2026 05:59
राहु	25/06/2026 21:19
गुरु	28/06/2026 05:37
शनि	01/07/2026 00:28

राहु - गुरु - बुध - केतु	
01/07/2026 00:28	
08/07/2026 06:19	
केतु	01/07/2026 10:36
शुक्र	02/07/2026 15:35
सूर्य	03/07/2026 00:17
चंद्र	03/07/2026 14:46
मंगल	04/07/2026 00:54
राहु	05/07/2026 02:59
गुरु	06/07/2026 02:10
शनि	07/07/2026 05:42
बुध	08/07/2026 06:19

राहु - गुरु - बुध - शुक्र	
08/07/2026 06:19	
28/07/2026 23:04	
शुक्र	11/07/2026 17:07
सूर्य	12/07/2026 17:57
चंद्र	14/07/2026 11:21
मंगल	15/07/2026 16:19
राहु	18/07/2026 18:50
गुरु	21/07/2026 13:04
शनि	24/07/2026 19:43
बुध	27/07/2026 18:05
केतु	28/07/2026 23:04

राहु - गुरु - बुध - सूर्य	
28/07/2026 23:04	
04/08/2026 04:05	
सूर्य	29/07/2026 06:31
चंद्र	29/07/2026 18:56
मंगल	30/07/2026 03:38
राहु	31/07/2026 01:59
गुरु	31/07/2026 21:51
शनि	01/08/2026 21:27
बुध	02/08/2026 18:33
केतु	03/08/2026 03:15
शुक्र	04/08/2026 04:05

राहु - गुरु - बुध - चंद्र	
04/08/2026 04:05	
14/08/2026 12:27	
चंद्र	05/08/2026 00:47
मंगल	05/08/2026 15:16
राहु	07/08/2026 04:32
गुरु	08/08/2026 13:39
शनि	10/08/2026 04:58
बुध	11/08/2026 16:09
केतु	12/08/2026 06:39
शुक्र	14/08/2026 00:02
सूर्य	14/08/2026 12:27

राहु - गुरु - बुध - मंगल	
14/08/2026 12:27	
21/08/2026 18:19	
मंगल	14/08/2026 22:36
राहु	16/08/2026 00:41
गुरु	16/08/2026 23:51
शनि	18/08/2026 03:23
बुध	19/08/2026 04:01
केतु	19/08/2026 14:09
शुक्र	20/08/2026 19:08
सूर्य	21/08/2026 03:50
चंद्र	21/08/2026 18:19

राहु - गुरु - बुध - राहु	
21/08/2026 18:19	
09/09/2026 09:23	
राहु	24/08/2026 13:22
गुरु	27/08/2026 00:59
शनि	29/08/2026 23:46
बुध	01/09/2026 15:06
केतु	02/09/2026 17:11
शुक्र	05/09/2026 19:42
सूर्य	06/09/2026 18:03
चंद्र	08/09/2026 07:18
मंगल	09/09/2026 09:23

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 11 वर्ष 4 मास 0 दिन

गुरु 13 वर्ष		शनि 14 वर्ष		केतु 15 वर्ष		चंद्र 16 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
11/08/1982		11/12/1993		12/12/2007		11/12/2022		11/12/2038	
11/12/1993		12/12/2007		11/12/2022		11/12/2038		12/12/2055	
	11/08/1982	शनि	20/08/1995	केतु	19/11/2009	चंद्र	25/02/2025	बुध	08/06/2041
शनि	21/12/1983	केतु	12/06/1997	चंद्र	15/12/2011	बुध	01/07/2027	शुक्र	28/01/2044
केतु	26/08/1985	चंद्र	18/05/1999	बुध	25/02/2014	शुक्र	24/12/2029	सूर्य	08/09/2045
चंद्र	12/06/1987	बुध	05/06/2001	शुक्र	24/06/2016	सूर्य	01/07/2031	मंगल	12/06/2047
बुध	08/05/1989	शुक्र	08/08/2003	सूर्य	25/11/2017	मंगल	25/02/2033	गुरु	08/05/2049
शुक्र	15/05/1991	सूर्य	05/12/2004	मंगल	15/06/2019	गुरु	11/12/2034	शनि	27/05/2051
सूर्य	07/08/1992	मंगल	18/05/2006	गुरु	18/02/2021	शनि	16/11/2036	केतु	07/08/2053
मंगल	11/12/1993	गुरु	12/12/2007	शनि	11/12/2022	केतु	11/12/2038	चंद्र	12/12/2055

शुक्र 18 वर्ष		सूर्य 11 वर्ष		मंगल 12 वर्ष		गुरु 13 वर्ष	
12/12/2055		11/12/2073		11/12/2084		11/12/2096	
11/12/2073		11/12/2084		11/12/2096		00/00/0000	
शुक्र	27/09/2058	सूर्य	27/12/2074	मंगल	09/03/2086	गुरु	27/05/2098
सूर्य	11/06/2060	मंगल	16/02/2076	गुरु	14/07/2087	शनि	11/08/2098
मंगल	22/04/2062	गुरु	11/05/2077	शनि	24/12/2088		00/00/0000
गुरु	28/04/2064	शनि	08/09/2078	केतु	13/07/2090		00/00/0000
शनि	01/07/2066	केतु	10/02/2080	चंद्र	09/03/2092		00/00/0000
केतु	28/10/2068	चंद्र	17/08/2081	बुध	11/12/2093		00/00/0000
चंद्र	23/04/2071	बुध	29/03/2083	शुक्र	22/10/2095		00/00/0000
बुध	11/12/2073	शुक्र	11/12/2084	सूर्य	11/12/2096		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
षोडशोत्तरी दशा पूरे 116 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - शनि		गुरु - केतु		गुरु - चंद्र		गुरु - बुध		गुरु - शुक्र	
11/08/1982		21/12/1983		26/08/1985		12/06/1987		08/05/1989	
21/12/1983		26/08/1985		12/06/1987		08/05/1989		15/05/1991	
	11/08/1982	केतु	10/03/1984	चंद्र	24/11/1985	बुध	22/09/1987	शुक्र	30/08/1989
केतु	17/10/1982	चंद्र	02/06/1984	बुध	28/02/1986	शुक्र	08/01/1988	सूर्य	08/11/1989
चंद्र	04/01/1983	बुध	31/08/1984	शुक्र	10/06/1986	सूर्य	14/03/1988	मंगल	23/01/1990
बुध	29/03/1983	शुक्र	04/12/1984	सूर्य	11/08/1986	मंगल	25/05/1988	गुरु	16/04/1990
शुक्र	26/06/1983	सूर्य	01/02/1985	मंगल	18/10/1986	गुरु	11/08/1988	शनि	14/07/1990
सूर्य	20/08/1983	मंगल	05/04/1985	गुरु	30/12/1986	शनि	03/11/1988	केतु	17/10/1990
मंगल	18/10/1983	गुरु	13/06/1985	शनि	19/03/1987	केतु	01/02/1989	चंद्र	27/01/1991
गुरु	21/12/1983	शनि	26/08/1985	केतु	12/06/1987	चंद्र	08/05/1989	बुध	15/05/1991

गुरु - सूर्य		गुरु - मंगल		शनि - शनि		शनि - केतु		शनि - चंद्र	
15/05/1991		07/08/1992		11/12/1993		20/08/1995		12/06/1997	
07/08/1992		11/12/1993		20/08/1995		12/06/1997		18/05/1999	
सूर्य	26/06/1991	मंगल	27/09/1992	शनि	24/02/1994	केतु	14/11/1995	चंद्र	17/09/1997
मंगल	12/08/1991	गुरु	21/11/1992	केतु	14/05/1994	चंद्र	13/02/1996	बुध	29/12/1997
गुरु	01/10/1991	शनि	19/01/1993	चंद्र	08/08/1994	बुध	20/05/1996	शुक्र	18/04/1998
शनि	25/11/1991	केतु	24/03/1993	बुध	06/11/1994	शुक्र	31/08/1996	सूर्य	24/06/1998
केतु	22/01/1992	चंद्र	30/05/1993	शुक्र	10/02/1995	सूर्य	01/11/1996	मंगल	05/09/1998
चंद्र	24/03/1992	बुध	10/08/1993	सूर्य	09/04/1995	मंगल	09/01/1997	गुरु	23/11/1998
बुध	29/05/1992	शुक्र	26/10/1993	मंगल	12/06/1995	गुरु	24/03/1997	शनि	16/02/1999
शुक्र	07/08/1992	सूर्य	11/12/1993	गुरु	20/08/1995	शनि	12/06/1997	केतु	18/05/1999

शनि - बुध		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - मंगल		शनि - गुरु	
18/05/1999		05/06/2001		08/08/2003		05/12/2004		18/05/2006	
05/06/2001		08/08/2003		05/12/2004		18/05/2006		12/12/2007	
बुध	05/09/1999	शुक्र	06/10/2001	सूर्य	23/09/2003	मंगल	28/01/2005	गुरु	21/07/2006
शुक्र	30/12/1999	सूर्य	21/12/2001	मंगल	12/11/2003	गुरु	29/03/2005	शनि	28/09/2006
सूर्य	10/03/2000	मंगल	13/03/2002	गुरु	05/01/2004	शनि	01/06/2005	केतु	11/12/2006
मंगल	27/05/2000	गुरु	10/06/2002	शनि	04/03/2004	केतु	08/08/2005	चंद्र	28/02/2007
गुरु	19/08/2000	शनि	13/09/2002	केतु	05/05/2004	चंद्र	20/10/2005	बुध	23/05/2007
शनि	17/11/2000	केतु	25/12/2002	चंद्र	11/07/2004	बुध	05/01/2006	शुक्र	20/08/2007
केतु	22/02/2001	चंद्र	13/04/2003	बुध	20/09/2004	शुक्र	28/03/2006	सूर्य	13/10/2007
चंद्र	05/06/2001	बुध	08/08/2003	शुक्र	05/12/2004	सूर्य	18/05/2006	मंगल	12/12/2007

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - केतु		केतु - चंद्र		केतु - बुध		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
12/12/2007		19/11/2009		15/12/2011		25/02/2014		24/06/2016	
19/11/2009		15/12/2011		25/02/2014		24/06/2016		25/11/2017	
केतु	12/03/2008	चंद्र	03/03/2010	बुध	11/04/2012	शुक्र	07/07/2014	सूर्य	12/08/2016
चंद्र	18/06/2008	बुध	22/06/2010	शुक्र	13/08/2012	सूर्य	25/09/2014	मंगल	05/10/2016
बुध	30/09/2008	शुक्र	17/10/2010	सूर्य	28/10/2012	मंगल	22/12/2014	गुरु	02/12/2016
शुक्र	18/01/2009	सूर्य	28/12/2010	मंगल	19/01/2013	गुरु	28/03/2015	शनि	03/02/2017
सूर्य	26/03/2009	मंगल	16/03/2011	गुरु	19/04/2013	शनि	08/07/2015	केतु	11/04/2017
मंगल	07/06/2009	गुरु	09/06/2011	शनि	25/07/2013	केतु	26/10/2015	चंद्र	22/06/2017
गुरु	26/08/2009	शनि	08/09/2011	केतु	06/11/2013	चंद्र	20/02/2016	बुध	06/09/2017
शनि	19/11/2009	केतु	15/12/2011	चंद्र	25/02/2014	बुध	24/06/2016	शुक्र	25/11/2017

केतु - मंगल		केतु - गुरु		केतु - शनि		चंद्र - चंद्र		चंद्र - बुध	
25/11/2017		15/06/2019		18/02/2021		11/12/2022		25/02/2025	
15/06/2019		18/02/2021		11/12/2022		25/02/2025		01/07/2027	
मंगल	23/01/2018	गुरु	23/08/2019	शनि	09/05/2021	चंद्र	02/04/2023	बुध	30/06/2025
गुरु	28/03/2018	शनि	05/11/2019	केतु	03/08/2021	बुध	29/07/2023	शुक्र	10/11/2025
शनि	04/06/2018	केतु	24/01/2020	चंद्र	02/11/2021	शुक्र	01/12/2023	सूर्य	30/01/2026
केतु	16/08/2018	चंद्र	17/04/2020	बुध	07/02/2022	सूर्य	15/02/2024	मंगल	29/04/2026
चंद्र	02/11/2018	बुध	16/07/2020	शुक्र	20/05/2022	मंगल	09/05/2024	गुरु	03/08/2026
बुध	25/01/2019	शुक्र	19/10/2020	सूर्य	22/07/2022	गुरु	07/08/2024	शनि	14/11/2026
शुक्र	22/04/2019	सूर्य	17/12/2020	मंगल	28/09/2022	शनि	12/11/2024	केतु	05/03/2027
सूर्य	15/06/2019	मंगल	18/02/2021	गुरु	11/12/2022	केतु	25/02/2025	चंद्र	01/07/2027

चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		चंद्र - मंगल		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि	
01/07/2027		24/12/2029		01/07/2031		25/02/2033		11/12/2034	
24/12/2029		01/07/2031		25/02/2033		11/12/2034		16/11/2036	
शुक्र	19/11/2027	सूर्य	14/02/2030	मंगल	02/09/2031	गुरु	09/05/2033	शनि	07/03/2035
सूर्य	13/02/2028	मंगल	13/04/2030	गुरु	08/11/2031	शनि	27/07/2033	केतु	06/06/2035
मंगल	16/05/2028	गुरु	14/06/2030	शनि	20/01/2032	केतु	20/10/2033	चंद्र	11/09/2035
गुरु	26/08/2028	शनि	20/08/2030	केतु	07/04/2032	चंद्र	18/01/2034	बुध	23/12/2035
शनि	14/12/2028	केतु	30/10/2030	चंद्र	30/06/2032	बुध	24/04/2034	शुक्र	11/04/2036
केतु	10/04/2029	चंद्र	15/01/2031	बुध	26/09/2032	शुक्र	04/08/2034	सूर्य	17/06/2036
चंद्र	13/08/2029	बुध	06/04/2031	शुक्र	29/12/2032	सूर्य	05/10/2034	मंगल	29/08/2036
बुध	24/12/2029	शुक्र	01/07/2031	सूर्य	25/02/2033	मंगल	11/12/2034	गुरु	16/11/2036

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - केतु		बुध - बुध		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - मंगल	
16/11/2036		11/12/2038		08/06/2041		28/01/2044		08/09/2045	
11/12/2038		08/06/2041		28/01/2044		08/09/2045		12/06/2047	
केतु	21/02/2037	बुध	24/04/2039	शुक्र	05/11/2041	सूर्य	24/03/2044	मंगल	13/11/2045
चंद्र	06/06/2037	शुक्र	12/09/2039	सूर्य	04/02/2042	मंगल	24/05/2044	गुरु	24/01/2046
बुध	24/09/2037	सूर्य	07/12/2039	मंगल	15/05/2042	गुरु	29/07/2044	शनि	12/04/2046
शुक्र	20/01/2038	मंगल	10/03/2040	गुरु	31/08/2042	शनि	08/10/2044	केतु	04/07/2046
सूर्य	01/04/2038	गुरु	20/06/2040	शनि	25/12/2042	केतु	23/12/2044	चंद्र	30/09/2046
मंगल	19/06/2038	शनि	08/10/2040	केतु	29/04/2043	चंद्र	14/03/2045	बुध	02/01/2047
गुरु	11/09/2038	केतु	03/02/2041	चंद्र	09/09/2043	बुध	08/06/2045	शुक्र	12/04/2047
शनि	11/12/2038	चंद्र	08/06/2041	बुध	28/01/2044	शुक्र	08/09/2045	सूर्य	12/06/2047

बुध - गुरु		बुध - शनि		बुध - केतु		बुध - चंद्र		शुक्र - शुक्र	
12/06/2047		08/05/2049		27/05/2051		07/08/2053		12/12/2055	
08/05/2049		27/05/2051		07/08/2053		12/12/2055		27/09/2058	
गुरु	29/08/2047	शनि	06/08/2049	केतु	08/09/2051	चंद्र	03/12/2053	शुक्र	18/05/2056
शनि	21/11/2047	केतु	11/11/2049	चंद्र	28/12/2051	बुध	08/04/2054	सूर्य	23/08/2056
केतु	19/02/2048	चंद्र	23/02/2050	बुध	24/04/2052	शुक्र	19/08/2054	मंगल	06/12/2056
चंद्र	25/05/2048	बुध	12/06/2050	शुक्र	26/08/2052	सूर्य	08/11/2054	गुरु	31/03/2057
बुध	04/09/2048	शुक्र	07/10/2050	सूर्य	10/11/2052	मंगल	05/02/2055	शनि	01/08/2057
शुक्र	21/12/2048	सूर्य	17/12/2050	मंगल	01/02/2053	गुरु	12/05/2055	केतु	11/12/2057
सूर्य	25/02/2049	मंगल	04/03/2051	गुरु	02/05/2053	शनि	23/08/2055	चंद्र	30/04/2058
मंगल	08/05/2049	गुरु	27/05/2051	शनि	07/08/2053	केतु	12/12/2055	बुध	27/09/2058

शुक्र - सूर्य		शुक्र - मंगल		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - केतु	
27/09/2058		11/06/2060		22/04/2062		28/04/2064		01/07/2066	
11/06/2060		22/04/2062		28/04/2064		01/07/2066		28/10/2068	
सूर्य	25/11/2058	मंगल	21/08/2060	गुरु	14/07/2062	शनि	02/08/2064	केतु	19/10/2066
मंगल	29/01/2059	गुरु	05/11/2060	शनि	11/10/2062	केतु	13/11/2064	चंद्र	13/02/2067
गुरु	08/04/2059	शनि	26/01/2061	केतु	14/01/2063	चंद्र	02/03/2065	बुध	18/06/2067
शनि	23/06/2059	केतु	24/04/2061	चंद्र	26/04/2063	बुध	26/06/2065	शुक्र	27/10/2067
केतु	11/09/2059	चंद्र	27/07/2061	बुध	12/08/2063	शुक्र	27/10/2065	सूर्य	16/01/2068
चंद्र	06/12/2059	बुध	03/11/2061	शुक्र	04/12/2063	सूर्य	11/01/2066	मंगल	13/04/2068
बुध	07/03/2060	शुक्र	17/02/2062	सूर्य	12/02/2064	मंगल	03/04/2066	गुरु	17/07/2068
शुक्र	11/06/2060	सूर्य	22/04/2062	मंगल	28/04/2064	गुरु	01/07/2066	शनि	28/10/2068

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - चंद्र		शुक्र - बुध		सूर्य - सूर्य		सूर्य - मंगल		सूर्य - गुरु	
28/10/2068		23/04/2071		11/12/2073		27/12/2074		16/02/2076	
23/04/2071		11/12/2073		27/12/2074		16/02/2076		11/05/2077	
चंद्र	02/03/2069	बुध	11/09/2071	सूर्य	16/01/2074	मंगल	08/02/2075	गुरु	06/04/2076
बुध	13/07/2069	शुक्र	07/02/2072	मंगल	25/02/2074	गुरु	27/03/2075	शनि	31/05/2076
शुक्र	01/12/2069	सूर्य	09/05/2072	गुरु	08/04/2074	शनि	16/05/2075	केतु	28/07/2076
सूर्य	25/02/2070	मंगल	16/08/2072	शनि	24/05/2074	केतु	09/07/2075	चंद्र	28/09/2076
मंगल	29/05/2070	गुरु	02/12/2072	केतु	13/07/2074	चंद्र	04/09/2075	बुध	03/12/2076
गुरु	08/09/2070	शनि	29/03/2073	चंद्र	03/09/2074	बुध	04/11/2075	शुक्र	11/02/2077
शनि	26/12/2070	केतु	31/07/2073	बुध	29/10/2074	शुक्र	07/01/2076	सूर्य	26/03/2077
केतु	23/04/2071	चंद्र	11/12/2073	शुक्र	27/12/2074	सूर्य	16/02/2076	मंगल	11/05/2077

सूर्य - शनि		सूर्य - केतु		सूर्य - चंद्र		सूर्य - बुध		सूर्य - शुक्र	
11/05/2077		08/09/2078		10/02/2080		17/08/2081		29/03/2083	
08/09/2078		10/02/2080		17/08/2081		29/03/2083		11/12/2084	
शनि	09/07/2077	केतु	14/11/2078	चंद्र	26/04/2080	बुध	11/11/2081	शुक्र	03/07/2083
केतु	09/09/2077	चंद्र	25/01/2079	बुध	16/07/2080	शुक्र	10/02/2082	सूर्य	31/08/2083
चंद्र	15/11/2077	बुध	11/04/2079	शुक्र	10/10/2080	सूर्य	07/04/2082	मंगल	04/11/2083
बुध	25/01/2078	शुक्र	01/07/2079	सूर्य	02/12/2080	मंगल	07/06/2082	गुरु	13/01/2084
शुक्र	11/04/2078	सूर्य	19/08/2079	मंगल	28/01/2081	गुरु	12/08/2082	शनि	28/03/2084
सूर्य	26/05/2078	मंगल	12/10/2079	गुरु	31/03/2081	शनि	22/10/2082	केतु	17/06/2084
मंगल	16/07/2078	गुरु	09/12/2079	शनि	06/06/2081	केतु	06/01/2083	चंद्र	11/09/2084
गुरु	08/09/2078	शनि	10/02/2080	केतु	17/08/2081	चंद्र	29/03/2083	बुध	11/12/2084

मंगल - मंगल		मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - केतु		मंगल - चंद्र	
11/12/2084		09/03/2086		14/07/2087		24/12/2088		13/07/2090	
09/03/2086		14/07/2087		24/12/2088		13/07/2090		09/03/2092	
मंगल	27/01/2085	गुरु	03/05/2086	शनि	15/09/2087	केतु	07/03/2089	चंद्र	05/10/2090
गुरु	19/03/2085	शनि	02/07/2086	केतु	23/11/2087	चंद्र	24/05/2089	बुध	01/01/2091
शनि	12/05/2085	केतु	03/09/2086	चंद्र	04/02/2088	बुध	15/08/2089	शुक्र	05/04/2091
केतु	10/07/2085	चंद्र	10/11/2086	बुध	21/04/2088	शुक्र	11/11/2089	सूर्य	01/06/2091
चंद्र	11/09/2085	बुध	21/01/2087	शुक्र	12/07/2088	सूर्य	04/01/2090	मंगल	03/08/2091
बुध	16/11/2085	शुक्र	07/04/2087	सूर्य	01/09/2088	मंगल	03/03/2090	गुरु	10/10/2091
शुक्र	25/01/2086	सूर्य	24/05/2087	मंगल	25/10/2088	गुरु	06/05/2090	शनि	22/12/2091
सूर्य	09/03/2086	मंगल	14/07/2087	गुरु	24/12/2088	शनि	13/07/2090	केतु	09/03/2092

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 7 मास 15 दिन

शुक्र 13 वर्ष		सूर्य 4 वर्ष		चंद्र 7 वर्ष		मंगल 5 वर्ष		राहु 12 वर्ष	
11/08/1982		27/03/1994		27/03/1998		25/11/2004		27/07/2009	
27/03/1994		27/03/1998		25/11/2004		27/07/2009		27/07/2021	
शुक्र	15/02/1983	सूर्य	08/06/1994	चंद्र	16/10/1998	मंगल	05/03/2005	राहु	15/05/2011
सूर्य	17/10/1983	चंद्र	08/10/1994	मंगल	07/03/1999	राहु	15/11/2005	गुरु	20/12/2012
चंद्र	25/11/1984	मंगल	01/01/1995	राहु	07/03/2000	गुरु	01/07/2006	शनि	14/11/2014
मंगल	05/09/1985	राहु	09/08/1995	गुरु	25/01/2001	शनि	28/03/2007	बुध	27/07/2016
राहु	06/09/1987	गुरु	19/02/1996	शनि	15/02/2002	बुध	24/11/2007	केतु	08/04/2017
गुरु	16/06/1989	शनि	08/10/1996	बुध	26/01/2003	केतु	03/03/2008	शुक्र	09/04/2019
शनि	27/07/1991	बुध	03/05/1997	केतु	17/06/2003	शुक्र	12/12/2008	सूर्य	14/11/2019
बुध	16/06/1993	केतु	27/07/1997	शुक्र	27/07/2004	सूर्य	07/03/2009	चंद्र	13/11/2020
केतु	27/03/1994	शुक्र	27/03/1998	सूर्य	25/11/2004	चंद्र	27/07/2009	मंगल	27/07/2021

गुरु 11 वर्ष		शनि 13 वर्ष		बुध 11 वर्ष		केतु 5 वर्ष		शुक्र 13 वर्ष	
27/07/2021		27/03/2032		25/11/2044		27/03/2056		25/11/2060	
27/03/2032		25/11/2044		27/03/2056		25/11/2060		00/00/0000	
गुरु	28/12/2022	शनि	29/03/2034	बुध	05/07/2046	केतु	04/07/2056	शुक्र	11/08/2062
शनि	05/09/2024	बुध	14/01/2036	केतु	03/03/2047	शुक्र	14/04/2057		00/00/0000
बुध	11/03/2026	केतु	10/10/2036	शुक्र	21/01/2049	सूर्य	09/07/2057		00/00/0000
केतु	24/10/2026	शुक्र	20/11/2038	सूर्य	16/08/2049	चंद्र	28/11/2057		00/00/0000
शुक्र	04/08/2028	सूर्य	09/07/2039	चंद्र	27/07/2050	मंगल	07/03/2058		00/00/0000
सूर्य	15/02/2029	चंद्र	29/07/2040	मंगल	26/03/2051	राहु	18/11/2058		00/00/0000
चंद्र	05/01/2030	मंगल	25/04/2041	राहु	06/12/2052	गुरु	03/07/2059		00/00/0000
मंगल	20/08/2030	राहु	19/03/2043	गुरु	10/06/2054	शनि	29/03/2060		00/00/0000
राहु	27/03/2032	गुरु	25/11/2044	शनि	27/03/2056	बुध	25/11/2060		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
त्रिभगी दशा पूरे 80 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - राहु	
11/08/1982		15/02/1983		17/10/1983		25/11/1984		05/09/1985	
15/02/1983		17/10/1983		25/11/1984		05/09/1985		06/09/1987	
	00/00/0000	सूर्य	27/02/1983	चंद्र	19/11/1983	मंगल	12/12/1984	राहु	24/12/1985
	00/00/0000	चंद्र	19/03/1983	मंगल	13/12/1983	राहु	24/01/1985	गुरु	31/03/1986
	00/00/0000	मंगल	03/04/1983	राहु	12/02/1984	गुरु	02/03/1985	शनि	25/07/1986
	00/00/0000	राहु	09/05/1983	गुरु	06/04/1984	शनि	16/04/1985	बुध	06/11/1986
	00/00/0000	गुरु	11/06/1983	शनि	09/06/1984	बुध	27/05/1985	केतु	18/12/1986
	11/08/1982	शनि	19/07/1983	बुध	06/08/1984	केतु	12/06/1985	शुक्र	19/04/1987
शनि	06/09/1982	बुध	23/08/1983	केतु	29/08/1984	शुक्र	30/07/1985	सूर्य	25/05/1987
बुध	30/12/1982	केतु	06/09/1983	शुक्र	05/11/1984	सूर्य	13/08/1985	चंद्र	25/07/1987
केतु	15/02/1983	शुक्र	17/10/1983	सूर्य	25/11/1984	चंद्र	05/09/1985	मंगल	06/09/1987

शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु		सूर्य - सूर्य	
06/09/1987		16/06/1989		27/07/1991		16/06/1993		27/03/1994	
16/06/1989		27/07/1991		16/06/1993		27/03/1994		08/06/1994	
गुरु	02/12/1987	शनि	16/10/1989	बुध	02/11/1991	केतु	03/07/1993	सूर्य	31/03/1994
शनि	13/03/1988	बुध	03/02/1990	केतु	12/12/1991	शुक्र	19/08/1993	चंद्र	06/04/1994
बुध	13/06/1988	केतु	20/03/1990	शुक्र	05/04/1992	सूर्य	02/09/1993	मंगल	10/04/1994
केतु	21/07/1988	शुक्र	26/07/1990	सूर्य	10/05/1992	चंद्र	26/09/1993	राहु	21/04/1994
शुक्र	06/11/1988	सूर्य	03/09/1990	चंद्र	06/07/1992	मंगल	13/10/1993	गुरु	01/05/1994
सूर्य	09/12/1988	चंद्र	06/11/1990	मंगल	16/08/1992	राहु	24/11/1993	शनि	13/05/1994
चंद्र	01/02/1989	मंगल	21/12/1990	राहु	27/11/1992	गुरु	01/01/1994	बुध	23/05/1994
मंगल	11/03/1989	राहु	16/04/1991	गुरु	27/02/1993	शनि	15/02/1994	केतु	27/05/1994
राहु	16/06/1989	गुरु	27/07/1991	शनि	16/06/1993	बुध	27/03/1994	शुक्र	08/06/1994

सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि	
08/06/1994		08/10/1994		01/01/1995		09/08/1995		19/02/1996	
08/10/1994		01/01/1995		09/08/1995		19/02/1996		08/10/1996	
चंद्र	19/06/1994	मंगल	13/10/1994	राहु	03/02/1995	गुरु	04/09/1995	शनि	27/03/1996
मंगल	26/06/1994	राहु	26/10/1994	गुरु	04/03/1995	शनि	04/10/1995	बुध	29/04/1996
राहु	14/07/1994	गुरु	06/11/1994	शनि	08/04/1995	बुध	01/11/1995	केतु	12/05/1996
गुरु	30/07/1994	शनि	20/11/1994	बुध	09/05/1995	केतु	12/11/1995	शुक्र	20/06/1996
शनि	18/08/1994	बुध	02/12/1994	केतु	22/05/1995	शुक्र	15/12/1995	सूर्य	01/07/1996
बुध	05/09/1994	केतु	07/12/1994	शुक्र	28/06/1995	सूर्य	25/12/1995	चंद्र	21/07/1996
केतु	12/09/1994	शुक्र	21/12/1994	सूर्य	08/07/1995	चंद्र	10/01/1996	मंगल	03/08/1996
शुक्र	02/10/1994	सूर्य	25/12/1994	चंद्र	27/07/1995	मंगल	21/01/1996	राहु	07/09/1996
सूर्य	08/10/1994	चंद्र	01/01/1995	मंगल	09/08/1995	राहु	19/02/1996	गुरु	08/10/1996

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल	
08/10/1996		03/05/1997		27/07/1997		27/03/1998		16/10/1998	
03/05/1997		27/07/1997		27/03/1998		16/10/1998		07/03/1999	
बुध	06/11/1996	केतु	08/05/1997	शुक्र	05/09/1997	चंद्र	13/04/1998	मंगल	25/10/1998
केतु	18/11/1996	शुक्र	22/05/1997	सूर्य	18/09/1997	मंगल	25/04/1998	राहु	15/11/1998
शुक्र	23/12/1996	सूर्य	26/05/1997	चंद्र	08/10/1997	राहु	26/05/1998	गुरु	04/12/1998
सूर्य	02/01/1997	चंद्र	02/06/1997	मंगल	22/10/1997	गुरु	22/06/1998	शनि	26/12/1998
चंद्र	19/01/1997	मंगल	07/06/1997	राहु	28/11/1997	शनि	24/07/1998	बुध	15/01/1999
मंगल	31/01/1997	राहु	20/06/1997	गुरु	30/12/1997	बुध	21/08/1998	केतु	24/01/1999
राहु	03/03/1997	गुरु	01/07/1997	शनि	07/02/1998	केतु	02/09/1998	शुक्र	16/02/1999
गुरु	31/03/1997	शनि	15/07/1997	बुध	13/03/1998	शुक्र	06/10/1998	सूर्य	23/02/1999
शनि	03/05/1997	बुध	27/07/1997	केतु	27/03/1998	सूर्य	16/10/1998	चंद्र	07/03/1999

चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध		चंद्र - केतु	
07/03/1999		07/03/2000		25/01/2001		15/02/2002		26/01/2003	
07/03/2000		25/01/2001		15/02/2002		26/01/2003		17/06/2003	
राहु	01/05/1999	गुरु	19/04/2000	शनि	27/03/2001	बुध	05/04/2002	केतु	03/02/2003
गुरु	19/06/1999	शनि	09/06/2000	बुध	21/05/2001	केतु	25/04/2002	शुक्र	27/02/2003
शनि	16/08/1999	बुध	25/07/2000	केतु	12/06/2001	शुक्र	21/06/2002	सूर्य	06/03/2003
बुध	06/10/1999	केतु	13/08/2000	शुक्र	16/08/2001	सूर्य	09/07/2002	चंद्र	18/03/2003
केतु	28/10/1999	शुक्र	06/10/2000	सूर्य	04/09/2001	चंद्र	06/08/2002	मंगल	26/03/2003
शुक्र	28/12/1999	सूर्य	23/10/2000	चंद्र	06/10/2001	मंगल	26/08/2002	राहु	16/04/2003
सूर्य	15/01/2000	चंद्र	19/11/2000	मंगल	29/10/2001	राहु	17/10/2002	गुरु	05/05/2003
चंद्र	14/02/2000	मंगल	08/12/2000	राहु	25/12/2001	गुरु	02/12/2002	शनि	28/05/2003
मंगल	07/03/2000	राहु	25/01/2001	गुरु	15/02/2002	शनि	26/01/2003	बुध	17/06/2003

चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु		मंगल - गुरु	
17/06/2003		27/07/2004		25/11/2004		05/03/2005		15/11/2005	
27/07/2004		25/11/2004		05/03/2005		15/11/2005		01/07/2006	
शुक्र	23/08/2003	सूर्य	02/08/2004	मंगल	01/12/2004	राहु	12/04/2005	गुरु	16/12/2005
सूर्य	13/09/2003	चंद्र	12/08/2004	राहु	16/12/2004	गुरु	16/05/2005	शनि	21/01/2006
चंद्र	17/10/2003	मंगल	19/08/2004	गुरु	29/12/2004	शनि	26/06/2005	बुध	22/02/2006
मंगल	09/11/2003	राहु	06/09/2004	शनि	14/01/2005	बुध	01/08/2005	केतु	07/03/2006
राहु	09/01/2004	गुरु	22/09/2004	बुध	28/01/2005	केतु	16/08/2005	शुक्र	14/04/2006
गुरु	03/03/2004	शनि	12/10/2004	केतु	03/02/2005	शुक्र	27/09/2005	सूर्य	25/04/2006
शनि	06/05/2004	बुध	29/10/2004	शुक्र	20/02/2005	सूर्य	10/10/2005	चंद्र	14/05/2006
बुध	03/07/2004	केतु	05/11/2004	सूर्य	24/02/2005	चंद्र	01/11/2005	मंगल	28/05/2006
केतु	27/07/2004	शुक्र	25/11/2004	चंद्र	05/03/2005	मंगल	15/11/2005	राहु	01/07/2006

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य	
01/07/2006		28/03/2007		24/11/2007		03/03/2008		12/12/2008	
28/03/2007		24/11/2007		03/03/2008		12/12/2008		07/03/2009	
शनि	12/08/2006	बुध	01/05/2007	केतु	30/11/2007	शुक्र	19/04/2008	सूर्य	16/12/2008
बुध	20/09/2006	केतु	15/05/2007	शुक्र	16/12/2007	सूर्य	03/05/2008	चंद्र	23/12/2008
केतु	05/10/2006	शुक्र	24/06/2007	सूर्य	21/12/2007	चंद्र	27/05/2008	मंगल	28/12/2008
शुक्र	19/11/2006	सूर्य	06/07/2007	चंद्र	30/12/2007	मंगल	12/06/2008	राहु	10/01/2009
सूर्य	03/12/2006	चंद्र	26/07/2007	मंगल	05/01/2008	राहु	25/07/2008	गुरु	21/01/2009
चंद्र	25/12/2006	मंगल	09/08/2007	राहु	19/01/2008	गुरु	01/09/2008	शनि	04/02/2009
मंगल	10/01/2007	राहु	15/09/2007	गुरु	02/02/2008	शनि	16/10/2008	बुध	16/02/2009
राहु	20/02/2007	गुरु	17/10/2007	शनि	17/02/2008	बुध	25/11/2008	केतु	21/02/2009
गुरु	28/03/2007	शनि	24/11/2007	बुध	03/03/2008	केतु	12/12/2008	शुक्र	07/03/2009

मंगल - चंद्र		राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि		राहु - बुध	
07/03/2009		27/07/2009		15/05/2011		20/12/2012		14/11/2014	
27/07/2009		15/05/2011		20/12/2012		14/11/2014		27/07/2016	
चंद्र	19/03/2009	राहु	02/11/2009	गुरु	01/08/2011	शनि	09/04/2013	बुध	10/02/2015
मंगल	27/03/2009	गुरु	29/01/2010	शनि	02/11/2011	बुध	16/07/2013	केतु	18/03/2015
राहु	17/04/2009	शनि	13/05/2010	बुध	24/01/2012	केतु	25/08/2013	शुक्र	29/06/2015
गुरु	06/05/2009	बुध	14/08/2010	केतु	27/02/2012	शुक्र	19/12/2013	सूर्य	30/07/2015
शनि	29/05/2009	केतु	22/09/2010	शुक्र	03/06/2012	सूर्य	23/01/2014	चंद्र	20/09/2015
बुध	18/06/2009	शुक्र	09/01/2011	सूर्य	02/07/2012	चंद्र	22/03/2014	मंगल	26/10/2015
केतु	26/06/2009	सूर्य	11/02/2011	चंद्र	20/08/2012	मंगल	01/05/2014	राहु	28/01/2016
शुक्र	20/07/2009	चंद्र	07/04/2011	मंगल	23/09/2012	राहु	13/08/2014	गुरु	19/04/2016
सूर्य	27/07/2009	मंगल	15/05/2011	राहु	20/12/2012	गुरु	14/11/2014	शनि	27/07/2016

राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
27/07/2016		08/04/2017		09/04/2019		14/11/2019		13/11/2020	
08/04/2017		09/04/2019		14/11/2019		13/11/2020		27/07/2021	
केतु	11/08/2016	शुक्र	08/08/2017	सूर्य	20/04/2019	चंद्र	14/12/2019	मंगल	28/11/2020
शुक्र	22/09/2016	सूर्य	14/09/2017	चंद्र	08/05/2019	मंगल	05/01/2020	राहु	05/01/2021
सूर्य	05/10/2016	चंद्र	13/11/2017	मंगल	21/05/2019	राहु	28/02/2020	गुरु	09/02/2021
चंद्र	26/10/2016	मंगल	26/12/2017	राहु	23/06/2019	गुरु	17/04/2020	शनि	21/03/2021
मंगल	10/11/2016	राहु	15/04/2018	गुरु	22/07/2019	शनि	14/06/2020	बुध	26/04/2021
राहु	18/12/2016	गुरु	21/07/2018	शनि	26/08/2019	बुध	05/08/2020	केतु	11/05/2021
गुरु	22/01/2017	शनि	14/11/2018	बुध	26/09/2019	केतु	26/08/2020	शुक्र	23/06/2021
शनि	03/03/2017	बुध	25/02/2019	केतु	08/10/2019	शुक्र	26/10/2020	सूर्य	06/07/2021
बुध	08/04/2017	केतु	09/04/2019	शुक्र	14/11/2019	सूर्य	13/11/2020	चंद्र	27/07/2021

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र	
27/07/2021		28/12/2022		05/09/2024		11/03/2026		24/10/2026	
28/12/2022		05/09/2024		11/03/2026		24/10/2026		04/08/2028	
गुरु	04/10/2021	शनि	05/04/2023	बुध	22/11/2024	केतु	24/03/2026	शुक्र	10/02/2027
शनि	25/12/2021	बुध	01/07/2023	केतु	25/12/2024	शुक्र	01/05/2026	सूर्य	14/03/2027
बुध	09/03/2022	केतु	06/08/2023	शुक्र	27/03/2025	सूर्य	13/05/2026	चंद्र	07/05/2027
केतु	08/04/2022	शुक्र	17/11/2023	सूर्य	23/04/2025	चंद्र	01/06/2026	मंगल	14/06/2027
शुक्र	04/07/2022	सूर्य	18/12/2023	चंद्र	08/06/2025	मंगल	14/06/2026	राहु	19/09/2027
सूर्य	30/07/2022	चंद्र	07/02/2024	मंगल	10/07/2025	राहु	18/07/2026	गुरु	15/12/2027
चंद्र	11/09/2022	मंगल	14/03/2024	राहु	01/10/2025	गुरु	17/08/2026	शनि	27/03/2028
मंगल	11/10/2022	राहु	15/06/2024	गुरु	14/12/2025	शनि	22/09/2026	बुध	27/06/2028
राहु	28/12/2022	गुरु	05/09/2024	शनि	11/03/2026	बुध	24/10/2026	केतु	04/08/2028

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि	
04/08/2028		15/02/2029		05/01/2030		20/08/2030		27/03/2032	
15/02/2029		05/01/2030		20/08/2030		27/03/2032		29/03/2034	
सूर्य	13/08/2028	चंद्र	14/03/2029	मंगल	18/01/2030	राहु	16/11/2030	शनि	21/07/2032
चंद्र	30/08/2028	मंगल	02/04/2029	राहु	22/02/2030	गुरु	02/02/2031	बुध	02/11/2032
मंगल	10/09/2028	राहु	20/05/2029	गुरु	24/03/2030	शनि	06/05/2031	केतु	14/12/2032
राहु	09/10/2028	गुरु	03/07/2029	शनि	29/04/2030	बुध	27/07/2031	शुक्र	15/04/2033
गुरु	04/11/2028	शनि	23/08/2029	बुध	31/05/2030	केतु	30/08/2031	सूर्य	22/05/2033
शनि	05/12/2028	बुध	08/10/2029	केतु	13/06/2030	शुक्र	06/12/2031	चंद्र	22/07/2033
बुध	02/01/2029	केतु	27/10/2029	शुक्र	21/07/2030	सूर्य	04/01/2032	मंगल	03/09/2033
केतु	13/01/2029	शुक्र	20/12/2029	सूर्य	02/08/2030	चंद्र	22/02/2032	राहु	22/12/2033
शुक्र	15/02/2029	सूर्य	05/01/2030	चंद्र	20/08/2030	मंगल	27/03/2032	गुरु	29/03/2034

शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र	
29/03/2034		14/01/2036		10/10/2036		20/11/2038		09/07/2039	
14/01/2036		10/10/2036		20/11/2038		09/07/2039		29/07/2040	
बुध	30/06/2034	केतु	30/01/2036	शुक्र	15/02/2037	सूर्य	01/12/2038	चंद्र	10/08/2039
केतु	07/08/2034	शुक्र	15/03/2036	सूर्य	26/03/2037	चंद्र	21/12/2038	मंगल	02/09/2039
शुक्र	25/11/2034	सूर्य	28/03/2036	चंद्र	29/05/2037	मंगल	03/01/2039	राहु	30/10/2039
सूर्य	27/12/2034	चंद्र	20/04/2036	मंगल	13/07/2037	राहु	07/02/2039	गुरु	20/12/2039
चंद्र	20/02/2035	मंगल	05/05/2036	राहु	06/11/2037	गुरु	10/03/2039	शनि	19/02/2040
मंगल	30/03/2035	राहु	15/06/2036	गुरु	16/02/2038	शनि	15/04/2039	बुध	14/04/2040
राहु	07/07/2035	गुरु	21/07/2036	शनि	19/06/2038	बुध	18/05/2039	केतु	06/05/2040
गुरु	02/10/2035	शनि	01/09/2036	बुध	06/10/2038	केतु	01/06/2039	शुक्र	09/07/2040
शनि	14/01/2036	बुध	10/10/2036	केतु	20/11/2038	शुक्र	09/07/2039	सूर्य	29/07/2040

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - मंगल		शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु	
29/07/2040		25/04/2041		19/03/2043		25/11/2044		05/07/2046	
25/04/2041		19/03/2043		25/11/2044		05/07/2046		03/03/2047	
मंगल	13/08/2040	राहु	07/08/2041	गुरु	10/06/2043	बुध	16/02/2045	केतु	19/07/2046
राहु	23/09/2040	गुरु	07/11/2041	शनि	15/09/2043	केतु	23/03/2045	शुक्र	28/08/2046
गुरु	29/10/2040	शनि	25/02/2042	बुध	12/12/2043	शुक्र	28/06/2045	सूर्य	09/09/2046
शनि	11/12/2040	बुध	03/06/2042	केतु	17/01/2044	सूर्य	28/07/2045	चंद्र	29/09/2046
बुध	18/01/2041	केतु	14/07/2042	शुक्र	29/04/2044	चंद्र	15/09/2045	मंगल	13/10/2046
केतु	03/02/2041	शुक्र	06/11/2042	सूर्य	29/05/2044	मंगल	19/10/2045	राहु	19/11/2046
शुक्र	20/03/2041	सूर्य	11/12/2042	चंद्र	20/07/2044	राहु	15/01/2046	गुरु	21/12/2046
सूर्य	02/04/2041	चंद्र	07/02/2043	मंगल	25/08/2044	गुरु	03/04/2046	शनि	28/01/2047
चंद्र	25/04/2041	मंगल	19/03/2043	राहु	25/11/2044	शनि	05/07/2046	बुध	03/03/2047

बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु	
03/03/2047		21/01/2049		16/08/2049		27/07/2050		26/03/2051	
21/01/2049		16/08/2049		27/07/2050		26/03/2051		06/12/2052	
शुक्र	26/06/2047	सूर्य	01/02/2049	चंद्र	14/09/2049	मंगल	10/08/2050	राहु	27/06/2051
सूर्य	31/07/2047	चंद्र	18/02/2049	मंगल	04/10/2049	राहु	15/09/2050	गुरु	18/09/2051
चंद्र	26/09/2047	मंगल	02/03/2049	राहु	25/11/2049	गुरु	18/10/2050	शनि	25/12/2051
मंगल	05/11/2047	राहु	02/04/2049	गुरु	10/01/2050	शनि	25/11/2050	बुध	22/03/2052
राहु	17/02/2048	गुरु	29/04/2049	शनि	05/03/2050	बुध	29/12/2050	केतु	27/04/2052
गुरु	19/05/2048	शनि	01/06/2049	बुध	23/04/2050	केतु	12/01/2051	शुक्र	08/08/2052
शनि	05/09/2048	बुध	01/07/2049	केतु	13/05/2050	शुक्र	21/02/2051	सूर्य	09/09/2052
बुध	12/12/2048	केतु	13/07/2049	शुक्र	10/07/2050	सूर्य	05/03/2051	चंद्र	30/10/2052
केतु	21/01/2049	शुक्र	16/08/2049	सूर्य	27/07/2050	चंद्र	26/03/2051	मंगल	06/12/2052

बुध - गुरु		बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
06/12/2052		10/06/2054		27/03/2056		04/07/2056		14/04/2057	
10/06/2054		27/03/2056		04/07/2056		14/04/2057		09/07/2057	
गुरु	17/02/2053	शनि	22/09/2054	केतु	02/04/2056	शुक्र	21/08/2056	सूर्य	19/04/2057
शनि	15/05/2053	बुध	24/12/2054	शुक्र	18/04/2056	सूर्य	04/09/2056	चंद्र	26/04/2057
बुध	02/08/2053	केतु	31/01/2055	सूर्य	23/04/2056	चंद्र	28/09/2056	मंगल	01/05/2057
केतु	03/09/2053	शुक्र	21/05/2055	चंद्र	01/05/2056	मंगल	14/10/2056	राहु	13/05/2057
शुक्र	04/12/2053	सूर्य	22/06/2055	मंगल	07/05/2056	राहु	26/11/2056	गुरु	25/05/2057
सूर्य	31/12/2053	चंद्र	16/08/2055	राहु	22/05/2056	गुरु	03/01/2057	शनि	07/06/2057
चंद्र	15/02/2054	मंगल	23/09/2055	गुरु	04/06/2056	शनि	17/02/2057	बुध	19/06/2057
मंगल	20/03/2054	राहु	30/12/2055	शनि	20/06/2056	बुध	29/03/2057	केतु	24/06/2057
राहु	10/06/2054	गुरु	27/03/2056	बुध	04/07/2056	केतु	14/04/2057	शुक्र	09/07/2057

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 4 वर्ष 6 मास 28 दिन

शुक्र 21 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 15 वर्ष		मंगल 8 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
11/08/1982		10/03/1987		10/03/1993		10/03/2008		10/03/2016	
10/03/1987		10/03/1993		10/03/2008		10/03/2016		10/03/2033	
	00/00/0000	सूर्य	10/07/1987	चंद्र	10/04/1995	मंगल	12/10/2008	बुध	12/11/2018
	00/00/0000	चंद्र	09/05/1988	मंगल	20/05/1996	बुध	15/01/2010	शनि	09/06/2020
	00/00/0000	मंगल	19/10/1988	बुध	29/09/1998	शनि	12/10/2010	गुरु	06/06/2023
	00/00/0000	बुध	29/09/1989	शनि	18/02/2000	गुरु	10/03/2012	राहु	26/04/2025
	00/00/0000	शनि	20/04/1990	गुरु	09/10/2002	राहु	28/01/2013	शुक्र	15/08/2028
	11/08/1982	गुरु	10/05/1991	राहु	09/06/2004	शुक्र	19/08/2014	सूर्य	26/07/2029
गुरु	08/11/1984	राहु	09/01/1992	शुक्र	10/05/2007	सूर्य	29/01/2015	चंद्र	06/12/2031
राहु	10/03/1987	शुक्र	10/03/1993	सूर्य	10/03/2008	चंद्र	10/03/2016	मंगल	10/03/2033

शनि 10 वर्ष		गुरु 19 वर्ष		राहु 12 वर्ष		शुक्र 21 वर्ष	
10/03/2033		10/03/2043		10/03/2062		10/03/2074	
10/03/2043		10/03/2062		10/03/2074		00/00/0000	
शनि	11/02/2034	गुरु	13/07/2046	राहु	10/07/2063	शुक्र	09/04/2078
गुरु	16/11/2035	राहु	22/08/2048	शुक्र	08/11/2065	सूर्य	10/06/2079
राहु	25/12/2036	शुक्र	03/05/2052	सूर्य	10/07/2066	चंद्र	10/05/2082
शुक्र	06/12/2038	सूर्य	23/05/2053	चंद्र	10/03/2068	मंगल	29/11/2083
सूर्य	26/06/2039	चंद्र	12/01/2056	मंगल	28/01/2069	बुध	20/03/2087
चंद्र	15/11/2040	मंगल	09/06/2057	बुध	19/12/2070	शनि	28/02/2089
मंगल	12/08/2041	बुध	05/06/2060	शनि	29/01/2072	गुरु	11/08/2090
बुध	10/03/2043	शनि	10/03/2062	गुरु	10/03/2074		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - गुरु		शुक्र - राहु		सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल	
11/08/1982		08/11/1984		10/03/1987		10/07/1987		09/05/1988	
08/11/1984		10/03/1987		10/07/1987		09/05/1988		19/10/1988	
	00/00/0000	राहु	11/02/1985	सूर्य	17/03/1987	चंद्र	21/08/1987	मंगल	21/05/1988
	11/08/1982	शुक्र	26/07/1985	चंद्र	03/04/1987	मंगल	13/09/1987	बुध	16/06/1988
शुक्र	09/12/1982	सूर्य	12/09/1985	मंगल	12/04/1987	बुध	31/10/1987	शनि	01/07/1988
सूर्य	22/02/1983	चंद्र	08/01/1986	बुध	01/05/1987	शनि	28/11/1987	गुरु	30/07/1988
चंद्र	29/08/1983	मंगल	12/03/1986	शनि	12/05/1987	गुरु	20/01/1988	राहु	17/08/1988
मंगल	07/12/1983	बुध	24/07/1986	गुरु	03/06/1987	राहु	23/02/1988	शुक्र	17/09/1988
बुध	06/07/1984	शनि	11/10/1986	राहु	16/06/1987	शुक्र	22/04/1988	सूर्य	26/09/1988
शनि	08/11/1984	गुरु	10/03/1987	शुक्र	10/07/1987	सूर्य	09/05/1988	चंद्र	19/10/1988

सूर्य - बुध		सूर्य - शनि		सूर्य - गुरु		सूर्य - राहु		सूर्य - शुक्र	
19/10/1988		29/09/1989		20/04/1990		10/05/1991		09/01/1992	
29/09/1989		20/04/1990		10/05/1991		09/01/1992		10/03/1993	
बुध	12/12/1988	शनि	17/10/1989	गुरु	26/06/1990	राहु	06/06/1991	शुक्र	31/03/1992
शनि	13/01/1989	गुरु	22/11/1989	राहु	08/08/1990	शुक्र	24/07/1991	सूर्य	24/04/1992
गुरु	15/03/1989	राहु	15/12/1989	शुक्र	22/10/1990	सूर्य	06/08/1991	चंद्र	22/06/1992
राहु	22/04/1989	शुक्र	23/01/1990	सूर्य	13/11/1990	चंद्र	09/09/1991	मंगल	24/07/1992
शुक्र	28/06/1989	सूर्य	03/02/1990	चंद्र	05/01/1991	मंगल	27/09/1991	बुध	29/09/1992
सूर्य	17/07/1989	चंद्र	04/03/1990	मंगल	03/02/1991	बुध	04/11/1991	शनि	07/11/1992
चंद्र	03/09/1989	मंगल	19/03/1990	बुध	04/04/1991	शनि	27/11/1991	गुरु	21/01/1993
मंगल	29/09/1989	बुध	20/04/1990	शनि	10/05/1991	गुरु	09/01/1992	राहु	10/03/1993

चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल		चंद्र - बुध		चंद्र - शनि		चंद्र - गुरु	
10/03/1993		10/04/1995		20/05/1996		29/09/1998		18/02/2000	
10/04/1995		20/05/1996		29/09/1998		18/02/2000		09/10/2002	
चंद्र	23/06/1993	मंगल	10/05/1995	बुध	02/10/1996	शनि	15/11/1998	गुरु	06/08/2000
मंगल	19/08/1993	बुध	13/07/1995	शनि	21/12/1996	गुरु	12/02/1999	राहु	21/11/2000
बुध	17/12/1993	शनि	19/08/1995	गुरु	22/05/1997	राहु	09/04/1999	शुक्र	27/05/2001
शनि	25/02/1994	गुरु	30/10/1995	राहु	26/08/1997	शुक्र	17/07/1999	सूर्य	20/07/2001
गुरु	09/07/1994	राहु	14/12/1995	शुक्र	09/02/1998	सूर्य	14/08/1999	चंद्र	01/12/2001
राहु	01/10/1994	शुक्र	02/03/1996	सूर्य	29/03/1998	चंद्र	24/10/1999	मंगल	10/02/2002
शुक्र	26/02/1995	सूर्य	24/03/1996	चंद्र	27/07/1998	मंगल	30/11/1999	बुध	12/07/2002
सूर्य	10/04/1995	चंद्र	20/05/1996	मंगल	29/09/1998	बुध	18/02/2000	शनि	09/10/2002

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - राहु		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - बुध	
09/10/2002		09/06/2004		10/05/2007		10/03/2008		12/10/2008	
09/06/2004		10/05/2007		10/03/2008		12/10/2008		15/01/2010	
राहु	16/12/2002	शुक्र	02/01/2005	सूर्य	27/05/2007	मंगल	26/03/2008	बुध	23/12/2008
शुक्र	13/04/2003	सूर्य	02/03/2005	चंद्र	08/07/2007	बुध	29/04/2008	शनि	04/02/2009
सूर्य	17/05/2003	चंद्र	28/07/2005	मंगल	31/07/2007	शनि	19/05/2008	गुरु	26/04/2009
चंद्र	09/08/2003	मंगल	15/10/2005	बुध	17/09/2007	गुरु	26/06/2008	राहु	16/06/2009
मंगल	24/09/2003	बुध	01/04/2006	शनि	15/10/2007	राहु	20/07/2008	शुक्र	13/09/2009
बुध	28/12/2003	शनि	08/07/2006	गुरु	07/12/2007	शुक्र	31/08/2008	सूर्य	09/10/2009
शनि	23/02/2004	गुरु	12/01/2007	राहु	10/01/2008	सूर्य	12/09/2008	चंद्र	12/12/2009
गुरु	09/06/2004	राहु	10/05/2007	शुक्र	10/03/2008	चंद्र	12/10/2008	मंगल	15/01/2010

मंगल - शनि		मंगल - गुरु		मंगल - राहु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य	
15/01/2010		12/10/2010		10/03/2012		28/01/2013		19/08/2014	
12/10/2010		10/03/2012		28/01/2013		19/08/2014		29/01/2015	
शनि	09/02/2010	गुरु	11/01/2011	राहु	15/04/2012	शुक्र	19/05/2013	सूर्य	28/08/2014
गुरु	29/03/2010	राहु	09/03/2011	शुक्र	17/06/2012	सूर्य	19/06/2013	चंद्र	20/09/2014
राहु	28/04/2010	शुक्र	17/06/2011	सूर्य	05/07/2012	चंद्र	06/09/2013	मंगल	02/10/2014
शुक्र	19/06/2010	सूर्य	16/07/2011	चंद्र	19/08/2012	मंगल	18/10/2013	बुध	27/10/2014
सूर्य	04/07/2010	चंद्र	25/09/2011	मंगल	12/09/2012	बुध	16/01/2014	शनि	12/11/2014
चंद्र	11/08/2010	मंगल	02/11/2011	बुध	02/11/2012	शनि	09/03/2014	गुरु	10/12/2014
मंगल	31/08/2010	बुध	22/01/2012	शनि	02/12/2012	गुरु	17/06/2014	राहु	28/12/2014
बुध	12/10/2010	शनि	10/03/2012	गुरु	28/01/2013	राहु	19/08/2014	शुक्र	29/01/2015

मंगल - चंद्र		बुध - बुध		बुध - शनि		बुध - गुरु		बुध - राहु	
29/01/2015		10/03/2016		12/11/2018		09/06/2020		06/06/2023	
10/03/2016		12/11/2018		09/06/2020		06/06/2023		26/04/2025	
चंद्र	26/03/2015	बुध	10/08/2016	शनि	04/01/2019	गुरु	18/12/2020	राहु	22/08/2023
मंगल	25/04/2015	शनि	09/11/2016	गुरु	15/04/2019	राहु	18/04/2021	शुक्र	03/01/2024
बुध	28/06/2015	गुरु	30/04/2017	राहु	18/06/2019	शुक्र	17/11/2021	सूर्य	10/02/2024
शनि	05/08/2015	राहु	16/08/2017	शुक्र	08/10/2019	सूर्य	16/01/2022	चंद्र	16/05/2024
गुरु	15/10/2015	शुक्र	22/02/2018	सूर्य	09/11/2019	चंद्र	17/06/2022	मंगल	06/07/2024
राहु	29/11/2015	सूर्य	18/04/2018	चंद्र	28/01/2020	मंगल	06/09/2022	बुध	23/10/2024
शुक्र	16/02/2016	चंद्र	31/08/2018	मंगल	10/03/2020	बुध	25/02/2023	शनि	26/12/2024
सूर्य	10/03/2016	मंगल	12/11/2018	बुध	09/06/2020	शनि	06/06/2023	गुरु	26/04/2025

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		शनि - शनि	
26/04/2025		15/08/2028		26/07/2029		06/12/2031		10/03/2033	
15/08/2028		26/07/2029		06/12/2031		10/03/2033		11/02/2034	
शुक्र	17/12/2025	सूर्य	04/09/2028	चंद्र	23/11/2029	मंगल	09/01/2032	शनि	10/04/2033
सूर्य	22/02/2026	चंद्र	22/10/2028	मंगल	26/01/2030	बुध	21/03/2032	गुरु	09/06/2033
चंद्र	09/08/2026	मंगल	16/11/2028	बुध	11/06/2030	शनि	03/05/2032	राहु	16/07/2033
मंगल	06/11/2026	बुध	09/01/2029	शनि	30/08/2030	गुरु	23/07/2032	शुक्र	20/09/2033
बुध	15/05/2027	शनि	10/02/2029	गुरु	28/01/2031	राहु	12/09/2032	सूर्य	09/10/2033
शनि	04/09/2027	गुरु	12/04/2029	राहु	04/05/2031	शुक्र	10/12/2032	चंद्र	25/11/2033
गुरु	03/04/2028	राहु	20/05/2029	शुक्र	19/10/2031	सूर्य	05/01/2033	मंगल	20/12/2033
राहु	15/08/2028	शुक्र	26/07/2029	सूर्य	06/12/2031	चंद्र	10/03/2033	बुध	11/02/2034

शनि - गुरु		शनि - राहु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र	
11/02/2034		16/11/2035		25/12/2036		06/12/2038		26/06/2039	
16/11/2035		25/12/2036		06/12/2038		26/06/2039		15/11/2040	
गुरु	04/06/2034	राहु	31/12/2035	शुक्र	12/05/2037	सूर्य	17/12/2038	चंद्र	05/09/2039
राहु	14/08/2034	शुक्र	19/03/2036	सूर्य	21/06/2037	चंद्र	14/01/2039	मंगल	13/10/2039
शुक्र	17/12/2034	सूर्य	10/04/2036	चंद्र	28/09/2037	मंगल	29/01/2039	बुध	31/12/2039
सूर्य	22/01/2035	चंद्र	05/06/2036	मंगल	19/11/2037	बुध	02/03/2039	शनि	16/02/2040
चंद्र	21/04/2035	मंगल	05/07/2036	बुध	11/03/2038	शनि	21/03/2039	गुरु	16/05/2040
मंगल	08/06/2035	बुध	07/09/2036	शनि	16/05/2038	गुरु	25/04/2039	राहु	11/07/2040
बुध	17/09/2035	शनि	15/10/2036	गुरु	18/09/2038	राहु	18/05/2039	शुक्र	18/10/2040
शनि	16/11/2035	गुरु	25/12/2036	राहु	06/12/2038	शुक्र	26/06/2039	सूर्य	15/11/2040

शनि - मंगल		शनि - बुध		गुरु - गुरु		गुरु - राहु		गुरु - शुक्र	
15/11/2040		12/08/2041		10/03/2043		13/07/2046		22/08/2048	
12/08/2041		10/03/2043		13/07/2046		22/08/2048		03/05/2052	
मंगल	05/12/2040	बुध	11/11/2041	गुरु	11/10/2043	राहु	07/10/2046	शुक्र	12/05/2049
बुध	16/01/2041	शनि	03/01/2042	राहु	24/02/2044	शुक्र	06/03/2047	सूर्य	26/07/2049
शनि	10/02/2041	गुरु	14/04/2042	शुक्र	18/10/2044	सूर्य	18/04/2047	चंद्र	29/01/2050
गुरु	30/03/2041	राहु	17/06/2042	सूर्य	25/12/2044	चंद्र	03/08/2047	मंगल	09/05/2050
राहु	29/04/2041	शुक्र	07/10/2042	चंद्र	12/06/2045	मंगल	29/09/2047	बुध	07/12/2050
शुक्र	21/06/2041	सूर्य	08/11/2042	मंगल	11/09/2045	बुध	28/01/2048	शनि	11/04/2051
सूर्य	06/07/2041	चंद्र	27/01/2043	बुध	22/03/2046	शनि	09/04/2048	गुरु	05/12/2051
चंद्र	12/08/2041	मंगल	10/03/2043	शनि	13/07/2046	गुरु	22/08/2048	राहु	03/05/2052

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - बुध		गुरु - शनि	
03/05/2052		23/05/2053		12/01/2056		09/06/2057		05/06/2060	
23/05/2053		12/01/2056		09/06/2057		05/06/2060		10/03/2062	
सूर्य	24/05/2052	चंद्र	04/10/2053	मंगल	19/02/2056	बुध	28/11/2057	शनि	04/08/2060
चंद्र	17/07/2052	मंगल	14/12/2053	बुध	10/05/2056	शनि	09/03/2058	गुरु	25/11/2060
मंगल	14/08/2052	बुध	15/05/2054	शनि	27/06/2056	गुरु	17/09/2058	राहु	04/02/2061
बुध	14/10/2052	शनि	12/08/2054	गुरु	25/09/2056	राहु	17/01/2059	शुक्र	09/06/2061
शनि	19/11/2052	गुरु	29/01/2055	राहु	21/11/2056	शुक्र	17/08/2059	सूर्य	15/07/2061
गुरु	25/01/2053	राहु	16/05/2055	शुक्र	01/03/2057	सूर्य	17/10/2059	चंद्र	12/10/2061
राहु	09/03/2053	शुक्र	19/11/2055	सूर्य	30/03/2057	चंद्र	17/03/2060	मंगल	29/11/2061
शुक्र	23/05/2053	सूर्य	12/01/2056	चंद्र	09/06/2057	मंगल	05/06/2060	बुध	10/03/2062

राहु - राहु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
10/03/2062		10/07/2063		08/11/2065		10/07/2066		10/03/2068	
10/07/2063		08/11/2065		10/07/2066		10/03/2068		28/01/2069	
राहु	03/05/2062	शुक्र	23/12/2063	सूर्य	22/11/2065	चंद्र	02/10/2066	मंगल	03/04/2068
शुक्र	06/08/2062	सूर्य	08/02/2064	चंद्र	26/12/2065	मंगल	16/11/2066	बुध	24/05/2068
सूर्य	02/09/2062	चंद्र	05/06/2064	मंगल	13/01/2066	बुध	20/02/2067	शनि	23/06/2068
चंद्र	09/11/2062	मंगल	08/08/2064	बुध	20/02/2066	शनि	18/04/2067	गुरु	19/08/2068
मंगल	15/12/2062	बुध	20/12/2064	शनि	15/03/2066	गुरु	03/08/2067	राहु	24/09/2068
बुध	01/03/2063	शनि	09/03/2065	गुरु	26/04/2066	राहु	09/10/2067	शुक्र	26/11/2068
शनि	15/04/2063	गुरु	06/08/2065	राहु	23/05/2066	शुक्र	05/02/2068	सूर्य	14/12/2068
गुरु	10/07/2063	राहु	08/11/2065	शुक्र	10/07/2066	सूर्य	10/03/2068	चंद्र	28/01/2069

राहु - बुध		राहु - शनि		राहु - गुरु		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य	
28/01/2069		19/12/2070		29/01/2072		10/03/2074		09/04/2078	
19/12/2070		29/01/2072		10/03/2074		09/04/2078		10/06/2079	
बुध	17/05/2069	शनि	26/01/2071	गुरु	13/06/2072	शुक्र	25/12/2074	सूर्य	03/05/2078
शनि	20/07/2069	गुरु	07/04/2071	राहु	06/09/2072	सूर्य	18/03/2075	चंद्र	01/07/2078
गुरु	18/11/2069	राहु	22/05/2071	शुक्र	03/02/2073	चंद्र	11/10/2075	मंगल	02/08/2078
राहु	03/02/2070	शुक्र	09/08/2071	सूर्य	18/03/2073	मंगल	29/01/2076	बुध	08/10/2078
शुक्र	17/06/2070	सूर्य	01/09/2071	चंद्र	03/07/2073	बुध	20/09/2076	शनि	16/11/2078
सूर्य	25/07/2070	चंद्र	27/10/2071	मंगल	29/08/2073	शनि	05/02/2077	गुरु	30/01/2079
चंद्र	29/10/2070	मंगल	26/11/2071	बुध	29/12/2073	गुरु	26/10/2077	राहु	19/03/2079
मंगल	19/12/2070	बुध	29/01/2072	शनि	10/03/2074	राहु	09/04/2078	शुक्र	10/06/2079

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : भद्रिका 4 वर्ष 4 मास 9 दिन

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष	
11/08/1982		21/12/1986		20/12/1992		21/12/1999		21/12/2007	
21/12/1986		20/12/1992		21/12/1999		21/12/2007		20/12/2008	
भद्रि	31/08/1982	उल्क	21/12/1987	सिद्ध	01/05/1994	संक	30/09/2001	मंग	31/12/2007
उल्क	01/07/1983	सिद्ध	19/02/1989	संक	20/11/1995	मंग	20/12/2001	पिंग	20/01/2008
सिद्ध	21/06/1984	संक	21/06/1990	मंग	30/01/1996	पिंग	01/06/2002	धांय	20/02/2008
संक	31/07/1985	मंग	21/08/1990	पिंग	21/06/1996	धांय	30/01/2003	भ्राम	31/03/2008
मंग	20/09/1985	पिंग	21/12/1990	धांय	20/01/1997	भ्राम	21/12/2003	भद्रि	21/05/2008
पिंग	31/12/1985	धांय	21/06/1991	भ्राम	31/10/1997	भद्रि	30/01/2005	उल्क	21/07/2008
धांय	01/06/1986	भ्राम	20/02/1992	भद्रि	21/10/1998	उल्क	01/06/2006	सिद्ध	30/09/2008
भ्राम	21/12/1986	भद्रि	20/12/1992	उल्क	21/12/1999	सिद्ध	21/12/2007	संक	20/12/2008

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष	
20/12/2008		21/12/2010		20/12/2013		20/12/2017		21/12/2022	
21/12/2010		20/12/2013		20/12/2017		21/12/2022		20/12/2028	
पिंग	30/01/2009	धांय	22/03/2011	भ्राम	01/06/2014	भद्रि	31/08/2018	उल्क	21/12/2023
धांय	01/04/2009	भ्राम	22/07/2011	भद्रि	21/12/2014	उल्क	01/07/2019	सिद्ध	19/02/2025
भ्राम	21/06/2009	भद्रि	21/12/2011	उल्क	21/08/2015	सिद्ध	21/06/2020	संक	21/06/2026
भद्रि	30/09/2009	उल्क	21/06/2012	सिद्ध	31/05/2016	संक	31/07/2021	मंग	21/08/2026
उल्क	30/01/2010	सिद्ध	20/01/2013	संक	21/04/2017	मंग	20/09/2021	पिंग	21/12/2026
सिद्ध	21/06/2010	संक	20/09/2013	मंग	31/05/2017	पिंग	31/12/2021	धांय	21/06/2027
संक	30/11/2010	मंग	21/10/2013	पिंग	21/08/2017	धांय	01/06/2022	भ्राम	20/02/2028
मंग	21/12/2010	पिंग	20/12/2013	धांय	20/12/2017	भ्राम	21/12/2022	भद्रि	20/12/2028

नोट :- योगनियों के स्वामी नीचे दिए गए हैं :-

मंगला	: चन्द्र	पिंगला	: सूर्य	धान्या	: गुरु	भ्रामरी	: मंगल
भद्रिका	: बुध	उल्का	: शनि	सिद्धा	: शुक्र	संकटा	: राहु/केतु

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
योगिनी दशा 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

योगिनी दशा

सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
20/12/2028		21/12/2035		21/12/2043		20/12/2044		21/12/2046	
21/12/2035		21/12/2043		20/12/2044		21/12/2046		20/12/2049	
सिद्ध	01/05/2030	संक	30/09/2037	मंग	31/12/2043	पिंग	30/01/2045	धांय	22/03/2047
संक	20/11/2031	मंग	20/12/2037	पिंग	20/01/2044	धांय	01/04/2045	भ्राम	22/07/2047
मंग	30/01/2032	पिंग	01/06/2038	धांय	20/02/2044	भ्राम	21/06/2045	भद्रि	21/12/2047
पिंग	21/06/2032	धांय	30/01/2039	भ्राम	31/03/2044	भद्रि	30/09/2045	उल्क	21/06/2048
धांय	20/01/2033	भ्राम	21/12/2039	भद्रि	21/05/2044	उल्क	30/01/2046	सिद्ध	20/01/2049
भ्राम	31/10/2033	भद्रि	30/01/2041	उल्क	21/07/2044	सिद्ध	21/06/2046	संक	20/09/2049
भद्रि	21/10/2034	उल्क	01/06/2042	सिद्ध	30/09/2044	संक	30/11/2046	मंग	21/10/2049
उल्क	21/12/2035	सिद्ध	21/12/2043	संक	20/12/2044	मंग	21/12/2046	पिंग	20/12/2049

भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
20/12/2049		20/12/2053		21/12/2058		20/12/2064		21/12/2071	
20/12/2053		21/12/2058		20/12/2064		21/12/2071		21/12/2079	
भ्राम	01/06/2050	भद्रि	31/08/2054	उल्क	21/12/2059	सिद्ध	01/05/2066	संक	30/09/2073
भद्रि	21/12/2050	उल्क	01/07/2055	सिद्ध	19/02/2061	संक	20/11/2067	मंग	20/12/2073
उल्क	21/08/2051	सिद्ध	21/06/2056	संक	21/06/2062	मंग	30/01/2068	पिंग	01/06/2074
सिद्ध	31/05/2052	संक	31/07/2057	मंग	21/08/2062	पिंग	21/06/2068	धांय	30/01/2075
संक	21/04/2053	मंग	20/09/2057	पिंग	21/12/2062	धांय	20/01/2069	भ्राम	21/12/2075
मंग	31/05/2053	पिंग	31/12/2057	धांय	21/06/2063	भ्राम	31/10/2069	भद्रि	30/01/2077
पिंग	21/08/2053	धांय	01/06/2058	भ्राम	20/02/2064	भद्रि	21/10/2070	उल्क	01/06/2078
धांय	20/12/2053	भ्राम	21/12/2058	भद्रि	20/12/2064	उल्क	21/12/2071	सिद्ध	21/12/2079

मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष	
21/12/2079		20/12/2080		21/12/2082		20/12/2085		20/12/2089	
20/12/2080		21/12/2082		20/12/2085		20/12/2089		00/00/0000	
मंग	31/12/2079	पिंग	30/01/2081	धांय	22/03/2083	भ्राम	01/06/2086	भद्रि	11/08/2090
पिंग	20/01/2080	धांय	01/04/2081	भ्राम	22/07/2083	भद्रि	21/12/2086		00/00/0000
धांय	20/02/2080	भ्राम	21/06/2081	भद्रि	21/12/2083	उल्क	21/08/2087		00/00/0000
भ्राम	31/03/2080	भद्रि	30/09/2081	उल्क	21/06/2084	सिद्ध	31/05/2088		00/00/0000
भद्रि	21/05/2080	उल्क	30/01/2082	सिद्ध	20/01/2085	संक	21/04/2089		00/00/0000
उल्क	21/07/2080	सिद्ध	21/06/2082	संक	20/09/2085	मंग	31/05/2089		00/00/0000
सिद्ध	30/09/2080	संक	30/11/2082	मंग	21/10/2085	पिंग	21/08/2089		00/00/0000
संक	20/12/2080	मंग	21/12/2082	पिंग	20/12/2085	धांय	20/12/2089		00/00/0000

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

उल्क - संक		उल्क - मंग		उल्क - पिंग		उल्क - धांय		उल्क - भ्राम	
19/02/2025		21/06/2026		21/08/2026		21/12/2026		21/06/2027	
21/06/2026		21/08/2026		21/12/2026		21/06/2027		20/02/2028	
संक	07/06/2025	मंग	23/06/2026	पिंग	28/08/2026	धांय	05/01/2027	भ्राम	18/07/2027
मंग	21/06/2025	पिंग	26/06/2026	धांय	07/09/2026	भ्राम	25/01/2027	भद्रि	21/08/2027
पिंग	18/07/2025	धांय	01/07/2026	भ्राम	20/09/2026	भद्रि	20/02/2027	उल्क	01/10/2027
धांय	27/08/2025	भ्राम	08/07/2026	भद्रि	07/10/2026	उल्क	22/03/2027	सिद्ध	17/11/2027
भ्राम	21/10/2025	भद्रि	16/07/2026	उल्क	28/10/2026	सिद्ध	26/04/2027	संक	10/01/2028
भद्रि	27/12/2025	उल्क	27/07/2026	सिद्ध	20/11/2026	संक	06/06/2027	मंग	17/01/2028
उल्क	18/03/2026	सिद्ध	07/08/2026	संक	17/12/2026	मंग	11/06/2027	पिंग	30/01/2028
सिद्ध	21/06/2026	संक	21/08/2026	मंग	21/12/2026	पिंग	21/06/2027	धांय	20/02/2028

उल्क - भद्रि		सिद्ध - सिद्ध		सिद्ध - संक		सिद्ध - मंग		सिद्ध - पिंग	
20/02/2028		20/12/2028		01/05/2030		20/11/2031		30/01/2032	
20/12/2028		01/05/2030		20/11/2031		30/01/2032		21/06/2032	
भद्रि	02/04/2028	सिद्ध	27/03/2029	संक	05/09/2030	मंग	22/11/2031	पिंग	07/02/2032
उल्क	23/05/2028	संक	15/07/2029	मंग	20/09/2030	पिंग	26/11/2031	धांय	19/02/2032
सिद्ध	21/07/2028	मंग	29/07/2029	पिंग	22/10/2030	धांय	02/12/2031	भ्राम	06/03/2032
संक	27/09/2028	पिंग	26/08/2029	धांय	08/12/2030	भ्राम	10/12/2031	भद्रि	26/03/2032
मंग	05/10/2028	धांय	06/10/2029	भ्राम	09/02/2031	भद्रि	20/12/2031	उल्क	18/04/2032
पिंग	22/10/2028	भ्राम	30/11/2029	भद्रि	29/04/2031	उल्क	01/01/2032	सिद्ध	16/05/2032
धांय	16/11/2028	भद्रि	07/02/2030	उल्क	02/08/2031	सिद्ध	15/01/2032	संक	17/06/2032
भ्राम	20/12/2028	उल्क	01/05/2030	सिद्ध	20/11/2031	संक	30/01/2032	मंग	21/06/2032

सिद्ध - धांय		सिद्ध - भ्राम		सिद्ध - भद्रि		सिद्ध - उल्क		संक - संक	
21/06/2032		20/01/2033		31/10/2033		21/10/2034		21/12/2035	
20/01/2033		31/10/2033		21/10/2034		21/12/2035		30/09/2037	
धांय	08/07/2032	भ्राम	20/02/2033	भद्रि	19/12/2033	उल्क	31/12/2034	संक	13/05/2036
भ्राम	01/08/2032	भद्रि	01/04/2033	उल्क	16/02/2034	सिद्ध	24/03/2035	मंग	31/05/2036
भद्रि	31/08/2032	उल्क	18/05/2033	सिद्ध	26/04/2034	संक	26/06/2035	पिंग	06/07/2036
उल्क	05/10/2032	सिद्ध	12/07/2033	संक	14/07/2034	मंग	08/07/2035	धांय	29/08/2036
सिद्ध	15/11/2032	संक	13/09/2033	मंग	24/07/2034	पिंग	01/08/2035	भ्राम	10/11/2036
संक	02/01/2033	मंग	21/09/2033	पिंग	13/08/2034	धांय	05/09/2035	भद्रि	08/02/2037
मंग	08/01/2033	पिंग	07/10/2033	धांय	11/09/2034	भ्राम	23/10/2035	उल्क	27/05/2037
पिंग	20/01/2033	धांय	31/10/2033	भ्राम	21/10/2034	भद्रि	21/12/2035	सिद्ध	30/09/2037

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

संक - मंग	संक - पिंग	संक - धांय	संक - भ्राम	संक - भद्रि
30/09/2037	20/12/2037	01/06/2038	30/01/2039	21/12/2039
20/12/2037	01/06/2038	30/01/2039	21/12/2039	30/01/2041
मंग 02/10/2037	पिंग 29/12/2037	धांय 21/06/2038	भ्राम 07/03/2039	भद्रि 15/02/2040
पिंग 07/10/2037	धांय 12/01/2038	भ्राम 18/07/2038	भद्रि 21/04/2039	उल्क 23/04/2040
धांय 14/10/2037	भ्राम 30/01/2038	भद्रि 21/08/2038	उल्क 15/06/2039	सिद्ध 11/07/2040
भ्राम 23/10/2037	भद्रि 22/02/2038	उल्क 30/09/2038	सिद्ध 17/08/2039	संक 09/10/2040
भद्रि 03/11/2037	उल्क 21/03/2038	सिद्ध 17/11/2038	संक 28/10/2039	मंग 20/10/2040
उल्क 17/11/2037	सिद्ध 21/04/2038	संक 10/01/2039	मंग 06/11/2039	पिंग 12/11/2040
सिद्ध 02/12/2037	संक 27/05/2038	मंग 17/01/2039	पिंग 24/11/2039	धांय 16/12/2040
संक 20/12/2037	मंग 01/06/2038	पिंग 30/01/2039	धांय 21/12/2039	भ्राम 30/01/2041

संक - उल्क	संक - सिद्ध	मंग - मंग	मंग - पिंग	मंग - धांय
30/01/2041	01/06/2042	21/12/2043	31/12/2043	20/01/2044
01/06/2042	21/12/2043	31/12/2043	20/01/2044	20/02/2044
उल्क 21/04/2041	सिद्ध 19/09/2042	मंग 21/12/2043	पिंग 01/01/2044	धांय 23/01/2044
सिद्ध 25/07/2041	संक 23/01/2043	पिंग 22/12/2043	धांय 03/01/2044	भ्राम 26/01/2044
संक 10/11/2041	मंग 08/02/2043	धांय 23/12/2043	भ्राम 05/01/2044	भद्रि 30/01/2044
मंग 23/11/2041	पिंग 12/03/2043	भ्राम 24/12/2043	भद्रि 08/01/2044	उल्क 05/02/2044
पिंग 20/12/2041	धांय 28/04/2043	भद्रि 25/12/2043	उल्क 11/01/2044	सिद्ध 10/02/2044
धांय 30/01/2042	भ्राम 30/06/2043	उल्क 27/12/2043	सिद्ध 15/01/2044	संक 17/02/2044
भ्राम 25/03/2042	भद्रि 17/09/2043	सिद्ध 29/12/2043	संक 20/01/2044	मंग 18/02/2044
भद्रि 01/06/2042	उल्क 21/12/2043	संक 31/12/2043	मंग 20/01/2044	पिंग 20/02/2044

मंग - भ्राम	मंग - भद्रि	मंग - उल्क	मंग - सिद्ध	मंग - संक
20/02/2044	31/03/2044	21/05/2044	21/07/2044	30/09/2044
31/03/2044	21/05/2044	21/07/2044	30/09/2044	20/12/2044
भ्राम 24/02/2044	भद्रि 07/04/2044	उल्क 31/05/2044	सिद्ध 04/08/2044	संक 18/10/2044
भद्रि 01/03/2044	उल्क 16/04/2044	सिद्ध 12/06/2044	संक 20/08/2044	मंग 20/10/2044
उल्क 08/03/2044	सिद्ध 26/04/2044	संक 26/06/2044	मंग 22/08/2044	पिंग 25/10/2044
सिद्ध 16/03/2044	संक 07/05/2044	मंग 27/06/2044	पिंग 25/08/2044	धांय 01/11/2044
संक 25/03/2044	मंग 08/05/2044	पिंग 01/07/2044	धांय 31/08/2044	भ्राम 10/11/2044
मंग 26/03/2044	पिंग 11/05/2044	धांय 06/07/2044	भ्राम 08/09/2044	भद्रि 21/11/2044
पिंग 28/03/2044	धांय 15/05/2044	भ्राम 12/07/2044	भद्रि 18/09/2044	उल्क 04/12/2044
धांय 31/03/2044	भ्राम 21/05/2044	भद्रि 21/07/2044	उल्क 30/09/2044	सिद्ध 20/12/2044

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

कालचक्र दशा

भोग्य दशा काल : कर्क 1 वर्ष 8 मास 27 दिन
कुल दशाकाल : 100 वर्ष
तिथि : भरणी - 1 सव्य
देह : मेष जीव : धनु

कर्क 21 वर्ष		सिंह 5 वर्ष		मिथुन 9 वर्ष		वृष 16 वर्ष		मेष 7 वर्ष	
11/08/1982		09/05/1984		09/05/1989		09/05/1998		09/05/2014	
09/05/1984		09/05/1989		09/05/1998		09/05/2014		09/05/2021	
	00/00/0000	सिंह	08/08/1984	मिथु	01/03/1990	वृष	30/11/2000	मेष	04/11/2014
	00/00/0000	मिथु	20/01/1985	वृष	09/08/1991	मेष	13/01/2002	मीन	18/07/2015
	00/00/0000	वृष	08/11/1985	मेष	26/03/1992	मीन	20/08/2003	वृश्चि	13/01/2016
	00/00/0000	मेष	16/03/1986	मीन	18/02/1993	वृश्चि	02/10/2004	तुला	25/02/2017
	00/00/0000	मीन	14/09/1986	वृश्चि	06/10/1993	तुला	25/04/2007	कन्या	13/10/2017
	00/00/0000	वृश्चि	20/01/1987	तुला	16/03/1995	कन्या	02/10/2008	कर्क	03/04/2019
	00/00/0000	तुला	08/11/1987	कन्या	06/01/1996	कर्क	11/02/2012	सिंह	09/08/2019
	11/08/1982	कन्या	21/04/1988	कर्क	26/11/1997	सिंह	30/11/2012	मिथु	26/03/2020
कन्या	09/05/1984	कर्क	09/05/1989	सिंह	09/05/1998	मिथु	09/05/2014	वृष	09/05/2021

मीन 10 वर्ष		वृश्चिक 7 वर्ष		तुला 16 वर्ष		कन्या 9 वर्ष		कर्क 21 वर्ष	
09/05/2021		10/05/2031		09/05/2038		09/05/2054		10/05/2063	
10/05/2031		09/05/2038		09/05/2054		10/05/2063		11/08/2082	
मीन	09/05/2022	वृश्चि	05/11/2031	तुला	30/11/2040	कन्या	01/03/2055	कर्क	06/10/2067
वृश्चि	20/01/2023	तुला	18/12/2032	कन्या	09/05/2042	कर्क	20/01/2057	सिंह	24/10/2068
तुला	27/08/2024	कन्या	05/08/2033	कर्क	18/09/2045	सिंह	03/07/2057	मिथु	14/09/2070
कन्या	21/07/2025	कर्क	24/01/2035	सिंह	07/07/2046	मिथु	25/04/2058	वृष	24/01/2074
कर्क	27/08/2027	सिंह	01/06/2035	मिथु	15/12/2047	वृष	03/10/2059	मेष	14/07/2075
सिंह	26/02/2028	मिथु	17/01/2036	वृष	07/07/2050	मेष	20/05/2060	मीन	20/08/2077
मिथु	20/01/2029	वृष	01/03/2037	मेष	20/08/2051	मीन	14/04/2061	वृश्चि	07/02/2079
वृष	27/08/2030	मेष	27/08/2037	मीन	26/03/2053	वृश्चि	30/11/2061	तुला	19/06/2082
मेष	10/05/2031	मीन	09/05/2038	वृश्चि	09/05/2054	तुला	10/05/2063	कन्या	11/08/2082

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

मीन - कर्क		मीन - सिंह		मीन - मिथु		मीन - वृष		मीन - मेष	
21/07/2025		27/08/2027		26/02/2028		20/01/2029		27/08/2030	
27/08/2027		26/02/2028		20/01/2029		27/08/2030		10/05/2031	
कर्क	29/12/2025	सिंह	05/09/2027	मिथु	27/03/2028	वृष	23/04/2029	मेष	14/09/2030
सिंह	06/02/2026	मिथु	22/09/2027	वृष	18/05/2028	मेष	03/06/2029	मीन	10/10/2030
मिथु	16/04/2026	वृष	21/10/2027	मेष	10/06/2028	मीन	01/08/2029	वृश्चि	27/10/2030
वृष	16/08/2026	मेष	03/11/2027	मीन	13/07/2028	वृश्चि	10/09/2029	तुला	07/12/2030
मेष	09/10/2026	मीन	21/11/2027	वृश्चि	05/08/2028	तुला	13/12/2029	कन्या	30/12/2030
मीन	25/12/2026	वृश्चि	04/12/2027	तुला	27/09/2028	कन्या	04/02/2030	कर्क	22/02/2031
वृश्चि	17/02/2027	तुला	02/01/2028	कन्या	26/10/2028	कर्क	06/06/2030	सिंह	07/03/2031
तुला	19/06/2027	कन्या	19/01/2028	कर्क	03/01/2029	सिंह	05/07/2030	मिथु	30/03/2031
कन्या	27/08/2027	कर्क	26/02/2028	सिंह	20/01/2029	मिथु	27/08/2030	वृष	10/05/2031

वृश्चि - वृश्चि		वृश्चि - तुला		वृश्चि - कन्या		वृश्चि - कर्क		वृश्चि - सिंह	
10/05/2031		05/11/2031		18/12/2032		05/08/2033		24/01/2035	
05/11/2031		18/12/2032		05/08/2033		24/01/2035		01/06/2035	
वृश्चि	22/05/2031	तुला	09/01/2032	कन्या	08/01/2033	कर्क	26/11/2033	सिंह	30/01/2035
तुला	20/06/2031	कन्या	15/02/2032	कर्क	25/02/2033	सिंह	23/12/2033	मिथु	11/02/2035
कन्या	06/07/2031	कर्क	11/05/2032	सिंह	08/03/2033	मिथु	09/02/2034	वृष	03/03/2035
कर्क	13/08/2031	सिंह	31/05/2032	मिथु	29/03/2033	वृष	06/05/2034	मेष	12/03/2035
सिंह	22/08/2031	मिथु	07/07/2032	वृष	05/05/2033	मेष	12/06/2034	मीन	25/03/2035
मिथु	07/09/2031	वृष	11/09/2032	मेष	21/05/2033	मीन	05/08/2034	वृश्चि	03/04/2035
वृष	05/10/2031	मेष	09/10/2032	मीन	13/06/2033	वृश्चि	12/09/2034	तुला	23/04/2035
मेष	18/10/2031	मीन	19/11/2032	वृश्चि	29/06/2033	तुला	07/12/2034	कन्या	05/05/2035
मीन	05/11/2031	वृश्चि	18/12/2032	तुला	05/08/2033	कन्या	24/01/2035	कर्क	01/06/2035

वृश्चि - मिथु		वृश्चि - वृष		वृश्चि - मेष		वृश्चि - मीन		तुला - तुला	
01/06/2035		17/01/2036		01/03/2037		27/08/2037		09/05/2038	
17/01/2036		01/03/2037		27/08/2037		09/05/2038		30/11/2040	
मिथु	21/06/2035	वृष	22/03/2036	मेष	13/03/2037	मीन	21/09/2037	तुला	06/10/2038
वृष	28/07/2035	मेष	20/04/2036	मीन	31/03/2037	वृश्चि	09/10/2037	कन्या	29/12/2038
मेष	13/08/2035	मीन	31/05/2036	वृश्चि	13/04/2037	तुला	19/11/2037	कर्क	14/07/2039
मीन	05/09/2035	वृश्चि	28/06/2036	तुला	11/05/2037	कन्या	12/12/2037	सिंह	29/08/2039
वृश्चि	21/09/2035	तुला	02/09/2036	कन्या	28/05/2037	कर्क	04/02/2038	मिथु	22/11/2039
तुला	28/10/2035	कन्या	09/10/2036	कर्क	04/07/2037	सिंह	17/02/2038	वृष	19/04/2040
कन्या	18/11/2035	कर्क	03/01/2037	सिंह	13/07/2037	मिथु	12/03/2038	मेष	24/06/2040
कर्क	05/01/2036	सिंह	23/01/2037	मिथु	29/07/2037	वृष	22/04/2038	मीन	25/09/2040
सिंह	17/01/2036	मिथु	01/03/2037	वृष	27/08/2037	मेष	09/05/2038	वृश्चि	30/11/2040

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

तुला - कन्या		तुला - कर्क		तुला - सिंह		तुला - मिथु		तुला - वृष	
30/11/2040		09/05/2042		18/09/2045		07/07/2046		15/12/2047	
09/05/2042		18/09/2045		07/07/2046		15/12/2047		07/07/2050	
कन्या	16/01/2041	कर्क	22/01/2043	सिंह	02/10/2045	मिथु	23/08/2046	वृष	13/05/2048
कर्क	06/05/2041	सिंह	25/03/2043	मिथु	29/10/2045	वृष	15/11/2046	मेष	17/07/2048
सिंह	02/06/2041	मिथु	13/07/2043	वृष	14/12/2045	मेष	22/12/2046	मीन	18/10/2048
मिथु	19/07/2041	वृष	25/01/2044	मेष	04/01/2046	मीन	13/02/2047	वृश्चि	23/12/2048
वृष	11/10/2041	मेष	20/04/2044	मीन	02/02/2046	वृश्चि	22/03/2047	तुला	22/05/2049
मेष	17/11/2041	मीन	21/08/2044	वृश्चि	23/02/2046	तुला	14/06/2047	कन्या	14/08/2049
मीन	09/01/2042	वृश्चि	15/11/2044	तुला	10/04/2046	कन्या	31/07/2047	कर्क	26/02/2050
वृश्चि	14/02/2042	तुला	30/05/2045	कन्या	07/05/2046	कर्क	19/11/2047	सिंह	14/04/2050
तुला	09/05/2042	कन्या	18/09/2045	कर्क	07/07/2046	सिंह	15/12/2047	मिथु	07/07/2050

तुला - मेष		तुला - मीन		तुला - वृश्चि		कन्या - कन्या		कन्या - कर्क	
07/07/2050		20/08/2051		26/03/2053		09/05/2054		01/03/2055	
20/08/2051		26/03/2053		09/05/2054		01/03/2055		20/01/2057	
मेष	05/08/2050	मीन	17/10/2051	वृश्चि	24/04/2053	कन्या	05/06/2054	कर्क	24/07/2055
मीन	14/09/2050	वृश्चि	27/11/2051	तुला	29/06/2053	कर्क	06/08/2054	सिंह	28/08/2055
वृश्चि	13/10/2050	तुला	29/02/2052	कन्या	04/08/2053	सिंह	21/08/2054	मिथु	29/10/2055
तुला	18/12/2050	कन्या	21/04/2052	कर्क	29/10/2053	मिथु	17/09/2054	वृष	16/02/2056
कन्या	23/01/2051	कर्क	22/08/2052	सिंह	19/11/2053	वृष	03/11/2054	मेष	05/04/2056
कर्क	19/04/2051	सिंह	20/09/2052	मिथु	25/12/2053	मेष	24/11/2054	मीन	13/06/2056
सिंह	10/05/2051	मिथु	12/11/2052	वृष	01/03/2054	मीन	23/12/2054	वृश्चि	31/07/2056
मिथु	16/06/2051	वृष	14/02/2053	मेष	30/03/2054	वृश्चि	13/01/2055	तुला	19/11/2056
वृष	20/08/2051	मेष	26/03/2053	मीन	09/05/2054	तुला	01/03/2055	कन्या	20/01/2057

कन्या - सिंह		कन्या - मिथु		कन्या - वृष		कन्या - मेष		कन्या - मीन	
20/01/2057		03/07/2057		25/04/2058		03/10/2059		20/05/2060	
03/07/2057		25/04/2058		03/10/2059		20/05/2060		14/04/2061	
सिंह	28/01/2057	मिथु	30/07/2057	वृष	18/07/2058	मेष	19/10/2059	मीन	22/06/2060
मिथु	12/02/2057	वृष	15/09/2057	मेष	24/08/2058	मीन	11/11/2059	वृश्चि	15/07/2060
वृष	10/03/2057	मेष	06/10/2057	मीन	15/10/2058	वृश्चि	27/11/2059	तुला	05/09/2060
मेष	21/03/2057	मीन	04/11/2057	वृश्चि	21/11/2058	तुला	03/01/2060	कन्या	05/10/2060
मीन	07/04/2057	वृश्चि	25/11/2057	तुला	13/02/2059	कन्या	24/01/2060	कर्क	13/12/2060
वृश्चि	18/04/2057	तुला	11/01/2058	कन्या	02/04/2059	कर्क	12/03/2060	सिंह	29/12/2060
तुला	15/05/2057	कन्या	07/02/2058	कर्क	21/07/2059	सिंह	23/03/2060	मिथु	28/01/2061
कन्या	30/05/2057	कर्क	10/04/2058	सिंह	17/08/2059	मिथु	13/04/2060	वृष	22/03/2061
कर्क	03/07/2057	सिंह	25/04/2058	मिथु	03/10/2059	वृष	20/05/2060	मेष	14/04/2061

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

चर दशा

भोग्य दशा काल : मीन 5 वर्ष 0 मास 0 दिन

मीन 5 वर्ष	
11/08/1982	
12/08/1987	
मेष	11/01/1983
वृष	12/06/1983
मिथु	11/11/1983
कर्क	11/04/1984
सिंह	10/09/1984
कन्या	10/02/1985
तुला	12/07/1985
वृश्चि	11/12/1985
धनु	12/05/1986
मक	11/10/1986
कुंभ	12/03/1987
मीन	12/08/1987

मेष 6 वर्ष	
12/08/1987	
11/08/1993	
वृष	10/02/1988
मिथु	11/08/1988
कर्क	10/02/1989
सिंह	11/08/1989
कन्या	10/02/1990
तुला	11/08/1990
वृश्चि	10/02/1991
धनु	12/08/1991
मक	10/02/1992
कुंभ	11/08/1992
मीन	10/02/1993
मेष	11/08/1993

वृष 2 वर्ष	
11/08/1993	
12/08/1995	
मेष	11/10/1993
मीन	11/12/1993
कुंभ	10/02/1994
मक	12/04/1994
धनु	12/06/1994
वृश्चि	11/08/1994
तुला	11/10/1994
कन्या	11/12/1994
सिंह	10/02/1995
कर्क	12/04/1995
मिथु	12/06/1995
वृष	12/08/1995

मिथुन 2 वर्ष	
12/08/1995	
11/08/1997	
वृष	12/10/1995
मेष	11/12/1995
मीन	10/02/1996
कुंभ	11/04/1996
मक	11/06/1996
धनु	11/08/1996
वृश्चि	11/10/1996
तुला	11/12/1996
कन्या	10/02/1997
सिंह	11/04/1997
कर्क	11/06/1997
मिथु	11/08/1997

कर्क 3 वर्ष	
11/08/1997	
11/08/2000	
मिथु	10/11/1997
वृष	10/02/1998
मेष	12/05/1998
मीन	11/08/1998
कुंभ	11/11/1998
मक	10/02/1999
धनु	12/05/1999
वृश्चि	12/08/1999
तुला	11/11/1999
कन्या	10/02/2000
सिंह	12/05/2000
कर्क	11/08/2000

सिंह 1 वर्ष	
11/08/2000	
11/08/2001	
कन्या	10/09/2000
तुला	11/10/2000
वृश्चि	10/11/2000
धनु	11/12/2000
मक	10/01/2001
कुंभ	10/02/2001
मीन	12/03/2001
मेष	11/04/2001
वृष	12/05/2001
मिथु	11/06/2001
कर्क	12/07/2001
सिंह	11/08/2001

कन्या 1 वर्ष	
11/08/2001	
11/08/2002	
तुला	11/09/2001
वृश्चि	11/10/2001
धनु	10/11/2001
मक	11/12/2001
कुंभ	10/01/2002
मीन	10/02/2002
मेष	12/03/2002
वृष	12/04/2002
मिथु	12/05/2002
कर्क	12/06/2002
सिंह	12/07/2002
कन्या	11/08/2002

तुला 9 वर्ष	
11/08/2002	
12/08/2011	
वृश्चि	12/05/2003
धनु	10/02/2004
मक	10/11/2004
कुंभ	11/08/2005
मीन	12/05/2006
मेष	10/02/2007
वृष	11/11/2007
मिथु	11/08/2008
कर्क	12/05/2009
सिंह	10/02/2010
कन्या	11/11/2010
तुला	12/08/2011

वृश्चिक 11 वर्ष	
12/08/2011	
11/08/2022	
तुला	11/07/2012
कन्या	11/06/2013
सिंह	12/05/2014
कर्क	12/04/2015
मिथु	12/03/2016
वृष	10/02/2017
मेष	10/01/2018
मीन	11/12/2018
कुंभ	11/11/2019
मक	11/10/2020
धनु	11/09/2021
वृश्चि	11/08/2022

धनु 10 वर्ष	
11/08/2022	
11/08/2032	
वृश्चि	12/06/2023
तुला	11/04/2024
कन्या	10/02/2025
सिंह	11/12/2025
कर्क	11/10/2026
मिथु	12/08/2027
वृष	11/06/2028
मेष	11/04/2029
मीन	10/02/2030
कुंभ	11/12/2030
मक	12/10/2031
धनु	11/08/2032

मकर 4 वर्ष	
11/08/2032	
11/08/2036	
धनु	11/12/2032
वृश्चि	11/04/2033
तुला	11/08/2033
कन्या	11/12/2033
सिंह	12/04/2034
कर्क	11/08/2034
मिथु	11/12/2034
वृष	12/04/2035
मेष	12/08/2035
मीन	11/12/2035
कुंभ	11/04/2036
मक	11/08/2036

कुम्भ 5 वर्ष	
11/08/2036	
11/08/2041	
मीन	10/01/2037
मेष	11/06/2037
वृष	10/11/2037
मिथु	12/04/2038
कर्क	11/09/2038
सिंह	10/02/2039
कन्या	12/07/2039
तुला	11/12/2039
वृश्चि	12/05/2040
धनु	11/10/2040
मक	12/03/2041
कुंभ	11/08/2041

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

चर दशा - प्रत्यन्तर

धनु - सिंह		धनु - कर्क		धनु - मिथु		धनु - वृष		धनु - मेष	
10/02/2025		11/12/2025		11/10/2026		12/08/2027		11/06/2028	
11/12/2025		11/10/2026		12/08/2027		11/06/2028		11/04/2029	
कन्या	07/03/2025	मिथु	05/01/2026	वृष	06/11/2026	मेष	06/09/2027	वृष	06/07/2028
तुला	01/04/2025	वृष	31/01/2026	मेष	01/12/2026	मीन	01/10/2027	मिथु	01/08/2028
वृश्चि	27/04/2025	मेष	25/02/2026	मीन	26/12/2026	कुंभ	27/10/2027	कर्क	26/08/2028
धनु	22/05/2025	मीन	22/03/2026	कुंभ	21/01/2027	मक	21/11/2027	सिंह	20/09/2028
मक	16/06/2025	कुंभ	17/04/2026	मक	15/02/2027	धनु	16/12/2027	कन्या	16/10/2028
कुंभ	12/07/2025	मक	12/05/2026	धनु	12/03/2027	वृश्चि	11/01/2028	तुला	10/11/2028
मीन	06/08/2025	धनु	06/06/2026	वृश्चि	07/04/2027	तुला	05/02/2028	वृश्चि	06/12/2028
मेष	31/08/2025	वृश्चि	02/07/2026	तुला	02/05/2027	कन्या	02/03/2028	धनु	31/12/2028
वृष	26/09/2025	तुला	27/07/2026	कन्या	28/05/2027	सिंह	27/03/2028	मक	25/01/2029
मिथु	21/10/2025	कन्या	22/08/2026	सिंह	22/06/2027	कर्क	21/04/2028	कुंभ	20/02/2029
कर्क	16/11/2025	सिंह	16/09/2026	कर्क	17/07/2027	मिथु	17/05/2028	मीन	17/03/2029
सिंह	11/12/2025	कर्क	11/10/2026	मिथु	12/08/2027	वृष	11/06/2028	मेष	11/04/2029

धनु - मीन		धनु - कुंभ		धनु - मक		धनु - धनु		मक - धनु	
11/04/2029		10/02/2030		11/12/2030		12/10/2031		11/08/2032	
10/02/2030		11/12/2030		12/10/2031		11/08/2032		11/12/2032	
मेष	07/05/2029	मीन	07/03/2030	धनु	06/01/2031	वृश्चि	06/11/2031	वृश्चि	21/08/2032
वृष	01/06/2029	मेष	02/04/2030	वृश्चि	31/01/2031	तुला	01/12/2031	तुला	31/08/2032
मिथु	27/06/2029	वृष	27/04/2030	तुला	25/02/2031	कन्या	27/12/2031	कन्या	10/09/2032
कर्क	22/07/2029	मिथु	22/05/2030	कन्या	23/03/2031	सिंह	21/01/2032	सिंह	20/09/2032
सिंह	16/08/2029	कर्क	17/06/2030	सिंह	17/04/2031	कर्क	15/02/2032	कर्क	01/10/2032
कन्या	11/09/2029	सिंह	12/07/2030	कर्क	12/05/2031	मिथु	12/03/2032	मिथु	11/10/2032
तुला	06/10/2029	कन्या	06/08/2030	मिथु	07/06/2031	वृष	06/04/2032	वृष	21/10/2032
वृश्चि	31/10/2029	तुला	01/09/2030	वृष	02/07/2031	मेष	01/05/2032	मेष	31/10/2032
धनु	26/11/2029	वृश्चि	26/09/2030	मेष	27/07/2031	मीन	27/05/2032	मीन	10/11/2032
मक	21/12/2029	धनु	21/10/2030	मीन	22/08/2031	कुंभ	21/06/2032	कुंभ	20/11/2032
कुंभ	15/01/2030	मक	16/11/2030	कुंभ	16/09/2031	मक	17/07/2032	मक	01/12/2032
मीन	10/02/2030	कुंभ	11/12/2030	मक	12/10/2031	धनु	11/08/2032	धनु	11/12/2032

मक - वृश्चि		मक - तुला		मक - कन्या		मक - सिंह		मक - कर्क	
11/12/2032		11/04/2033		11/08/2033		11/12/2033		12/04/2034	
11/04/2033		11/08/2033		11/12/2033		12/04/2034		11/08/2034	
तुला	21/12/2032	वृश्चि	22/04/2033	तुला	21/08/2033	कन्या	21/12/2033	मिथु	22/04/2034
कन्या	31/12/2032	धनु	02/05/2033	वृश्चि	31/08/2033	तुला	31/12/2033	वृष	02/05/2034
सिंह	10/01/2033	मक	12/05/2033	धनु	11/09/2033	वृश्चि	10/01/2034	मेष	12/05/2034
कर्क	20/01/2033	कुंभ	22/05/2033	मक	21/09/2033	धनु	20/01/2034	मीन	22/05/2034
मिथु	30/01/2033	मीन	01/06/2033	कुंभ	01/10/2033	मक	31/01/2034	कुंभ	01/06/2034
वृष	10/02/2033	मेष	11/06/2033	मीन	11/10/2033	कुंभ	10/02/2034	मक	12/06/2034
मेष	20/02/2033	वृष	21/06/2033	मेष	21/10/2033	मीन	20/02/2034	धनु	22/06/2034
मीन	02/03/2033	मिथु	02/07/2033	वृष	31/10/2033	मेष	02/03/2034	वृश्चि	02/07/2034
कुंभ	12/03/2033	कर्क	12/07/2033	मिथु	10/11/2033	वृष	12/03/2034	तुला	12/07/2034
मक	22/03/2033	सिंह	22/07/2033	कर्क	21/11/2033	मिथु	22/03/2034	कन्या	22/07/2034
धनु	01/04/2033	कन्या	01/08/2033	सिंह	01/12/2033	कर्क	02/04/2034	सिंह	01/08/2034
वृश्चि	11/04/2033	तुला	11/08/2033	कन्या	11/12/2033	सिंह	12/04/2034	कर्क	11/08/2034

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

चर दशा - प्रत्यन्तर

मक - मिथु	
11/08/2034	
11/12/2034	
वृष	22/08/2034
मेष	01/09/2034
मीन	11/09/2034
कुंभ	21/09/2034
मक	01/10/2034
धनु	11/10/2034
वृश्चि	21/10/2034
तुला	01/11/2034
कन्या	11/11/2034
सिंह	21/11/2034
कर्क	01/12/2034
मिथु	11/12/2034

मक - वृष	
11/12/2034	
12/04/2035	
मेष	21/12/2034
मीन	31/12/2034
कुंभ	11/01/2035
मक	21/01/2035
धनु	31/01/2035
वृश्चि	10/02/2035
तुला	20/02/2035
कन्या	02/03/2035
सिंह	12/03/2035
कर्क	23/03/2035
मिथु	02/04/2035
वृष	12/04/2035

मक - मेष	
12/04/2035	
12/08/2035	
वृष	22/04/2035
मिथु	02/05/2035
कर्क	12/05/2035
सिंह	22/05/2035
कन्या	02/06/2035
तुला	12/06/2035
वृश्चि	22/06/2035
धनु	02/07/2035
मक	12/07/2035
कुंभ	22/07/2035
मीन	02/08/2035
मेष	12/08/2035

मक - मीन	
12/08/2035	
11/12/2035	
मेष	22/08/2035
वृष	01/09/2035
मिथु	11/09/2035
कर्क	21/09/2035
सिंह	01/10/2035
कन्या	12/10/2035
तुला	22/10/2035
वृश्चि	01/11/2035
धनु	11/11/2035
मक	21/11/2035
कुंभ	01/12/2035
मीन	11/12/2035

मक - कुंभ	
11/12/2035	
11/04/2036	
मीन	22/12/2035
मेष	01/01/2036
वृष	11/01/2036
मिथु	21/01/2036
कर्क	31/01/2036
सिंह	10/02/2036
कन्या	20/02/2036
तुला	02/03/2036
वृश्चि	12/03/2036
धनु	22/03/2036
मक	01/04/2036
कुंभ	11/04/2036

मक - मक	
11/04/2036	
11/08/2036	
धनु	21/04/2036
वृश्चि	01/05/2036
तुला	12/05/2036
कन्या	22/05/2036
सिंह	01/06/2036
कर्क	11/06/2036
मिथु	21/06/2036
वृष	01/07/2036
मेष	11/07/2036
मीन	22/07/2036
कुंभ	01/08/2036
मक	11/08/2036

कुंभ - मीन	
11/08/2036	
10/01/2037	
मेष	24/08/2036
वृष	05/09/2036
मिथु	18/09/2036
कर्क	01/10/2036
सिंह	13/10/2036
कन्या	26/10/2036
तुला	08/11/2036
वृश्चि	20/11/2036
धनु	03/12/2036
मक	16/12/2036
कुंभ	28/12/2036
मीन	10/01/2037

कुंभ - मेष	
10/01/2037	
11/06/2037	
वृष	23/01/2037
मिथु	04/02/2037
कर्क	17/02/2037
सिंह	02/03/2037
कन्या	15/03/2037
तुला	27/03/2037
वृश्चि	09/04/2037
धनु	22/04/2037
मक	04/05/2037
कुंभ	17/05/2037
मीन	30/05/2037
मेष	11/06/2037

कुंभ - वृष	
11/06/2037	
10/11/2037	
मेष	24/06/2037
मीन	07/07/2037
कुंभ	19/07/2037
मक	01/08/2037
धनु	14/08/2037
वृश्चि	26/08/2037
तुला	08/09/2037
कन्या	21/09/2037
सिंह	03/10/2037
कर्क	16/10/2037
मिथु	29/10/2037
वृष	10/11/2037

कुंभ - मिथु	
10/11/2037	
12/04/2038	
वृष	23/11/2037
मेष	06/12/2037
मीन	19/12/2037
कुंभ	31/12/2037
मक	13/01/2038
धनु	26/01/2038
वृश्चि	07/02/2038
तुला	20/02/2038
कन्या	05/03/2038
सिंह	17/03/2038
कर्क	30/03/2038
मिथु	12/04/2038

कुंभ - कर्क	
12/04/2038	
11/09/2038	
मिथु	24/04/2038
वृष	07/05/2038
मेष	20/05/2038
मीन	01/06/2038
कुंभ	14/06/2038
मक	27/06/2038
धनु	09/07/2038
वृश्चि	22/07/2038
तुला	04/08/2038
कन्या	16/08/2038
सिंह	29/08/2038
कर्क	11/09/2038

कुंभ - सिंह	
11/09/2038	
10/02/2039	
कन्या	24/09/2038
तुला	06/10/2038
वृश्चि	19/10/2038
धनु	01/11/2038
मक	13/11/2038
कुंभ	26/11/2038
मीन	09/12/2038
मेष	21/12/2038
वृष	03/01/2039
मिथु	16/01/2039
कर्क	28/01/2039
सिंह	10/02/2039

कुंभ - कन्या	
10/02/2039	
12/07/2039	
तुला	23/02/2039
वृश्चि	07/03/2039
धनु	20/03/2039
मक	02/04/2039
कुंभ	14/04/2039
मीन	27/04/2039
मेष	10/05/2039
वृष	22/05/2039
मिथु	04/06/2039
कर्क	17/06/2039
सिंह	30/06/2039
कन्या	12/07/2039

कुंभ - तुला	
12/07/2039	
11/12/2039	
वृश्चि	25/07/2039
धनु	07/08/2039
मक	19/08/2039
कुंभ	01/09/2039
मीन	14/09/2039
मेष	26/09/2039
वृष	09/10/2039
मिथु	22/10/2039
कर्क	03/11/2039
सिंह	16/11/2039
कन्या	29/11/2039
तुला	11/12/2039

कुंभ - वृश्चि	
11/12/2039	
12/05/2040	
तुला	24/12/2039
कन्या	06/01/2040
सिंह	18/01/2040
कर्क	31/01/2040
मिथु	13/02/2040
वृष	26/02/2040
मेष	09/03/2040
मीन	22/03/2040
कुंभ	04/04/2040
मक	16/04/2040
धनु	29/04/2040
वृश्चि	12/05/2040

योग कारक

किसी भी जन्मकुंडली में ग्रह, अपने स्वामित्व तथा स्थिति के अनुसार, सकारात्मक या नकारात्मक फल देते हैं। ये ग्रह विभिन्न दशा काल में भिन्न-भिन्न प्रकार से आचरण करते हैं, जो दशा स्वामी की स्थिति तथा उससे ग्रह के संबंध पर आधारित है। सुविधा के लिए हमने ग्रह के शुभ तत्वों की संगणना प्रतिशत में की है। 50 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले ग्रहों को लाभकारक तथा उससे नीचे हानिकारक समझना चाहिए। इस सूचना को आधार बनाकर आप अपनी जन्मकुंडली में दशा के प्रभावों का अध्ययन स्वयं ही कर सकते हैं। इसी तरह इन आंकड़ों द्वारा गोचर के प्रभाव का भी अध्ययन किया जा सकता है।

योग कारक एवं मारक

लग्न के लिए	:	योग कारक	-	गुरु, चंद्र, मंगल
		मारक	-	सूर्य, शुक्र, शनि
जन्मकुंडली के लिए	:	योग कारक	-	केतु, राहु, चंद्र
		मारक	-	शनि, सूर्य, शुक्र

जन्मकुंडली में ग्रह बल

सूर्य	41%	सन्तति सुख, शत्रु व रोग मुक्ति
चन्द्र	57%	धन, सन्तति सुख
मंगल	47%	दुर्घटना से बचाव, धन, भाग्योदय
बुध	48%	शत्रु व रोग मुक्ति, सुख, दम्पति
गुरु	51%	दुर्घटना से बचाव, व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
शुक्र	45%	सन्तति सुख, पराक्रम, दुर्घटना से बचाव
शनि	40%	दम्पति, धनार्जन, कम खर्च
राहु	69%	सुख, शत्रु व रोग मुक्ति
केतु	80%	व्यावसायिक उन्नति, दुर्घटना से बचाव

दशा काल में ग्रह बल

दशा	समाप्ति	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
शुक्र	18/01/2000	58	48	54	55	56	85	51	65	71
सूर्य	18/01/2006	83	73	67	42	69	60	26	40	46
चन्द्र	18/01/2016	64	91	42	71	44	53	38	40	62
मंगल	18/01/2023	65	59	86	30	88	55	38	57	71
राहु	18/01/2041	26	34	46	42	60	53	63	97	46
गुरु	18/01/2057	65	59	86	30	88	42	38	69	58
शनि	18/01/2076	26	34	29	55	44	53	82	79	58
बुध	18/01/2093	51	51	42	86	44	53	38	53	75
केतु	18/01/2100	26	51	54	59	44	53	40	40	102

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	2
भाग्यांक	3
मित्र अंक	2, 7, 8, 3
शत्रु अंक	4, 5, 6
शुभ वर्ष	20,29,38,47,56
शुभ दिन	सोम, मंगल, गुरु
शुभ ग्रह	चन्द्र, मंगल, गुरु
मित्र राशि	कर्क, धनु
मित्र लग्न	मिथुन, वृश्चिक, मकर
अनुकूल देवता	हनुमान
शुभ रत्न	पुखराज
शुभ उपरत्न	सुनहला, पीला हकीक
भाग्य रत्न	मूंगा
शुभ धातु	कांसा
शुभ रंग	पीत
शुभ दिशा	पूर्वोत्तर
शुभ समय	संध्या
दान पदार्थ	हल्दी, पुस्तक, पीत पुष्प
दान अन्न	दाल चना
दान द्रव्य	घी

रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशियों को पूर्णमात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं। यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की युति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नों में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकुण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही कौन सा ग्रह किस क्षेत्र में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को 75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसके रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिन्हें 50-75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उन्हें कार्य क्षेत्र अनुसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल 25-50 प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अन्ततः जिन्हें 25 प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समझें और उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	ग्रह	शुभता	क्षेत्र
मोती	चंद्र	81%	धन, सन्तति सुख
पुखराज	गुरु	78%	दुर्घटना से बचाव, व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
मूंगा	मंगल	61%	दुर्घटना से बचाव, धन, भाग्योदय
माणिक्य	सूर्य	55%	सन्तति सुख, शत्रु व रोग मुक्ति
गोमेद	राहु	55%	सुख, शत्रु व रोग मुक्ति
नीलम	शनि	47%	दाम्पत्य कष्ट, हानि, व्यय
लहसुनिया	केतु	44%	व्यावसायिक हानि, दुर्घटना
पन्ना	बुध	22%	शत्रु व रोग, ग्रह कलेश, दाम्पत्य कष्ट
हीरा	शुक्र	12%	सन्तति कष्ट, पराक्रम हानि, दुर्घटना

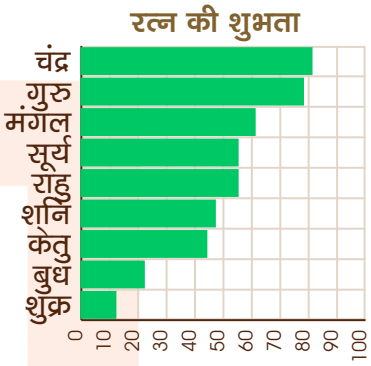

दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मोती	मूंगा	पन्ना	पुखराज	हीरा	नीलम	गोमेद	लहसुनिया
शुक्र	18/01/2000	34%	69%	61%	34%	78%	38%	55%	61%	53%
सूर्य	18/01/2006	67%	88%	67%	22%	84%	0%	22%	34%	19%
चंद्र	18/01/2016	61%	94%	61%	34%	78%	12%	47%	34%	19%
मंगल	18/01/2023	61%	88%	73%	0%	84%	12%	47%	34%	53%
राहु	18/01/2041	34%	69%	47%	22%	78%	25%	55%	67%	19%
गुरु	18/01/2057	61%	88%	67%	0%	91%	0%	47%	55%	44%
शनि	18/01/2076	34%	69%	47%	34%	78%	25%	61%	61%	19%
बुध	18/01/2093	61%	69%	61%	47%	78%	25%	47%	55%	44%
केतु	18/01/2100	34%	69%	67%	22%	78%	25%	22%	34%	59%

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विस्तृत रत्न विचार

औषधि मणि मंत्राणां, ग्रह-नक्षत्र तारिका ।
भाग्यकाले भवेत्सिद्धिः अभाग्यं निष्फलं भवेत ।।

औषधि, मणि एवं मंत्र ग्रह नक्षत्र जनित रोगों को दूर करते हैं। यदि समय सही है तो इनसे उपयुक्त फल प्राप्त होते हैं। विपरीत समय में ये सभी निष्फल हो जाते हैं।

रत्न शरीर की शोभा बढ़ाने के साथ साथ अपनी चमत्कारिक शक्ति द्वारा ग्रहों के विपरीत प्रभावों को कम करके ग्रह बल को बढ़ाते है। रत्न हमारे शरीर में ग्रहों से आ रही किरणों का प्रवाह बढ़ाते हैं। अतः जो ग्रह आपकी कुण्डली में शुभ हो लेकिन निर्बल हो उनका रत्न पहनने से ग्रह की निर्बलता दूर होती है। यही कारण है कि अशुभ ग्रहों के रत्न सर्वदा त्याज्य है।

रत्न जितना साफ व सही कटाव का होगा उतना ही अधिक रश्मियों को एकत्रित करने में सक्षम होता है। अतः अच्छी गुणवत्ता के रत्न ही पूर्णतः फल देने में समर्थ होते है। रत्न का वजन व शरीर का वजन ग्रह की निर्बलता के अनुपात में होना चाहिए। यदि ग्रह बहुत कमजोर है तो अधिक वजन का रत्न पहनना चाहिए। हीरे को छोड़कर रत्न शरीर से छुना अति आवश्यक हैं। अंगूली में व विशेष धातु में पहनने से रत्न का प्रभाव अधिकतम होता है।

यदि किसी कारणवश रत्न उतारना है तो रत्न के वार के दिन ही उतारकर श्रद्धापूर्वक गंगाजल में धोकर सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए। यदि रत्न खो जाए या चोरी हो जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह दोष खत्म हो गया है। यदि रत्न का रंग फिका पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह का अशुभ प्रभाव शांत हुआ समझना चाहिए। यदि रत्न में दरार पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह प्रभावशाली है तब ग्रह की शांति कराए तथा दूसरा रत्न बनवाकर पुनः पहनें।

कुंडली में जो ग्रह अशुभ हो उनके लिए रुद्राक्ष धारण, मंत्र, दान, जल, विसर्जन एवं व्रत आदि उपायों से ग्रहों की अशुभता को दूर किया जा सकता है। यदि आप किसी कारणवश रत्न धारण करने में असमर्थ है तो आप इन रत्नों के रुद्राक्ष या उपरत्न धारण कर ग्रह शुभता प्राप्त कर सकते है अन्यथा मंत्र जाप। दान या व्रत आदि से भी ग्रहों का बलाबल बढ़ा सकते है।

किसी भी कुंडली के लिए लग्नेश जीवन रत्न होता है और इसके धारण करने से स्वास्थ्य लाभ व व्यक्तित्व विकास व मान-सम्मान प्राप्त होता है। नवमेश का रत्न भाग्य रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से भाग्य की बढ़ोतरी होते है। साथ ही यह रत्न मान-प्रतिष्ठा भी बढ़ाता है। योगकारक या पंचमेश ग्रह का रत्न। कारक रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से कार्य में प्रगति। धन लाभ व चौमुखी विकास प्राप्त होता है। आपको कौन सा रत्न पहनना चाहिए व कौन सा नहीं इसके लाभ/हानि की जानकारी विस्तृत रूप में नीचे दी जा रही है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न। द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान सिद्ध हो सकता है।

आपकी कुंडली और रत्न

आपके लिए मोती व पुखराज रत्न धारण करना अति शुभ फलदायक है। इन्हें आप सर्वदा धारण करेंगे तो आपके जीवन का चहुंमुखी विकास होगा। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

पुखराज आपका जीवन रत्न है इसको धारण करने से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी।

मोती आपका कारक रत्न है। कारक रत्न के धारण करने से व्यावसायिक उन्नति प्राप्त होती है। धन लाभ होता है। सुख सम्पत्ति की प्राप्ति होती है। जीवन में नयी ऊर्जा का प्रवाह होता है।

अतः उपरोक्त रत्न आप अवश्य धारण करें। सभी रत्न जीवन पर्यन्त धारण करने से ग्रहों की विशेष शुभता प्राप्त होगी और जीवन सुखमय होकर गतिमान होगा। उपरोक्त रत्न आप बिना किसी दशा या गोचर विचार के धारण कर सकते हैं क्योंकि सभी रत्न अति शुभफलदायी हैं।

आपके लिए मूंगा, माणिक्य एवं गोमेद रत्न शुभ हैं लेकिन ये रत्न दशानुसार शुभाशुभ फल देने में सक्षम है। अतः इन्हें आप स्वदशा या मित्र दशा में धारण करेंगे तो ये शुभ फल देंगे। शत्रु दशा में इनको नहीं पहनना ही बेहतर होगा। उस समय इन ग्रहों के उपाय आप रुद्राक्ष पहन कर या दान, मंत्र जाप आदि से करना श्रेष्ठ होगा।

नीलम व लहसुनिया रत्न आपके लिए नेष्ट हैं। अतः इन्हें न पहनना ही बेहतर है। यदि आप इन रत्नों को धारण करते हैं तो इनकी अनुकूलता का परिक्षण अवश्य कर लें। अनुकूलता होने पर ही इन्हें धारण करें, अन्यथा शीघ्र अति शीघ्र उतार दें। इन रत्नों के धारण करने से आपको मानसिक परेशानी, स्वास्थ्य में कमी या धन हानि हो सकती है।

पन्ना व हीरा रत्न पहनना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि इनके स्वामी ग्रह आपकी कुंडली में बिल्कुल भी शुभ फलदायक नहीं हैं। अतः इन रत्नों का आप सर्वदा त्याग ही करें। इनके पहनने से आपको सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य के पक्ष से विपरीत फल प्राप्त हो सकते हैं। मान-सम्मान में कमी, धन-धान्य का अभाव तथा उन्नति बाधित हो सकती है। इन रत्नों का आप जीवन पर्यन्त ही त्याग करें क्योंकि ये रत्न किसी भी दशा या गोचर में शुभफलदायी नहीं हो सकते।

विभिन्न रत्न आपके लिए किस प्रकार से फलदायी रहेंगे एवं उनकी धारण विधि का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है :-

मोती

आपकी कुंडली में चंद्र द्वितीय भाव में स्थित है। इसलिए आपको चंद्र रत्न मोती धारण करना चाहिए। मोती रत्न आपके लिए शुभ रत्न है इससे आप मधुरभाषी, सहनशील एवं शांति प्रिय व्यक्तित्व के स्वामी होंगे। पारिवारिक स्नेह को सुखद बनाये रखने में मोती अहम भूमिका निभा सकता है। मोती रत्न से धन-धान्य और परिवार में सम्मान की प्राप्ति होगी। मोती रत्न आपकी त्याग भावना, बुद्धिमानी, चंचलता और यश को बढ़ायेगा। चंद्र की शुभता प्राप्ति के लिए आपका मोती रत्न धारण करना शुभ रहेगा। इस रत्न की शुभता से परिवार में धन आगमन बना रहेगा।

आपकी मीन लग्न की कुंडली में चंद्र पंचमेश है। पंचमेश चंद्र का मोती रत्न धारण कर आप चंद्र की शुभता वृद्धि कर सकते है। यह रत्न आपको मन की शांति देगा तथा आपकी मानसिक चिंताओं को दूर करेगा। मोती रत्न की शुभता से आपके यश एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी हो सकती है। मोती रत्न धारण कर आप मधुरभाषी, उच्च मनोबल, दूरदशी एवं योग्य व्यक्ति बन सकते है। इस रत्न की शुभता से अनेक विद्याओं का धनी बना सकती है। मोती शुभ रत्न होकर आपके संतान पक्ष को प्रबल रख सकता है। रत्न प्रभाव से जीवन साथी के प्रति आपकी स्नेह वृद्धि हो सकती है।

मोती रत्न चांदी की अंगूठी में जड़वाकर, कनिष्ठिका अंगूली में, सोमवार को प्रातः काल में धारण करना शुभ है। प्रातः काल की सभी क्रियाओं को करने के बाद इस रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर शुद्ध कर लें। तत्पश्चात इसकी धूप, दीप, फूल से पूजा करने के बाद इसे धारण करना चाहिए। रत्न धारण करने के पश्चात चंद्र मंत्र ऊँ सौं सौमाय नमः का एक माला जाप रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। तदुपरांत चंद्र वस्तुओं जैसे- चावल, चीनी, चांदी, श्वेत वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मोती रत्न कम से कम ४ रत्ती से १० रत्ती का धारण करना शुभफलकारी होता है।

मोती रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न धारण करने से बचना चाहिए। मोती रत्न अंगूठी रूप के अलावा लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। विशेष आवश्यकता होने पर आप मोती रत्न के उपरत्न जैसे - सफेद मूल स्टोन, सफेद हकीक एवं २ मुखी रुद्राक्ष आदि भी धारण कर सकते है।

पुखराज

आपकी कुंडली में गुरु अष्टम भाव में स्थित है। इसलिए आपको गुरु रत्न पुखराज धारण करना चाहिए। पुखराज रत्न की शुभता से आप को पैतृक धन की प्राप्ति हो सकती है। यह रत्न आपको दीर्घायु प्रदान कर आपको चिरंजीवी बनायेगा। रत्न प्रभाव से आपको तीर्थ यात्राएं करने के अवसर प्राप्त हो सकते है। स्वजनों से अत्यधिक लगाव बनाये रखेगा। पुखराज आपको पारिवारिक संस्कार और परम्पराओं का पालन करने में सुख का अनुभव करायेगा। पुखराज रत्न से आपको अच्छ मित्रों की संगति प्राप्त होगी।

आपकी मीन लग्न की कुंडली में गुरु लग्नेश एवं दसमेश है। आप गुरु रत्न पुखराज रत्न धारण कर सकते है। पुखराज रत्न धारण से आपके स्वास्थ्य सुख में वृद्धि हो सकती है। रत्न शुभता से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली हो सकता है। माता-पिता सुख में बढ़ोतरी करने में पुखराज रत्न की शुभता प्राप्त हो सकती है। इसके अतिरिक्त पुखराज रत्न आपकी आरोग्यता को बढ़ाएगा। पारिवारिक सुख प्राप्ति के लिए भी पुखराज रत्न की शुभता आपके लिए बनी हुई है। पुखराज रत्न दशमेश का रत्न होने के कारण आपके आजीविका क्षेत्र को शुभ रख आपको उन्नति और सफलता के प्रर्याप्त अव्सर दे सकता है।

इस रत्न को स्वर्ण धातु में जड़वाकर, गुरुवार के दिन प्रातःकाल में सभी प्रकार से शुद्ध होने के बाद रत्न को धूप, दीप दिखाकर तर्जनी अंगूली में धारण करना चाहिए। पुखराज रत्न धारण करने के बाद ऊँ बृं बृहस्पतये नमः का एक माला जाप ५ मुखी रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। जप पूर्ण करने के बाद किसी जरुरतमंद को गुरु ग्रह से संबंधित पदार्थो का दान अपने सामर्थ्यशक्ति के अनुसार करना चाहिए। गुरु ग्रह की वस्तुएं इस प्रकार है- चने की दाल, हल्दी, पीला वस्त्र। यह रत्न कम से कम ४ रत्ती से लेकर 8 रत्ती का धारण किया जा सकता है।

पुखराज रत्न के साथ हीरा और गोमेद रत्न धारण करना अनुकूल फलदायक नहीं रहता है। विशेष आवश्यकता होने पर आप इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। किसी कारणवश यदि पुखराज रत्न आप धारण न कर पाएं तो आप इसके उपरत्न सुनहला, पीला हकीक, पीताम्बरी रत्न एवं ५ मुखी रुद्राक्ष धारण करें।

मूंगा

आपकी कुण्डली में मंगल अष्टम भाव में स्थित है। मंगल की पूर्ण शुभता प्राप्त करने के लिए आपको मंगल रत्न मूंगा धारण करना चाहिए। मूंगा रत्न आपके जीवन क्षेत्र की बाधाओं को दूर करेगा। रत्न शुभता से आपके अनेक कार्य आपके शुभचिन्तकों के द्वारा पूर्ण होंगे। आप नियम-कानून का सख्ती से पालन करेंगे। मूंगा रत्न आपको दुर्घटना, अप्रत्याशित घटनाओं से बचाएगा। यह रत्न आपके धन संचय के लिए भी अनुकूल है। रत्न शुभता से आपको आमदनी भी बहुत अच्छी होगी। मूंगा रत्न आपके दाम्पत्य जीवन को सुखमय बनाए रखने में सहयोग कर सकता है। मूंगा रत्न की शुभता से आपकी वाणी में मधुरता आएगी।

आपकी मीन लग्न की कुंडली में मंगल द्वितीयेश एवं नवमेश है। मंगल रत्न मूंगा धारण कर आप मंगल की पूर्ण शुभता प्राप्त कर सकते है। मूंगा रत्न प्रभाव से आपकी धन वृद्धि हो सकती है। इसकी शुभता से आपकी पारिवारिक वृद्धि हो सकती है। माता-पिता का सुख सहयोग आपको प्राप्त होगा। मूंगा रत्न भूमि-भवन संपति का सुख आपको दे सकता है। रत्न शुभता आपके दांपत्य जीवन को सुखमय बनाये रखने में सहयोगी सिद्ध हो सकता है। यह रत्न आपको आय के उत्तम साधन उपलब्ध करा सकता है। भाग्य भाव का रत्न होने के कारण यह रत्न आपके भाग्योदय का रत्न सिद्ध हो सकता है।

मूंगा रत्न अनामिका अंगूली में, चांदी धातु में जड़वाकर मंगलवार को प्रातः काल में स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर इस रत्न को पंचामृत से शुद्ध कर अपने ईष्ट देव का पूजन करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। मूंगा रत्न धारण करने के पश्चात

मंगल मंत्र ऊँ अं अंगारकाय नमः का १ माला जाप करना चाहिए। इसके पश्चात मंगल वस्तुएं जैसे - गेहूं, गुड़, तांबा, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मूंगा रत्न कम से कम ६ रत्ती से लेकर अधिकतम ८ रत्ती तक का धारण करना शुभ रहता है।

मूंगा रत्न धारण करने के बाद इस रत्न के साथ हीरा, गोमेद एवं नीलम रत्न को धारण करना अनुकूल नहीं माना गया है। यदि आप इस रत्न को अंगूठी रूप में धारण न कर पाएं तो आप इसे लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते है। यह रत्न रजत धातु के अलावा स्वर्ण धातु में भी धारण किया जा सकता है। मूंगा रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में आप इस रत्न के उपरत्न लाल हकीक एवं ३ मुखी रुद्राक्ष भी आप धारण कर सकते है।

माणिक्य

आपकी कुंडली में सूर्य पंचम भाव में स्थित है। आपको सूर्य माणिक्य धारण करना चाहिए। माणिक्य रत्न आप सदाचार मार्ग का पालन करते है। आप अपने क्रोध पर नियन्त्रण रखने में सफल होंगे। यह रत्न आपको हाजिरजवाब बनायेगा। इसकी शुभता से आपकी लेखन क्षमता का विस्तार होगा। आपकी परामर्श शक्ति का विकास होगा। सूर्य रत्न माणिक्य व्यापार और व्यवसाय को बेहतर करेगा। संतान सुख बढ़ेगा। जीवन के सभी क्षेत्रों में अनुकूल तरक्की होगी। संतान मेधावी और कुल का नाम करती है। माणिक्य रत्न आपके लिए शुभदायक रहेगा।

आपकी मीन लग्न की कुंडली में सूर्य षष्ठेश है। सूर्य ग्रह के सभी शुभ प्राप्त करने के लिए आप सूर्य रत्न माणिक्य धारण कर सकते है। माणिक्य रत्न की शुभता से आपके रोग शांत रह सकते है। यह रत्न आपके शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में भी उपयोगी भूमिका निभा सकता है। माणिक्य रत्न आपकी मेहनत योग्यता में वृद्धि कर सकता है। इस रत्न को धारण कर आप कोर्ट कचहरी में चल रहे मामलों में विजयी प्राप्त कर सकते है। नौकरी क्षेत्र में यह रत्न आपको उच्च पद प्राप्ति में सहयोग सिद्ध हो सकता है। जीवन की विपरीत परिस्थितियों का आप पूर्ण पुरुषार्थ से मुकाबला करेंगे।

यह रत्न अनामिका अंगूली, स्वर्ण धातु में जड़वाकर रविवार को प्रातः काल में स्नानादि से निवृत होकर धारण करना चाहिए। पंचामृत से रत्न को शुद्ध करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। धारण करने के पश्चात सूर्य मंत्र ऊँ घृणि सूर्याय नमः का कम से कम १ माला जाप करना चाहिए। तद्पश्चात सूर्य वस्तुएं जैसे- गेहूं, गुड़, चंदन, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। माणिक्य रत्न कम से कम ४ रत्ती से लेकर ८ रत्ती तक का धारण करना लाभकारी रहता है।

माणिक्य रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न को धारण करने से बचना चाहिए। अति आवश्यकता में इन्हें आप लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते है। आवश्यकता में यह रत्न चांदी धातु में भी धारण किया जा सकता है। यदि आप माणिक्य रत्न पहनने में किसी प्रकार से असमर्थ है तो आप इसके स्थान पर लाल तुरमली, गुलाबी हकीक, गारनेट एवं एक मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते है।

गोमेद

आपकी कुंडली में राहु चतुर्थ भाव में स्थित है। आपको राहु रत्न गोमेद धारण करना चाहिए। गोमेद रत्न धारण करने से आपके साहस भाव में वृद्धि होगी। सरकारी पक्ष से सहयोग प्राप्त होगा। प्रशासनिक व्यक्तियों के द्वार आपका हित साधन हो सकता है। यह रत्न आपको माता से सुख देगा। भ्रम की स्थिति दूर होगी। आपके पास भौतिक सुख-सुविधाओं का भंड़ार हो सकता है। विदेश प्रवास अनुकूल होगा। नौकरी के क्षेत्र में राहु ग्रह की शुभता प्राप्त होगी। गोमेद रत्न आजीविका क्षेत्र में शुभता बनाये रखेगा।

राहु मिथुन राशि में स्थित है व इसका स्वामी बुध षष्ठ भाव में स्थित है। अतः गोमेद रत्न धारण करने से आप अपने शत्रुओं पर चातुर्य से सफलता प्राप्त करेंगे। आपको शत्रुओं पर अनायास ही विजय प्राप्त होगी। यह रत्न आपको उदार हृदय और सामान्य से अधिक बुद्धिमान बना रहा है। आप विद्वान, ऐश्वर्यवान होकर ऋण मुक्त जीवन-यापन करेंगे। इस रत्न को धारण करने से आपके रोगों में कमी होगी। आप गंभीरता के साथ अपने प्रतियोगियों को परास्त करेंगे। आपको उच्च प्रतिष्ठा, सुख और प्रभुता की प्राप्ति होगी। रत्न शुभता आपको बड़े कार्य करने के अवसर देगी। शत्रु आपसे भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त यह रत्न आपको अनेक प्रकार के सुख देगा।

गोमेद रत्न अष्टधातु से निर्मित अंगूठी को शनिवार के दिन सूर्यास्त काल में सभी प्रकार से स्वयं शुद्ध होकर रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से स्नान करायें। इसके बाद रत्न का धूप, दीप और फूल से पूजन कर मध्यमा अंगूली में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात राहु मंत्र ऊँ रां राहवे नमः का १०८ बार जाप करें और फिर इस ग्रह की वस्तुएं जैसे- तिल, तेल, कंबल, नीले वस्त्र आदि का दान करें। गोमेद रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8-10 रत्ती होना चाहिए।

गोमेद रत्न धारण करने के बाद इस रत्न के साथ माणिक्य, मोती एवं मूंगा रत्न धारण करने से बचना चाहिए। अंगूठी रूप में इस रत्न को धारण न कर पाने की स्थिति में इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी पहना जा सकता है। विशेष परिस्थितियों में रत्न के स्थान पर इसके उपरत्न गोमेद या ८ मुखी रुद्राक्ष को भी धारण करना श्रेष्ठकर रहता है।

नीलम

आपकी कुंडली में शनि सप्तम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः शनि रत्न नीलम धारण करने पर आपको शनि जनित क्षेत्रों में व्यवसाय करना हानि दे सकता है। नीलम रत्न वैवाहिक जीवन में आपको अच्छे परिणाम नहीं दे पाएगा। जीवन साथी का स्वभाव मनोनुकूल न होने के कारण आपका दांपत्य जीवन दुष्प्रभावी हो सकता है। नीलम रत्न आपकी भाग्य हानि कर सकता है। ठेकेदारी, कोयला, लोहा एवं खदानों आदि से जुड़े कामों में व्यापार करने पर हानि दे सकता है। मातृ सुख, परिवार सुख और स्वास्थ्य पक्ष से यह नीलम रत्न आपको प्रतिकूल परिणाम दे सकता है। विदेशी माल में एजेन्ट के काम में भी यह रत्न हानि का कारण बन सकता है।

आपकी मीन लग्न की कुंडली में शनि एकादशेश एवं द्वादशेश है। शनि रत्न नीलम आपके लाभ में कमी और व्ययों में वृद्धि कर सकता है। रत्न धारण से आपकी आय के विभिन्न स्त्रोतों को नियंत्रित कर सकते है। शनि रत्न नीलम आपकी व्यय शक्ति का विकास करेगा। नीलम रत्न आपके आजीविका क्षेत्रों के मार्गों को आंशिक रूप से अवरुद्ध कर सकता है। आय देर से और मंद गति से प्राप्त हो सकती है। लक्ष्यों को पूर्ण करने के लिए आपको एक से अधिक बार प्रयास करने पड़ सकते है। रत्न प्रभाव आपके व्ययों को स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर केन्द्रित कर सकता है। नीलम रत्न प्रभाव से बाह्य संदर्भों से आय प्राप्ति कमजोर हो सकती है। रत्न धारण के बाद आप कुछ आलसी प्रवृति के हो सकते है।

लहसुनिया

आपकी कुंडली में केतु दशम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः केतु रत्न लहसुनिया धारण कर आप की बौद्धिक योग्यता में कमी आ सकती है। रत्न प्रभाव से आपकी दार्शनिक प्रवृति का ह्रास हो सकता है। दूसरों के लिए आपमें ईष्र्या का भाव आ सकता है। अयोग्य पात्र को भी आप आश्रय दे सकते है। जीवन में आपको उत्तम संपदा की कमी हो सकती है। आपके कारण स्वजनों को भी कष्ट हो सकता है। लहसुनिया रत्न आपके दुर्भाग्य में वृद्धि कर सकता है। यह रत्न आपको कार्यक्षेत्र में दुर्घटनाएं दे सकता है। इस रत्न के कारण आपके पिता से अच्छे संबंधों में कमी हो सकती है। लहसुनिया रत्न आपके विरोधियों को बढ़ा सकता है। यात्राओं की अधिकता से कष्ट दे सकता है। आप मानसिक रूप से असंतुष्ट रह सकते हैं।

केतु धनु राशि में स्थित है व इसका स्वामी गुरु आठवें भाव में स्थित है। अतः लहसुनिया रत्न धारण करने से आपकी आयु में कमी होगी। आप असाध्य रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। बुरे मित्रों से आपके संबंध हो सकते हैं। यह रत्न आपमें साहस की कमी करेगा तथा आपमें उतावलापन देगा। धन संचय करना आपके लिए बेहद कठिन होगा। इस रत्न से आपके मान-सम्मान में कमी हो सकती है। यह रत्न आपकी वृद्धावस्था में कष्ट का कारण बन सकता है। रत्न प्रतिकूलता आपकी भाषा में अशिष्टता का भाव देगी। इस रत्न को पहनकर आप दुरूसाधनों से धन संचय का प्रयास करेंगे। यह रत्न आपको अवैध धन कमाने की ओर अग्रसर करेगा।

पन्ना

आपकी कुंडली में बुध षष्ठ भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः बुध रत्न पन्ना धारण करने से आपमें विवेकशीलता की कमी हो सकती है। यह रत्न आपके आत्मविश्वास भाव और पुरुषार्थ भाव को कमजोर कर सकता है। आपको शत्रुभय परेशान कर सकता है। आपके शत्रु चातुर्य और नीति योग्यता के प्रभाव से आपकी सफलता को बाधित कर सकते है। तार्किक बुद्धि का सहयोग आपको पूरा नहीं मिल पाएगा। बौद्धिकता योग्यता का सहयोग प्राप्त न होने के कारण आप बाहुबल से धनार्जन करने का प्रयास कर सकते है। आपके व्यय गलत कार्यों पर हो सकते है। पन्ना रत्न आपके विनोदी स्वभाव को बढ़ा सकता है।

आपकी मीन लग्न की कुंडली में बुध चतुर्थेश एवं सप्तमेश है। बुध रत्न पन्ना आपकी शिक्षा में रुकावटें देने के बाद पूर्ण कर सकता है। रत्न प्रभाव से विलम्ब के बाद आपको सरकारी नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। पन्ना रत्न आपके मातृ पक्ष, हर प्रकार की संपत्ति और घर गृहस्थी के सुखों में कमी कर सकता है। पन्ना रत्न आपके दांपत्य के वातावरण को कष्टमय बना सकता है। साझेदारी कार्यी में भी रत्न प्रभाव से प्रतिकूल फल प्राप्त हो सकते है। रत्न प्रभाव से आपके माता से वैचारिक मतभेद हो सकते है। पन्ना रत्न कीर्ति, धन एवं दुष्ट संगति में आ सकते है। पन्ना रत्न पहनने पर आप अपव्ययी हो सकते है।

हीरा

आपकी कुंडली में शुक्र पंचम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः शुक्र रत्न हीरा धारण करने पर आपके मित्र विश्वसनीय नहीं होंगे। यह रत्न आपको दान-पुण्य के कार्यी से विमुख कर सकता है। हीरा रत्न धारण करने पर आपका ध्यान शिक्षा ग्रहण और अध्ययन कार्यी में कम तथा अन्य विषयों पर अधिक हो सकता है। विपरीत लिंग संगति के कारण आपकी शैक्षिक सफलता प्रभावित हो सकती है। यह रत्न आपको मनोरंजन के क्षेत्रों में कार्यरत कर सकता है। आर्थिक स्थिति को प्रबल करने में आपको अत्यधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। शुक्र रत्न हीरा धारण करने पर आपका जीवन लक्ष्य ललितकलाओं, नाटक, संगीत इत्यादि से जुड़ा हो सकता है। रत्न प्रभाव से कविताओं और लेखन में आपकी रुचि बढ़ सकती है।

आपकी मीन लग्न की कुंडली में शुक्र तृतीयेश एवं अष्टमेश है। शुक्र रत्न हीरा आपके व्यक्तित्व के तेज में कमी कर सकता है। रत्न प्रभाव आपके कार्यों की निपुणता में न्यूनता देगा। यह रत्न साहस और पराक्रम दोनों का सहयोग आपको प्राप्त नहीं होने देगा। विषयों को सूक्ष्मता से समझने का गुण यह रत्न आपको दे सकता है। हीरा रत्न प्रभाव से आपकी माता को कष्ट हो सकता है। यह रत्न आपको वात रोग दे सकता है। वैवाहिक जीवन के सुख भी रत्न प्रभाव से बाधित हो सकते है। इस रत्न को धारण करने के बाद आपकी जीवनशैली घूमने फिरने की अधिक हो सकती है। हीरा रत्न जीवन के विशेष विषयों में आपको परिवर्तन करना सुखद लग सकता है।

दशानुसार रत्न विचार

राहु
(18/01/2023 - 18/01/2041)

राहु की दशा में आपका पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

मोती, गोमेद व नीलम रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मूंगा, माणिक्य व हीरा रत्न नेष्ट हैं और पन्ना व लहसुनिया रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर

सकते हैं।

गुरु
(18/01/2041 - 18/01/2057)

गुरु की दशा में आपका पुखराज व मोती रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

मूंगा, माणिक्य व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

नीलम व लहसुनिया रत्न नेष्ट हैं और पन्ना व हीरा रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

शनि
(18/01/2057 - 18/01/2076)

शनि की दशा में आपका पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

मोती, नीलम व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मूंगा, माणिक्य, पन्ना व हीरा रत्न नेष्ट हैं और लहसुनिया रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

बुध
(18/01/2076 - 18/01/2093)

बुध की दशा में आपका पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

मोती, माणिक्य, मूंगा व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पन्ना, नीलम, लहसुनिया व हीरा रत्न नेष्ट हैं नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

केतु
(18/01/2093 - 18/01/2100)

केतु की दशा में आपका पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

मोती, मूंगा व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

माणिक्य, गोमेद व हीरा रत्न नेष्ट हैं और पन्ना व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

रूद्राक्ष

रूद्राक्ष को शिव का अश्रु कहा जाता है। रुद्राक्ष दो शब्दों के मेल से बना है पहला रूद्र का अर्थ होता है भगवान शिव और दूसरा अक्ष इसका अर्थ होता है आंसू। माना जाता है की रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। रुद्राक्ष भगवान शिव के नेत्रों से प्रकट हुई वह मोती स्वरूप बूँदें हैं जिसे ग्रहण करके समस्त प्रकृति में आलौकिक शक्ति प्रवाहित हुई तथा मानव के हृदय में पहुँचकर उसे जागृत करने में सहायक हो सकी।

रूद्राक्ष की भारतीय ज्योतिष में भी काफी उपयोगिता है। ग्रहों के दुष्प्रभाव को नष्ट करने में रूद्राक्ष का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है, जो अपने आप में एक अचूक उपाय है। गम्भीर रोगों में यदि जन्मपत्री के अनुसार रूद्राक्ष का उपयोग किया जाये तो आश्चर्यचकित परिणाम देखने को मिलते है। रूद्राक्ष की शक्ति व सामर्थ्य उसके धारीदार मुखों पर निर्भर होती है। रुद्राक्ष सिद्धिदायक, पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक, तथा मोक्ष प्रदान करने वाला है।

एक मुखी से लेकर चौदह मुखी तक रूद्राक्ष विशेष रूप से पाए जाते है, उनकी अलौकिक शक्ति और क्षमता अलग-अलग मुख रूप में दर्शित होती है। रूद्राक्ष धारण करने से जहां आपको ग्रहों से लाभ प्राप्त होगा वहीं आप शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। रुद्राक्ष का स्पर्श, दर्शन, उस पर जप करने से, उस की माला को धारण करने से समस्त पापो का और विघ्नों का नाश होता है ऐसा महादेव का वरदान है, परन्तु धारण की उचित विधि और भावना शुद्ध होनी चाहिए।

रूद्राक्ष दाने पर उभरी हुई धारियों के आधार पर रूद्राक्ष के मुख निर्धारित किये जाते हैं। रूद्राक्ष के बीचों-बीच एक सिरे से दूसरे सिरे तक एक रेखा होती है जिसे मुख कहा जाता है। रूद्राक्ष में यह रेखाएं या मुख एक से 14 मुखी तक होते हैं और कभी-कभी 15 से 21 मुखी तक के रूद्राक्ष भी देखे गए हैं। आधी या टूटी हुई लाईन को मुख नहीं माना जाता है। जितनी लाईनें पूरी तरह स्पष्ट हों उतने ही मुख माने जाते हैं।

पुराणों में प्रत्येक रुद्राक्ष का अलग-अलग महत्व और उपयोगिता का उल्लेख किया गया है -

एक मुखी - सूर्य ग्रह - स्वास्थ्य, सफलता, मान-सम्मान, आत्म - विश्वास, आध्यात्म, प्रसन्नता, अनायास धनप्राप्ति, रोगमुक्ति तथा व्यक्तित्व में निखार और शत्रुओं पर विजय प्राप्त कराता है।

दो मुखी - चंद्र ग्रह- वैवाहिक सुख, मानसिक शान्ति, सौभाग्य वृद्धि, एकाग्रता, आध्यात्मिक उन्नति, पारिवारिक सौहार्द, व्यापार में सफलता और स्त्रियों के लिए इसे सबसे उपयुक्त माना गया है।

तीन मुखी - मंगल ग्रह- शत्रु शमन और रक्त सम्बन्धी विकार को दूर करने में सहायक होता है ।

चार मुखी - बुध ग्रह- शिक्षा, ज्ञान, बुद्धि - विवेक, और कामशक्ति में वृद्धि प्राप्त कराता है।

पांच मुखी - गुरु ग्रह- शारीरिक आरोग्यता, अध्यात्म उन्नति, मानसिक शांति और प्रसन्नता के लिए भी इसका उपयोग किया होता है।

छः मुखी - शुक्र ग्रह - प्रेम सम्बन्ध, आकर्षण, स्मरण शक्ति में वृद्धि, तीव्र बुद्धि, कार्यो में पूर्णता और व्यापार में आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त कराता है।

सात मुखी - शनि ग्रह- शनि दोष निवारण, धन-संपत्ति, कीर्ति, विजय प्राप्ति, और कार्य व्यापार आदि में बढ़ोतरी कराने वाला है।

आठ मुखी - राहू ग्रह- राहु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, ज्ञानप्राप्ति, चित्त में एकाग्रता, मुकदमे में विजय, दुर्घटनाओं तथा प्रबल शत्रुओं से रक्षा, व्यापार में सफलता और उन्नतिकारक है।

नौ मुखी - केतू ग्रह- केतु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, सुख-शांति, व्यापार वृद्धि, धारक की अकालमृत्यु नहीं होती तथा आकस्मिक दुर्घटना का भी भय नहीं रहता।

10 मुखी - भगवान महावीर- कार्य क्षेत्र में प्रगति, स्थिरता व वृद्धि, सम्मान, कीर्ति, विभूति, धन प्राप्ति, लौकिक-पारलौकिक कामनाएँ पूर्ण होती हैं।

11 मुखी - इंद्र ग्रह- आर्थिक लाभ व समृद्धिशाली जीवन, किसी विषय का अभाव नहीं रहता तथा सभी संकट और कष्ट दूर हो जाते हैं।

12 मुखी - भगवान विष्णु ग्रह- विदेश यात्रा, नेतृत्व शक्ति प्राप्ति, शक्तिशाली, तेजस्वी बनाता है। ब्रह्मचर्य रक्षा, चेहरे का तेज और ओज बना रहता है। शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा मिट जाती है।

13 मुखी - इंद्र ग्रह- सर्वजन आकर्षण व मनोकामना प्राप्ति, यश-कीर्ति, मान-प्रतिष्ठा व कामदेव का प्रतीक है। उपरी बाधा और नजर दोष से बचाव के लिए विशेष उपयोगी है।

14 मुखी - शनि ग्रह- आध्यात्मिक उन्नति, शक्ति, धन प्राप्ति व कष्टनिवारक हैं। शनि की साढ़ेसाती या ढैया में विशेष कष्टनिवारक है।

आपकी कुंडली और रूद्राक्ष

आपकी कुंडली मीन लग्न की है। आपका व्यक्तित्व गुरु के समान है। आप थोड़े से जिद्दी, धार्मिक और संयमी स्वभाव के है। गुरु के समान आदर और सम्मान प्राप्त कर सकते हैं। बहुत जल्दी लोगों के बीच में अपनी जगह बना लेते है। आपके चहरे पर एक तेज होता हैं। आप अच्छे वक्ता, गुरु और सलाहकार साबित हो सकते हैं। साथ ही आप थोड़े से पारंपरिक भी हैं, अतः आसानी से अपनी जड़ों से दूर नहीं जा पाते। आपको आसानी से गुस्सा नहीं आता परन्तु जब आता है तो अत्यधिक आता है।

आपकी प्रकृति गंभीर है, और आप सभी बातें भूल सकते है। परन्तु अपनी परम्परा और सिद्धांतों को नहीं भूल सकते। धर्म का पालन करना आपके जीवन का अभिन्न अंग है। आप

महत्वकांशी है, आपको स्वतन्त्र रहना पसंद है, बड़ो की बातों पर अमल करते है। आत्मविश्वासी है, और अपने कार्यो में आपको दक्षता प्राप्त हैं। साथ ही आपने दृढ निश्चय का गुण होता है। इसी कारण कार्यो को समय पर पूरा करा लेते हैं। आपकी कार्यप्रणाली साही और सरल होती है परन्तु आप लोक अक्सर ज्ञान बाँटते हुए दिखाई देते हैं। आप गलती करने पर सजा भी देते हैं और कभी-कभी नम्र और कभी-कभी कठोर भी बन जाते हैं।

कुंडली में षष्ट भाव का पीड़ित होना या इस भाव में अन्य ग्रहों का स्थित होना उपरोक्त सभी वस्तुओं में अशुभता लाता हैं। अष्टम भाव से आयु, बिना कमाया हुआ धन, मृत्यु का कारण व समय, अवनति तथा राज्यभंग की जानकारी प्राप्त होती हैं। अष्टम भाव की तरह द्वादश भाव में भी सभी ग्रह अनिष्ट करते है। द्वादश भाव भी त्रिक भाव है। यह भाव आपकी निद्रा, धन का निवेश, विवाह में विलम्ब, अधिकार का नाश, कैद, शरीर विकार तथा हानियों की जानकारी देता है।

6, 8, 12 भावों के स्वामियों और इन भावों में स्थित ग्रहों में अशुभता का अंश पाया जाता हैं। जिसके फलस्वरूप ये आपके जीवन को समय समय पर बाधित करते रहते हैं। व 6, 8, 12 भाव के स्वामी तथा इन भावों में स्थित ग्रह अपनी महादशा-अन्तर्दशा में अनिष्ट तथा अशुभ फल देते है।

आपके लग्न के लिए सूर्य षष्टेश, शुक्र अष्टमेश व तृतीयेश, मंगल द्वादशेश तथा नवमेश हैं। षष्ठ, अष्टम व द्वादश भाव दुष्ट व अशुभ स्थान हैं। अपनी कुंडली की शुभता में वृद्धि करने के लिए आपको छः, आठ व बारहवें भाव- भावेश को शुभता प्रदान करनी होगी। कुंडली के ये भाव आपको रोग, ऋण, शत्रु, बाधाएं, देने के साथ साथ दैहिक, सामाजिक, मानसिक, आर्थिक या पारिवारिक कष्ट दे सकते हैं। इन सभी विषयों के साथ साथ षष्ट भाव प्रतियोगिता, संघर्ष तथा सौतेली माता का भी भाव है।

बुध षष्ठ भाव में स्थित हैं, बुध की यह स्थिति आपके अपमान का कारण, चतुरता से शत्रुओं का दमन, मामा सुख प्राप्ति का कारक, मित्रों-छोटे भाई बहनों से शत्रुवत सम्बन्ध दे सकता हैं। परोपकारी, श्रेष्ठ वक्ता, आलोचक और व्याधिक्य का गुण देता हैं।

यह आपके शारीरिक सौन्दर्य में न्यूनता, आय क्षेत्र में बाधाएं, अल्प आय, आर्थिक चिंता, कुटुंब से अल्प सुख, पुरुषार्थ में वृद्धि होगी। दीर्घकालीन रोग आपकी चिंताएं बढ़ा सकते हैं। मंगल का अष्टम भाव में स्थित होने से आप मांगलिक योग से पीड़ित है। दाम्पत्य जीवन कष्टकारी हो सकता है। संतान को भी कष्ट की संभावनाएं, प्रवास में धन हानि, मुख, नेत्र व कान के रोग, ऋण ग्रस्तता बढ़ोतरी हो रही है।

गुरु का अष्टम भाव में स्थित होने से पैतृक संपति का नाश हो सकता है। बुद्धि विवेक से धनार्जन करने में सफल, माता के सहयोग से भाग्योन्नति, उन्नति में विलम्ब, कारावास संभव। आपका भाग्योदय विलम्ब से होगा। संघर्षो के उपरान्त आपको कार्यो में सफलता, धन और यश की प्राप्ति होगी। व्यय शुभ कार्यो पर होंगे। धन, कुटुंब और विद्या से सुख की प्राप्ति होगी। माता, घर, जमीन -जायदाद और वाहन सुख दे रहे हैं।

इन सभी के फलों में शुभता प्राप्त करने के लिए आपको 1, 3, 4, 6, 7 मुखी रुद्राक्षों का कवच धारण करना चाहिए। यह कवच सफेद धागे में डालकर सोमवार को गंगाजल से शुद्ध कर ॐ नम शिवाय मंत्र के 108 बार जप कर धारण करना चाहिए। तदुपरांत शिवजी को कच्चा दूध चढ़ाए। क्षमतानुसार दान करे। इस प्रकार आपके जीवन में आने वाले कष्टों से छुटकारा मिलेगा एवं विशेष कष्टों में न्यूनता आएगी। कुंडली के सभी ग्रहों को शुभता प्रदान करने के लिए आप शिव कृपा रुद्राक्ष माला जो एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष से निर्मित होती है, भी धारण कर सकते हैं। एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष माला अद्भुत व चमत्कारी फल प्रदान करती हैं।

उपरोक्त कवच बिना दशा, गोचर विचार के आपको जीवन भर धारण करना चाहिए। क्योंकि यह कवच जन्म लग्न एवं उसमें स्थित ग्रहों के अवगुणों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक हैं।

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड़ता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	21/12/1984-01/06/1985	17/09/1985-17/12/1987	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	02/06/1995-10/08/1995	16/02/1996-17/04/1998	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	17/04/1998-07/06/2000	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	07/06/2000-23/07/2002	08/01/2003-07/04/2003	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	06/09/2004-13/01/2005	26/05/2005-01/11/2006	10/01/2007-16/07/2007

द्वितीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	02/11/2014-26/01/2017	21/06/2017-26/10/2017	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	29/03/2025-03/06/2027	20/10/2027-23/02/2028	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	03/06/2027-20/10/2027	23/02/2028-08/08/2029	05/10/2029-17/04/2030
साढेसाती तृतीय ढैया	08/08/2029-05/10/2029	17/04/2030-31/05/2032	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	13/07/2034-27/08/2036	----------	----------

तृतीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	11/12/2043-23/06/2044	30/08/2044-08/12/2046	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	14/05/2054-02/09/2054	05/02/2055-07/04/2057	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	07/04/2057-27/05/2059	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	27/05/2059-11/07/2061	13/02/2062-07/03/2062	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	24/08/2063-06/02/2064	09/05/2064-13/10/2065	03/02/2066-03/07/2066

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया	सम	बदनामी
साढेसाती प्रथम ढैया	सम	स्वास्थ्य
साढेसाती द्वितीय ढैया	अशुभ	धन
साढेसाती तृतीय ढैया	शुभ	पराक्रम
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम	सन्तति कष्ट

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर-कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

****

आपके जन्म समय में मंगल जन्म कुंडली में अष्टम भाव में स्थित है अतः आप एक मांगलिक पुरुष हैं। परन्तु आपकी कुण्डली में शास्त्रानुसार मंगली दोष समाप्त हो जाता है अतः आपको इसके अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे। इससे आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बिना किसी विघ्न बाधाओं के समाप्त होंगे। यदा कदा अल्प मात्रा में पत्नी का स्वास्थ्य प्रभावित होगा लेकिन किसी भी प्रकार से कोई हानि नहीं होगी। साथ ही इसके शुभ प्रभाव से आप उत्तम शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे एवं भाई बहनों का भी पूर्ण सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा अपना सम्पूर्ण जीवन सुख सौभाग्य एवं ऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत करेंगे।

यद्यपि यह मंगल आपके लिए शुभ होगा परन्तु इसके प्रभाव से विवाह में थोड़ा विलम्ब हो सकता है। विवाह अत्यन्त ही सुखद वातावरण में सम्पन्न होगा तथा इसमें आपको किसी भी प्रकार की अनावश्यक समस्याओं एवं विघ्नों का सामना नहीं करना पड़ेगा। शादी के पश्चात भी जीवन सुखी रहेगा लेकिन यदा कदा इससे पत्नी का स्वास्थ्य प्रभावित होगा परन्तु आपके सभी कार्य व्यवधान रहित सम्पन्न होते रहेंगे। आप जीवन में पूर्ण सुख तथा आनन्द की अनुभूति करेंगे।

आपकी कुण्डली में मंगल अष्टम भाव में स्थित है अतः आपके सभी सांसारिक व्यापारिक तथा परिवारिक कार्य प्रायः निर्विघ्न रूप से समाप्त होंगे। अपने सभी कार्यों में आप सफलता प्राप्त करते रहेंगे। कभी कभी पत्नी का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। एकादश भाव पर मंगल की दृष्टि से आपके लाभमार्ग हमेशा प्रशस्त रहेंगे तथा जीवन में आर्थिक रूप से प्रायः सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही धनैश्वर्य से भी सुसम्पन्न रहेंगे। द्वितीय भाव पर मंगल की दृष्टि होने से आप उच्च शिक्षा को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। तथापि यदा कदा कार्य में बाधाएं उपस्थित

होंगी परन्तु आप उसे दूर करने में सफल होंगे। साथ ही आपका पारिवारिक जीवन भी सुख एवं शान्ति से परिपूर्ण रहेगा। तृतीय भाव पर भी मंगल की दृष्टि होने से आप भाई बहनों से युक्त रहेंगे एवं जीवन में उनसे भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सौभाग्यशाली सिद्ध होंगे। मंगल के इस शुभ प्रभाव से आपका जीवन सुखद एवं आनन्द पूर्वक व्यतीत होगा।

अपने दाम्पत्य जीवन को और अधिक सुखमय एवं आनन्दमय बनाने के लिए आपको किसी ऐसी गैरमांगलिक या मांगलिक कन्या से विवाह करना चाहिए जिसका उचित नियमानुसार मांगलिक दोष समाप्त हो रहा हो। इस प्रकार यदि आप विवाह करेंगे तो आपका दाम्पत्य जीवन अत्यन्त ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। सभी प्रकार से आप जीवन में पूर्ण सौभाग्य, धनैश्वर्य एवं मान सम्मान प्राप्त करके समाज में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में यश अर्जित करेंगे।

इसके अतिरिक्त जन्म पत्री मिलान के समय अष्टम भाव में ही यदि कन्या की जन्म कुण्डली में मंगल स्थित हो तो इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए क्योंकि समान भावों में मंगल होने से आपके जीवन में शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा पत्नी का स्वास्थ्य भी खराब रहेगा। अन्य भावों में स्थित मंगल शुभ प्रभावों में वृद्धि करेगा तथा आपका दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः सावधानी पूर्वक सोच विचार कर अन्तिम निर्णय लेना चाहिए जिससे जीवन में किसी भी प्रकार से अशान्ति या कष्ट उत्पन्न न हो सके।

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि

आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मकुण्डली में शंखपाल नामक कालसर्प योग केवल अनुदित रूप में विद्यमान है। अनुदित योग पूर्ण रूप से कालसर्प योग की परिभाषा में नहीं आता, लेकिन फिर भी इसका कुछ फल अवश्य मिलता है। परिणामस्वरूप घर-द्वार जमीन-जायदाद, चल-अचल सम्बन्धी वस्तुओं पर थोड़ा बहुत कठिनाईयाँ आती हैं और उससे जातक को बेवजह चिन्ता कभी-कभी घेर लेती है तथा विद्या प्राप्ति में आंशिक रूप से तकलीफ उठानी पड़ती है।

माता से कोई न कोई किसी समय आंशिक रूप में तकलीफ मिलती है। सवारी एवं नौकरों से भी कोई न कोई परेशानियाँ उपस्थित होती रहती हैं। जिसमें थोड़ा बहुत नुकसान उठाने पड़ते हैं। वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी कभी-कभी तनावग्रस्त हो जाता है। चन्द्रमा के प्रभावित होने के कारण जातक समय-समय मानसिक रूप से परेशान रहता है। कार्य के क्षेत्र में अनेक विघ्न आते हैं। पर वे सब विघ्न कालान्तर में स्वतः नष्ट हो जाते हैं। बहुत सारे कामों को एक साथ करने के कारण कोई भी काम प्रायः पूरा नहीं हो पाता है।

इस योग के प्रभाव से जातक का आर्थिक संतुलन थोड़ा बहुत बिगड़ जाता है, जिस कारण आर्थिक संकट उपस्थित हो जाता है। लेकिन इतना सब कुछ हो जाने के बाद भी जातक के व्यवसाय, नौकरी तथा राजनीति के क्षेत्र में बहुत सफलताएँ प्राप्त होती हैं एवं सामाजिक पद प्रतिष्ठा भी मिलती है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. बहते पानी में नारियल के फल को तीन बार शुभ मुहूर्त्त में प्रवाहित करें।
3. बहते पानी में कोयला को शुभ मुहूर्त्त में तीन बार प्रवाहित करें।
4. हरिजन को मसूर की दाल तथा द्रव्य शुभ मुहूर्त्त में तीन बार दान करें।
5. हनुमान चलीसा का 108 बार पाठ करें।
6. शयन कक्ष में लाल रंग के पर्दे, चादर तथा तकियों का उपयोग करें।
7. कुल देवता की पूजा करें।
8. धूम्रवस्त्र, तिल, कम्बल एवं सप्तधान्य शुभ मुहूर्त्त में रात्रि को दान करें।
9. केतु की उपासना उसकी महादशा में अवश्य करें।
10. देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबाल कर एक बार स्नान करें।
11. सवा महीने जौ के दाने पक्षियों को खिलाएँ।
12. नीला रूमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैन, लोहे की अंगूठी धारण करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

पितृदोष विचार

पितृदोष क्या है ?

हमारे पूर्वज या परिवार के सदस्य मृत्योपरांत पितृ संज्ञा प्राप्त करते हैं। पितृ हमारे और भगवान के बीच की कड़ी होते हैं। यदि ये प्रसन्न होते हैं तो जातक सुखी जीवन भोगता है, लेकिन यदि किसी कारणवश ये अप्रसन्न हो जाते हैं तो जातक को अनेक प्रकार की व्याधियाँ व कष्ट झेलने पड़ते हैं।

कालांतर में पितृ या तो मोक्ष को प्राप्त करते हैं, या पृथ्वी लोक पर पुनः जन्म ले लेते हैं। यदि परिवार के सभी पितरों का पुनर्जन्म या मोक्ष हो गया हो तो कुछ समय के लिए उस परिवार के कोई पितृ नहीं होते। ऐसे में जातक सुख दुख अपनी कुंडली अनुसार प्राप्त करता है। अतः परिवार के सदस्यों को चाहिए कि जब तक वे पितृ लोक में हैं तब तक तर्पणादि से उनकी सेवा करें। यदि पितृ प्रसन्न रहते हैं तो आशीर्वाद स्वरूप जातक चहुमुखी प्रगति प्राप्त करता है।

पितृ अप्रसन्न, दुःखी एवं अतृप्त होते हैं यदि किसी पूर्वज की अंतिम इच्छा पूर्ण न हुई हो, या किसी के द्वारा श्रापित हों या असामयिक मृत्यु हो गई हो। पितृ योनि में रहते हुए भी उन्हें भोजन की आवश्यकता होती है। यदि परिवार के सदस्य तर्पणादि द्वारा भोजन नहीं देते हैं तो वे भूख से व्याकुल हो जाते हैं। पितृ विभिन्न प्रकार के कष्टों की अनुभूति करते हैं जब तक कि जातक पितरों की शांति हेतु पूजन-पाठ, पिंडदान, तर्पण आदि न करे।

पितृ दोष अपने कर्मों के कारण न हो करके, अपने माता-पिता या पूर्वजों के कर्मों के कारण होते हैं, क्योंकि यह दोष तो जातक के जन्म से जन्मपत्री में विद्यमान होता है जबकि कर्म तो जन्म के बाद ही बनते हैं। अतः पितृदोष ऐसा दोष है जिसका कोई कारण समझ में नहीं आता, केवल लक्षण दर्शित होते हैं। जन्मपत्री में भी शुभ दशा व गोचर के योग होते हुए भी हमें हमारे कर्मों का फल प्राप्त नहीं होता, या घर में सदैव कलह, अशांति, धन की कमी व बीमारी लगी रहती है। संतान नहीं होती या संतान विक्षिप्त होती है, बच्चों के विवाह में अड़चन आती है या उनके विकास में अवरोध आते हैं। अतः जब भी किसी प्रकार की समस्या बार-बार आती है एवं कोई कारण नजर न आता हो तो हमें पितृ दोष की शांति करवानी चाहिए जब तक कि वातावरण और परिस्थितियां अनुकूल न हो जाएं।

पितृदोष लक्षण

1. परिवार में आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होना।
2. आनुवांशिक बीमारी होना और लंबी अवधि तक बीमारी का चलना।
3. परिवार में शारीरिक रूप से विकलांग या अनचाहे बच्चे का जन्म होना।
4. परिवार में बच्चों द्वारा असम्मान या प्रताड़ना का व्यवहार करना।
5. गर्भ धारण न होना या गर्भपात होना।
6. परिवार के किसी सदस्य का विवाह न होना।

7. परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा-फसाद होना।
8. कभी खत्म न होने वाली गरीबी परिवार में हो जाना।
9. बुरी आदतों की लत लग जाना।
10. परिवार में बार-बार केवल कन्या संतान का जन्म होना।
11. शिक्षा में बाधाएं आना।
12. स्वप्न में सांप दिखाई देना।
13. माथे पर गंदी करतूतों का कलंक लगना।
14. परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के पश्चात पीले होने लगना या काली खांसी होना।
15. परिवार के किसी सदस्य को स्वप्न में पूर्वज द्वारा खाना या कपड़े मांगते हुए दिखना।

पितृ की पहचान :

1. श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करें तो आपको कुछ दिनों में ही स्वप्न में पितृ दर्शन होंगे।
2. रात को सोने से पहले हाथ पैर धोकर अपने मन में अपने पितृ से प्रार्थना करें कि जो भी मेरे पितृ हैं वे मुझे दर्शन दें।
3. यदि आपका कोई कार्य अटक रहा है तो अपने पितृ को याद कीजिए और उन्हें कहें कि यदि आप हैं तो मेरा अमुक कार्य हो जाए। मैं आपके लिए शांति पाठ कराउंगा। आपकी ऐसी प्रार्थना से कार्य सिद्धि हो जाने पर यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपको पितृ शांति करवानी चाहिए।

पितृ दोष उपाय :

1. श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि के दिन तर्पण व पिंडदान करें। ब्राह्मण को भोजन कराएं व वस्त्र/दक्षिणा आदि दें।
2. यदि मृत्युतिथि न मालूम हो तो श्राद्ध पक्ष की अमावस्या के दिन तर्पण व पिंडदानादि कर्म करें।
3. प्रत्येक अमावस्या विशेषतः सोमवती अमावस्या को पितृभोग दें। इस दिन गोबर के कंडे जलाकर उसपर खीर की आहुति दें। जल के छींटे देकर हाथ जोड़ें व पितृ को नमस्कार करें।
4. सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें व गायत्री मंत्र का जप करें।
5. पीपल के पेड़ पर जल, पुष्प, दूध, गंगाजल व काले तिल चढ़ाकर पितृ को याद करें, माफी और आशीष मांगें।
6. रविवार के दिन गाय को गुड़ या गेहूं खिलाएं।
7. लाल किताब के अनुसार परिवार में जहां तक खून का रिश्ता है जैसे दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, ताया, बहन, बेटी, बुआ, भाई सबसे बराबर-बराबर धन, 1, 5 या दस रुपए लेकर मंदिर में दान करने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।
8. हरिवंश पुराण का श्रवण और गायत्री जप पितृ शांति के लिए लोकप्रसिद्ध है।
9. गया या त्र्यंबकेश्वर में त्रिपिंडी श्राद्ध या नन्दी श्राद्ध करें।
10. नारायणबलि पूजा करवाएं।

11. पितृ गायत्री का अनुष्ठान करवाएं –

ॐ देवताभ्य पितृभ्यश्च महायोगिभ्येव च।
नमः स्वाहायै स्वधायैः नित्यमेव नमो नमः।।

12. पितृ दोष निवारण उपायों में गया में पिंडदान, गया श्राद्ध तथा पितृ भोग अर्पण आदि क्रियाएं करते हुए उपरोक्त पितृ गायत्री मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
13. श्री कृष्ण मुखामृत गीता का पाठ करें।

पितृ पूजा के लिए आवश्यक निर्देश :

1. पितरों को मांस वाला भोजन न अर्पित करें।
2. पूजा के दिन स्वयं भी मांस भक्षण न करें।
3. पितृ पूजा में स्टील, लोहा, प्लास्टिक, शीशे के बर्तन का प्रयोग न करें। मिट्टी या पत्तों के बर्तनों का ही प्रयोग करें।
4. पितृ पूजा में घंटी न बजाएं।
5. पितृ पूजा करने वाले व्यक्ति की पूजा में व्यवधान न डालें।
6. बुजुर्गों का सम्मान करें।
7. पितरों के निमित्त किये जाने वाले गौ-दान से पितृ तृप्त होते हैं।
8. घर में पीने का पानी रखा जाता है उस स्थान पर विशेष पवित्रता रखें। यह स्थान पितृों का स्थान माना जाता है।
9. पितृ कर्म हेतु साल में 12 मृत्यु तिथि, 12 अमावस्या, 12 पूर्णिमा, 12 संक्रांति, 12 वैधृति योग, 24 एकादशी व श्राद्ध के 15 दिन मिलाकर कुल 99 दिन होते हैं।

आपकी कुण्डली में पितृदोष

- नवम् भाव के स्वामी पर राहु का प्रभाव है।
- लग्नेश अष्टम् भाव में स्थित है और उस पर राहु का प्रभाव है।

आपकी कुडली में मंगल और गुरु के कारण पितृदोष है।

आपकी कुंडली में मंगल पितृदोष कारक ग्रह है अतः परिवार के किसी पुरुष सदस्य द्वारा क्रोधवश किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ आपको नौकर, छोटे भाईयों को दान देना चाहिए।

आपकी कुंडली में वृहस्पति पितृदोष कारक ग्रह है अतः दादाजी द्वारा किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ आप विद्वानजनों, वृद्ध ब्राहमण और पति को दान दें। विद्यालय में पुस्तकों का दान करें।

आपकी कुंडली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के

कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह त्र्यंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।

एस्ट्रोग्राफ - 2025

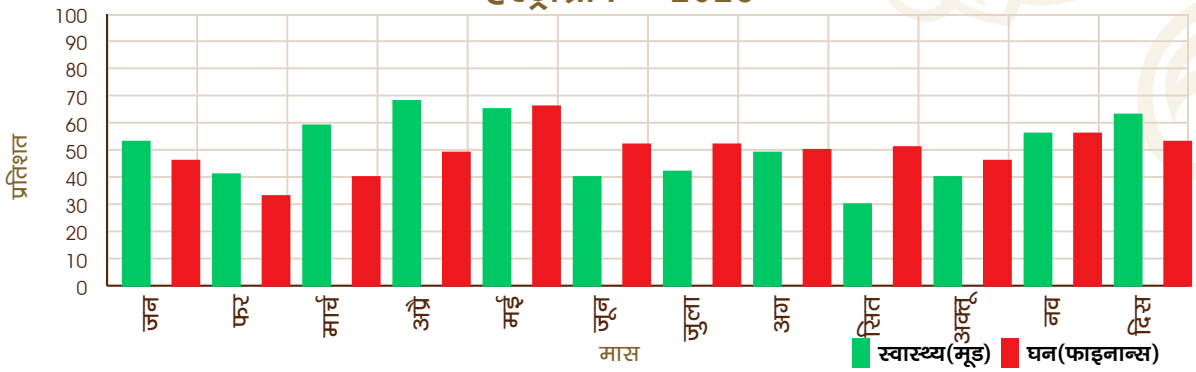

एस्ट्रोग्राफ - 2026

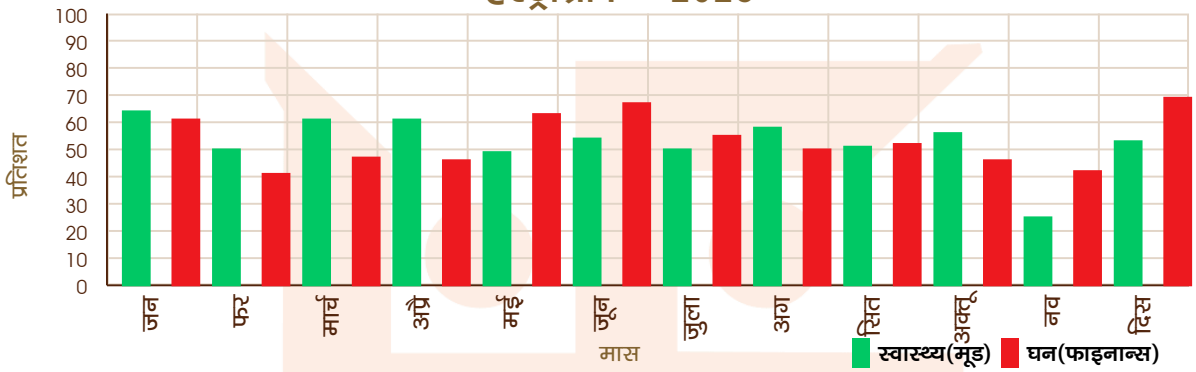

एस्ट्रोग्राफ - 2027

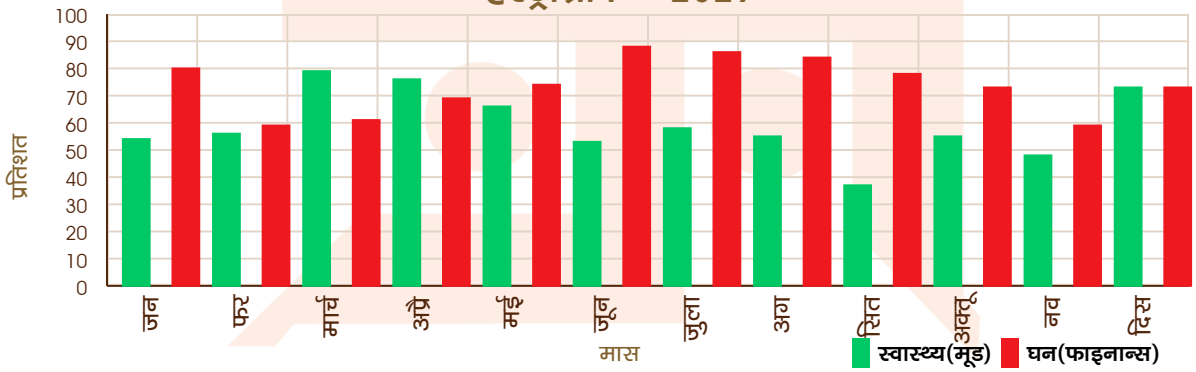

एस्ट्रोग्राफ - 2028

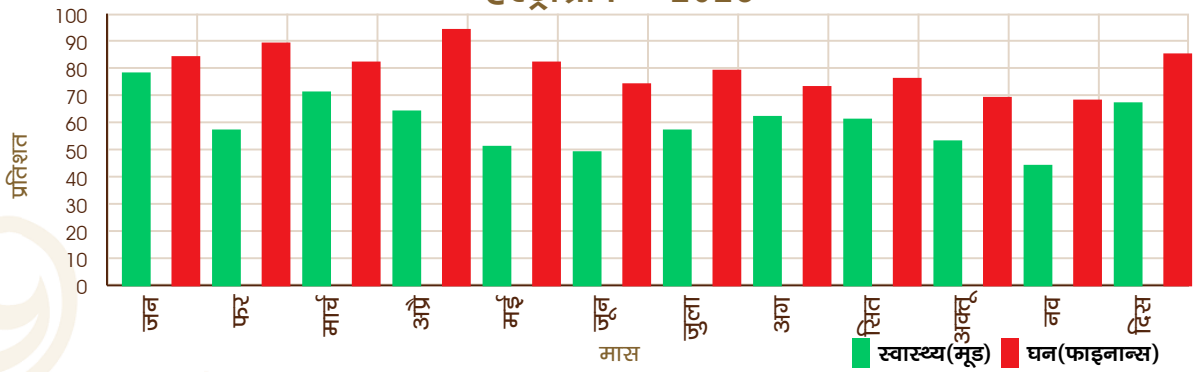

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

एस्ट्रोग्राफ - 2029

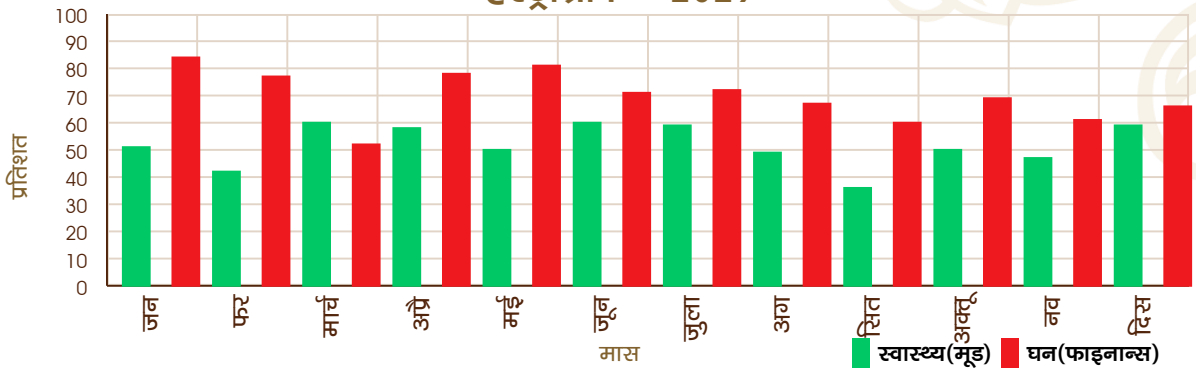

एस्ट्रोग्राफ - 2030

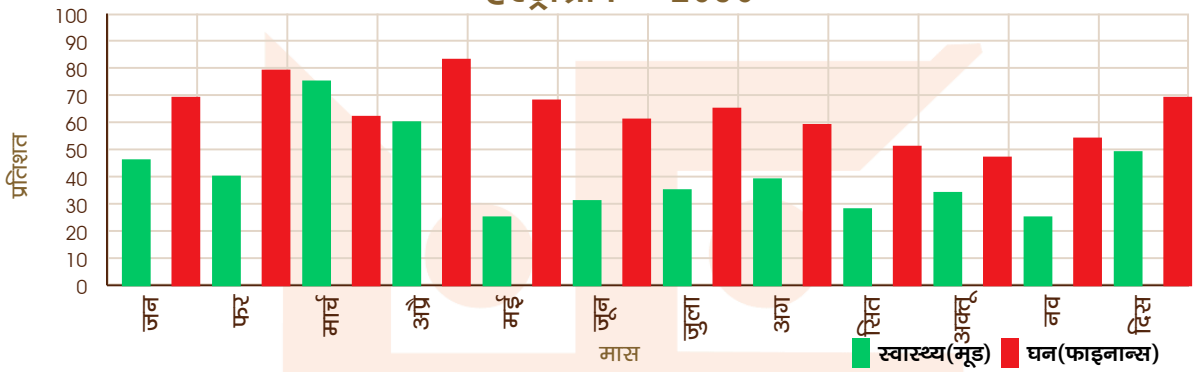

एस्ट्रोग्राफ - 2031

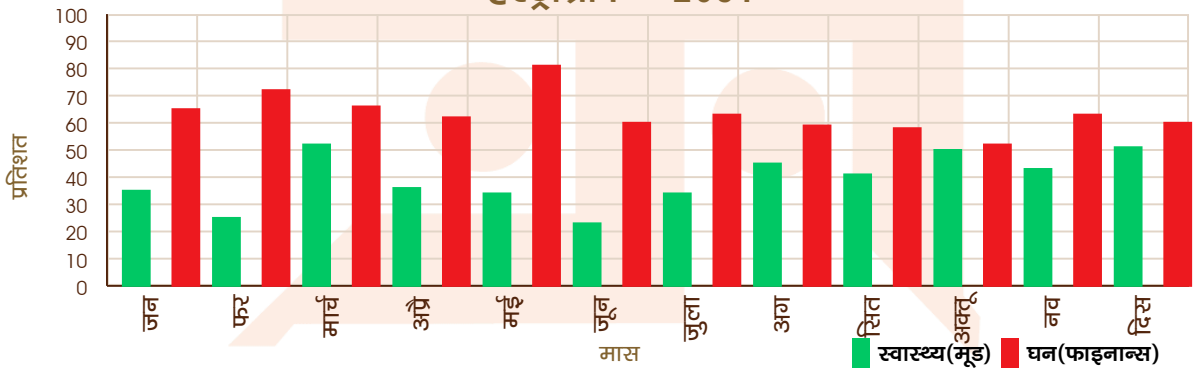

एस्ट्रोग्राफ - 2032

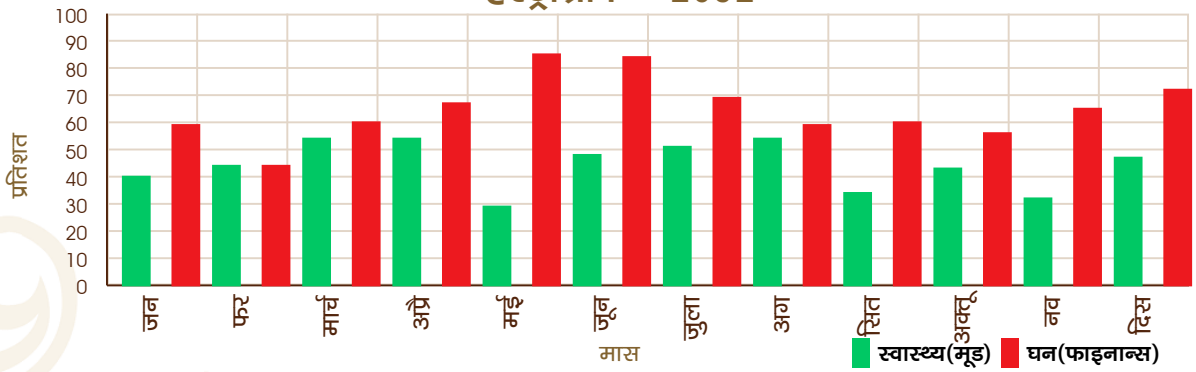

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

एस्ट्रोग्राफ - 2033

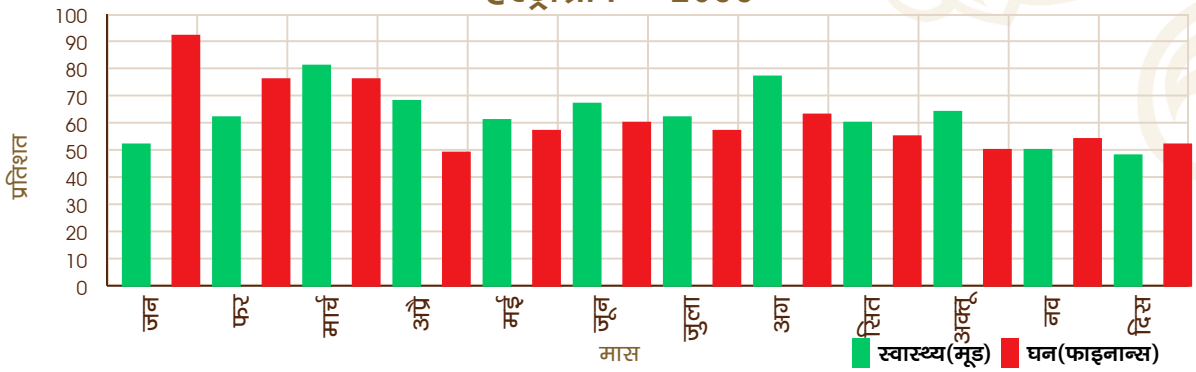

एस्ट्रोग्राफ - 2034

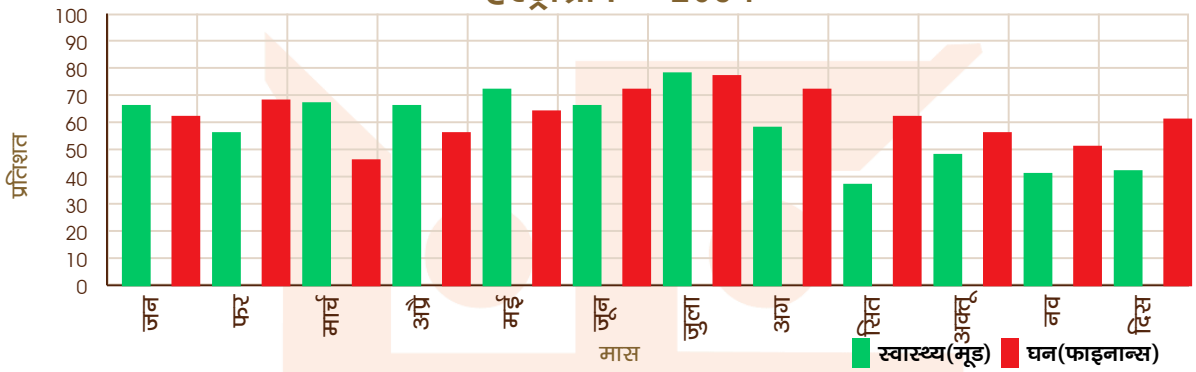

एस्ट्रोग्राफ - 2035

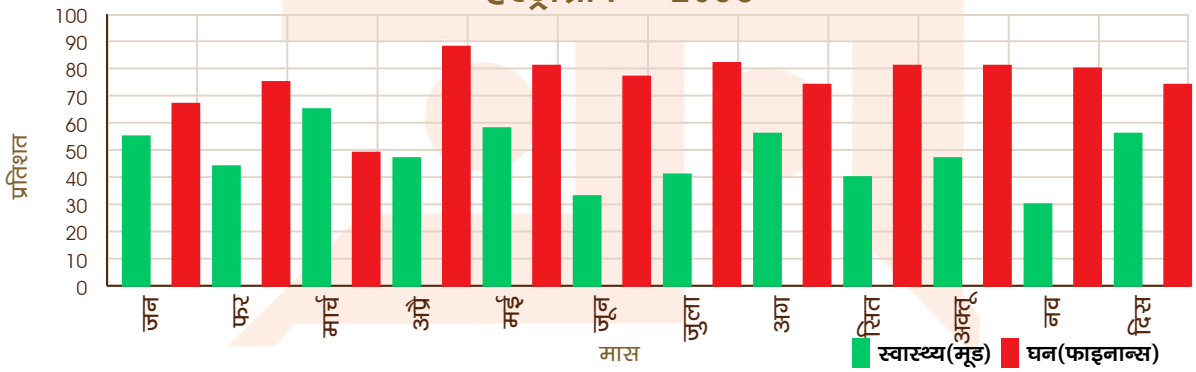

एस्ट्रोग्राफ - 2036

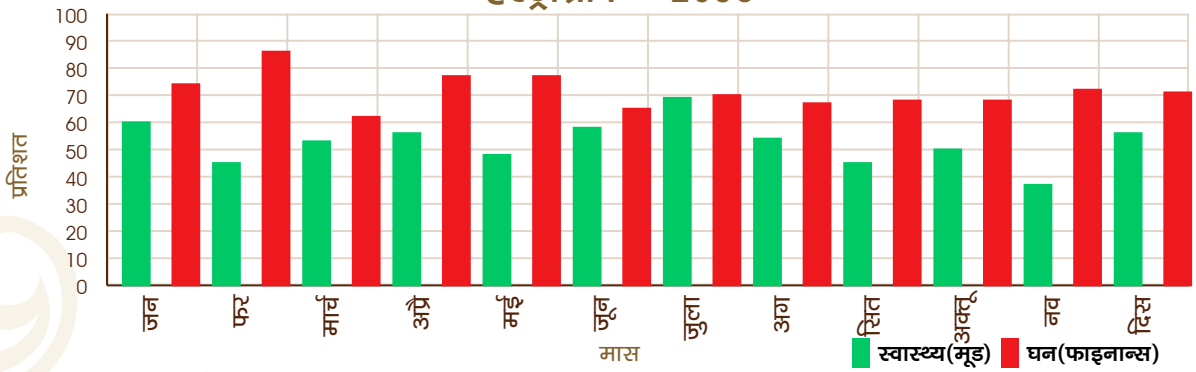

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

एस्ट्रोग्राफ - 2037

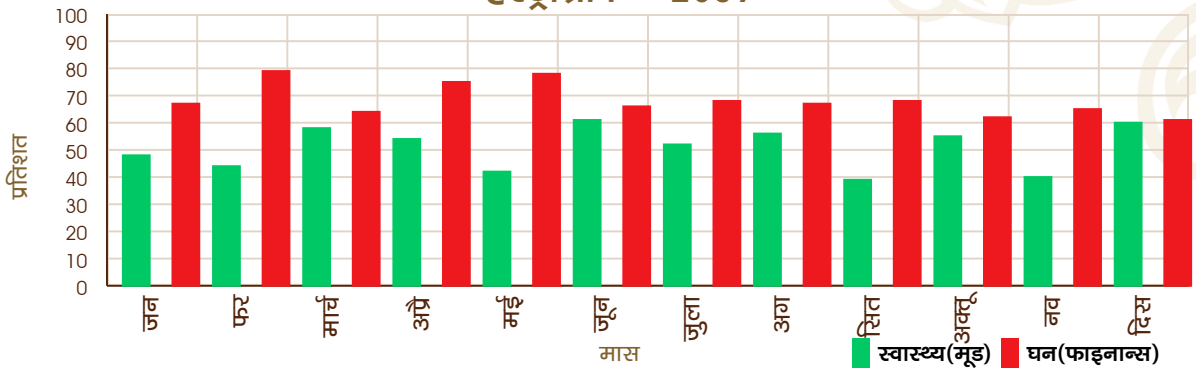

एस्ट्रोग्राफ - 2038

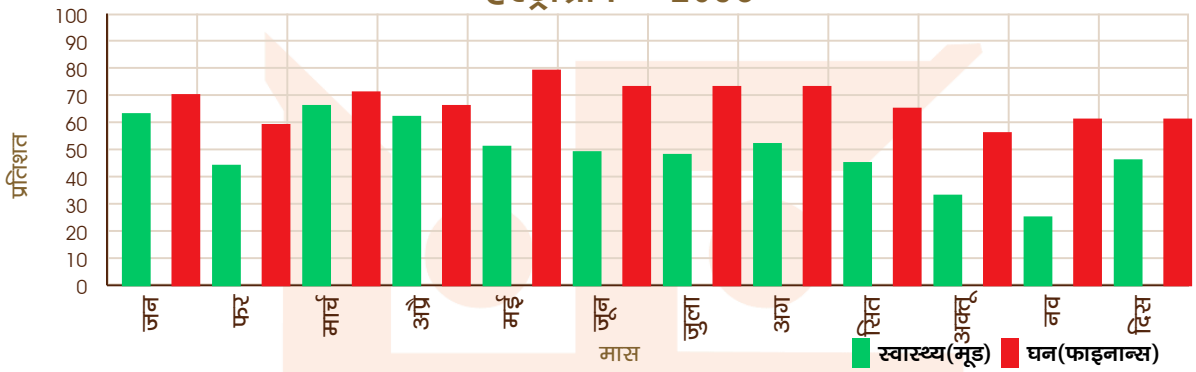

एस्ट्रोग्राफ - 2039

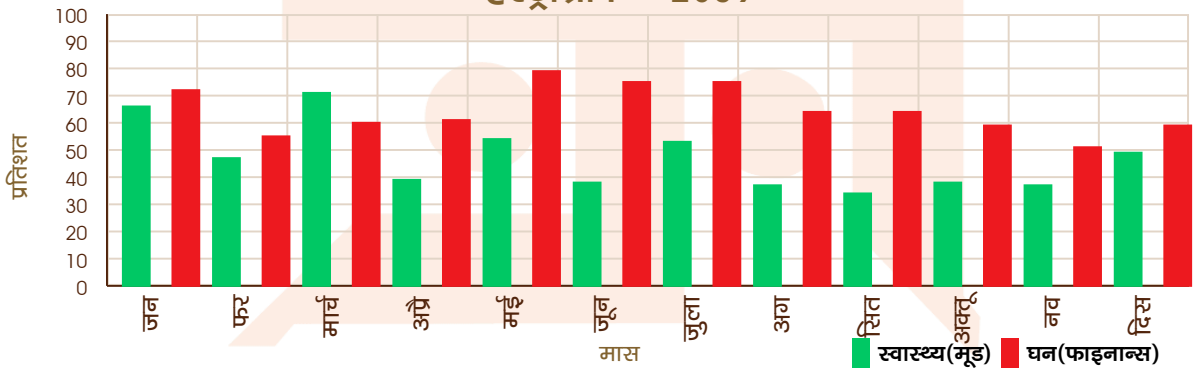

एस्ट्रोग्राफ - 2040

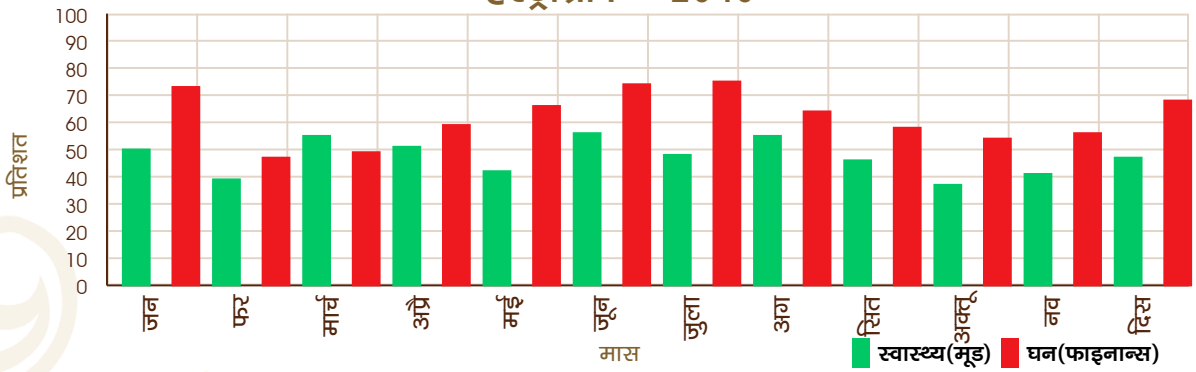

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

एस्ट्रोग्राफ - 2041

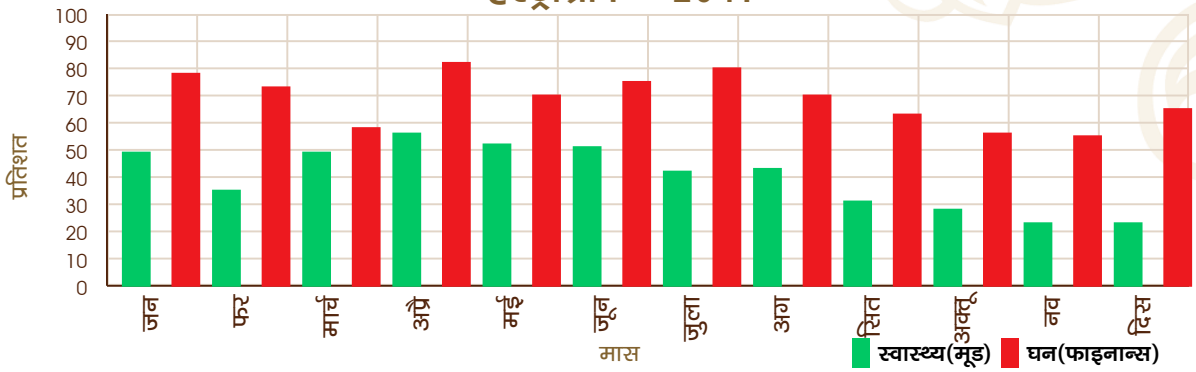

एस्ट्रोग्राफ - 2042

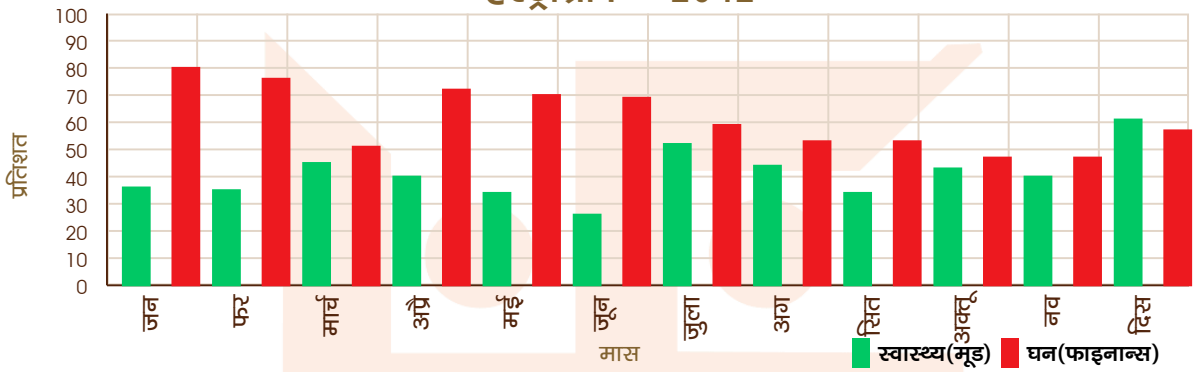

एस्ट्रोग्राफ - 2043

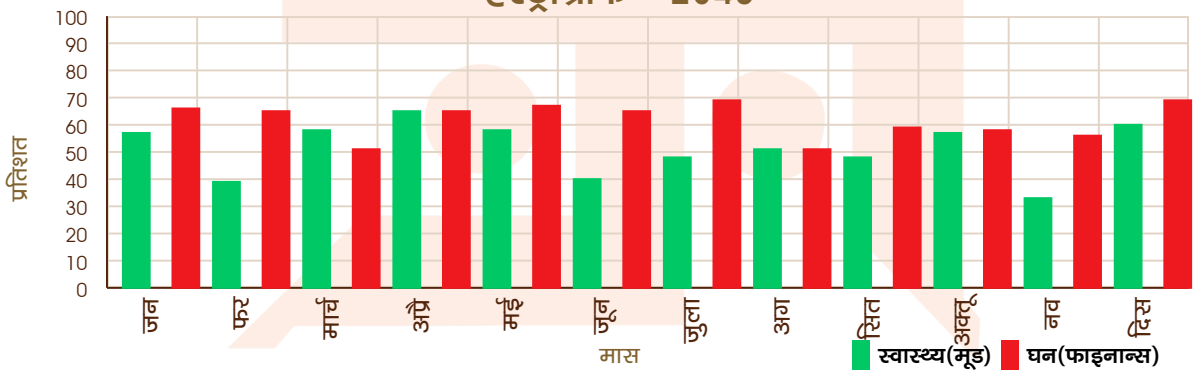

एस्ट्रोग्राफ - 2044

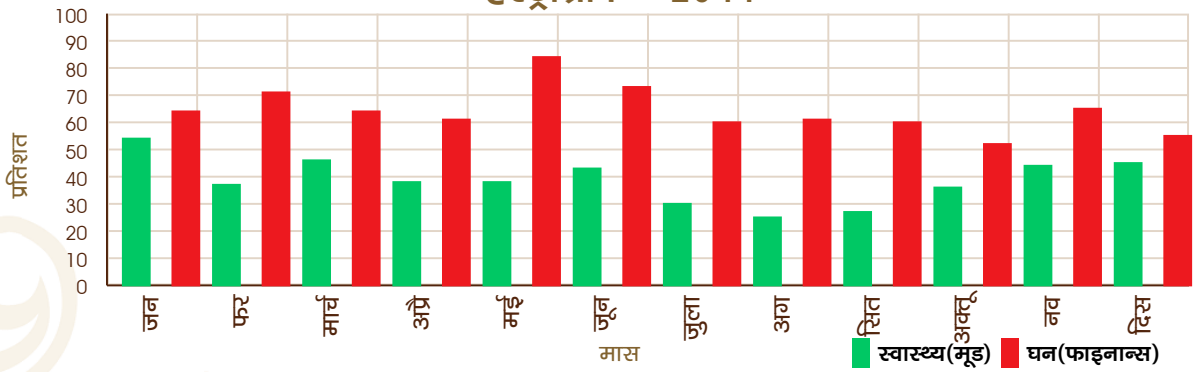

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com